अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com
उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र
आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक
राष्ट्रीय प्रस्तावना
गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद, आजमगढ़, अयोध्या, झांसी, अम्बेडकरनगर, एटा, औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर, जौनपुर, श्रावस्ती, उरई, जालौन, फिरोजाबाद, हरदोई, मथुरा, कानपुर, ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर, सिद्धार्थनगर, सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित
वर्ष : 15 अंक 22 लखनऊ, शनिवार, 02 अगस्त 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

देश के खिलाफ काम कर रहा चुनाव आयोग: राहुल गांधी

नई दिल्ली। कंग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को चुनाव आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि संस्था देश के खिलाफ काम कर रही है। नेता विपक्ष राहुल गांधी ने संसद भवन के बाहर पत्रकारों से बातचीत के दौरान आरोप लगाया कि हमारे पास सबूत है कि चुनाव के दौरान वोट चोरी हो रही है और चुनाव आयोग इसमें सीधे तौर पर मिला हुआ है। हम इसके बारे में जल्द ही जानकारी जारी करेंगे। जिससे देश के लोगों को स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। उन्होंने कहा कि चुनाव दर चुनाव उनका शक गहराता गया है। इसको लेकर कंग्रेस ने जांच करवाई है। इस जांच में 6 महीने लगे हैं और हमें कुछ बहुत बड़ा मिला है, जिससे चुनाव आयोग की साख पूरी तरह समाप्त हो जाएगी।

प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन के लिए मांगे सुझाव

नई दिल्ली। भारत 15 अगस्त को अपना 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाने की तैयारियों में जुटा है। इसी सिलसिले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस वर्ष लाल किले की प्राचीर से दिए जाने वाले अपने स्वतंत्रता दिवस संबोधन के लिए देशवासियों से विचार और सुझाव आमंत्रित किए हैं। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर एक संदेश में कहा, ल्लजैसे-जैसे हम इस वर्ष के स्वतंत्रता दिवस के निकट पहुंच रहे हैं, मैं अपने साथी भारतीयों के विचार सुनने के लिए उत्सुक हूं।

अमेरिका की टैरिफ धमकियों को भारत ने किया नजरअंदाज, कहा- हमारा ध्यान ठोस एजेंडे पर

नई दिल्ली। भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ बढ़ोतरी की धमकियों के संदर्भ में शुक्रवार को कहा कि दोनों देशों के बीच साझा हितों पर आधारित वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है। हमारा ध्यान द्विपक्षीय संबंधों के ठोस एजेंडे पर केन्द्रित है। हमें विश्वास है कि यह रिश्ते आगे बढ़ते रहेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अमेरिकी राष्ट्रपति के बदलते हुए तेवर को ज्यादा तूल नहीं देते हुए साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में उक्त बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका संबंध साझा हितों, लोकतांत्रिक मूल्यों और दोनों देशों की जनता के मेल-मिलाप पर आधारित हैं।

यूपी को फुटवियर-लेदर विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनाएगी नई नीति : योगी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- यूपी फुटवियर, लेदर व नॉन–लेदर क्षेत्र विकास नीति के प्रारूप पर मुख्यमंत्री ने की बैठक
- 'डिज़ाइन टू डिलीवरी' मॉडल के साथ एकीकृत इकोसिस्टम विकसित करेगा उत्तर प्रदेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ने फुटवियर, लेदर और नॉन-लेदर विनिर्माण के क्षेत्र को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने की दिशा में ठोस कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को एमएसएमई विभाग की समीक्षा बैठक में कहा कि उत्तर प्रदेश को इस क्षेत्र में वैश्विक पहचान दिलाने की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के पारंपरिक कौशल, प्रशिक्षित श्रमबल, कच्चे माल की प्रचुरता और आगरा, कानपुर व उन्नाव जैसे सशक्त औद्योगिक केंद्रों की मौजूदगी को देखते हुए एक समग्र, व्यावहारिक और परिणामोन्मुखी नीति का निर्माण करना आवश्यक हो गया है।

बैठक में 'उत्तर प्रदेश फुटवियर, लेदर एवं नॉन-लेदर क्षेत्र विकास नीति 2025' के प्रारूप पर विभागीय अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने क्लस्टर आधारित विकास मॉडल को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि नीति में स्पष्ट रूप से यह परिभाषित किया जाए कि प्रदेश के कौन-से क्षेत्र इस उद्योग के लिए सबसे उपयुक्त हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि यदि उत्पादन, डिज़ाइन, अनुसंधान और प्रशिक्षण को एकीकृत किया जाए तो यह क्षेत्र न केवल बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित कर सकता है, बल्कि लाखों युवाओं को रोजगार भी उपलब्ध करा सकता है। उन्होंने फ्लैटेड फैक्टरी कॉम्प्लेक्स जैसी अधोसंरचना सुविधाओं की स्थापना की आवश्यकता पर बल दिया ताकि औद्योगिक इकाइयों को बेहतर कार्य वातावरण मिल सके।

अधिकारियों ने जानकारी दी कि प्रस्तावित नीति के तहत अगले कुछ वर्षों में लगभग 22 लाख नई नौकरियों के सृजन की संभावना है। यह नीति उत्तर प्रदेश को वैश्विक फुटवियर और लेदर विनिर्माण का केंद्र बनाने की दिशा में एक निर्णायक पहल मानी जा रही है। वर्तमान में भारत इस क्षेत्र में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता है। इसमें उत्तर प्रदेश की भागीदारी महत्वपूर्ण है। अकेले कानपुर और उन्नाव में 200 से अधिक सक्रिय टैनरियां कार्यरत हैं। आगरा को तो देश की ''फुटवियर राजधानी'' के रूप में जाना जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नीति के तहत न केवल लेदर और नॉन-लेदर फुटवियर निर्माण इकाइयों को बढ़ावा दिया जाए, बल्कि इससे जुड़ी सहायक इकाइयों; जैसे बकल्स, ज़िप, सोल, इनसोल, लेस, केमिकल्स, डाइज, हील्स, थ्रेड्स, टैग्स और लेबल्स के निर्माण को भी विशेष प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि मशीनरी निर्माण, विशेष रूप से चमड़ा सिलाई, कटिंग, मोल्डिंग और नॉन-लेदर सेफ्टी शूज बनाने वाली तकनीकों से संबंधित इकाइयों को भी समर्थन मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समग्र दृष्टिकोण प्रदेश में एक पूर्ण एकीकृत फुटवियर मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम तैयार करेगा, जिससे 'डिज़ाइन टू डिलीवरी' मॉडल को स्थानीय स्तर पर साकार किया जा सकेगा। उन्होंने बेहतर उत्पादों के लिए स्किलिंग, पैकेजिंग और मार्केटिंग की मजबूत रणनीति तथा प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता को भी रेखांकित किया।

बैठक में प्रस्तावित 'उत्तर प्रदेश औद्योगिक आस्थान नीति' पर भी विचार-विमर्श हुआ। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में औद्योगिक क्षेत्रों में भूमि के कुशल उपयोग की कमी, लीज निष्पादन में जटिलता, अनधिकृत बंधक और सब-लेटिंग तथा अनुपयोगी भूखंडों जैसी समस्याएं सामने आती रही हैं। प्रस्तावित नीति इन सभी बाधाओं को दूर करते हुए एक पारदर्शी, सुस्पष्ट और समयबद्ध प्रणाली प्रदान करेगी। भूखंडों का आवंटन ई-नीलामी अथवा अन्य पारदर्शी माध्यमों से किया जाएगा और क्षेत्रानुसार भूमि की दर निर्धारित होगी। हालांकि एंकर इकाइयों के लिए भूमि की दर शासन द्वारा तय की जाएगी।मुख्यमंत्री ने औद्योगिक आस्थान नीति को अत्यंत व्यावहारिक बताते हुए कहा कि यदि भूखंडों के आवंटन से लेकर लीज डीड निष्पादन, निर्माण और उत्पादन तक की प्रक्रिया स्पष्ट, सरल और उत्तरदायी हो, तो निवेशकों को प्रदेश में उद्योग लगाने के लिए आवश्यक आश्वस्ति प्राप्त होगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में सीमित औद्योगिक भूमि को ध्यान में रखते हुए 'लीज रेंट मॉडल' पर विचार किया जाए, जिससे निवेशकों का अनावश्यक पूंजीगत व्यय कम होगा और औद्योगिक विकास को गति मिलेगी।मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि निजी औद्योगिक पार्कों को बढ़ावा देने के लिए पूंजीगत प्रोत्साहनों के साथ-साथ स्टाम्प ड्यूटी में छूट, बिजली और लॉजिस्टिक्स सब्सिडी तथा सिंगल विंडो अनुमोदन जैसी सुविधाएं सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने निर्देशित किया कि नीति के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु एकीकृत ऑनलाइन आवेदन और प्रोत्साहन वितरण प्रणाली विकसित की जाए, जिससे सभी प्रक्रियाएं डिजिटल, सुगम और ट्रैक योग्य बन सकें।

पैदल चलने वालों की सुरक्षा पर चार हफ्ते में दिशानिर्देश तैयार करें केंद्र : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने पैदल चलने वालों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए बाधा रहित फुटपाथ संबंधी दिशानिर्देश तैयार करने का शुक्रवार को केंद्र सरकार को निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने पैदल चलने वालों की सुरक्षा से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए यह भी कहा कि अगर केंद्र सरकार दिशानिर्देश बनाने में विफल रही तो यह अदालत अधिवक्ता की सहायता से आवश्यक कार्रवाई करेगी। इस पर केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल विक्रमजीत बनर्जी ने कहा कि केंद्र सरकार इस संबंध में दिशानिर्देश तैयार करेगी। पीठ ने कहा, यह बताया गया है कि नागरिकों के उपयोग के लिए उचित फुटपाथ होना ज़रूरी है। फुटपाथ ऐसे होने चाहिए जो दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सुलभ और उपयोग योग्य हों और फुटपाथों पर अतिक्रमण हटाना अनिवार्य है। पीठ के समक्ष न्यायमित्र वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव अग्रवाल ने दलील दी कि केंद्र सरकार द्वारा दिशानिर्देश अभी तक नहीं बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत ने सड़क सुरक्षा से संबंधित विभिन्न आदेशों के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए पूर्व उच्चतम न्यायालय न्यायाधीश न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे की अध्यक्षता में एक समिति गठित की थी। उन्होंने ने कहा कि दिशानिर्देश तैयार होने के बाद, समिति पैदल यात्रियों की मौतों को रोकने के लिए उनके कार्यान्वयन की निगरानी शुरू कर सकती है।

एसआईआर के मुद्दे पर संसद में विपक्ष का हंगामा, कामकाज ठप्प

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों में बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्ष के हंगामे के कारण शुक्रवार को कोई कामकाज नहीं हो सका और एक-एक बार के स्थगन के बाद कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गयी।

राज्यसभा में विपक्ष के हंगामे के कारण कार्यवाही पहले 12 बजे तक और फिर सोमवार सुबह 11 बजे तक लिए स्थगित कर दी गयी। दूसरी ओर लोकसभा में कार्यवाही पहले 2 बजे और बाद में सोमवार के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा में पूर्वाह्न 11 बजे कार्यवाही शुरू होते ही बिहार के संदर्भ में एसआईआर को लेकर विपक्ष ने हंगामा शुरु कर दिया। इस बीच आम आदमी पार्टी के सदस्य अशोक कुमार मित्तल ने अस्पतालों में भीड़ का मुद्दा उठाया। हंगामा फिर भी नहीं थमा। इसके बाद सदन की कार्यवाही 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। सदन की कार्यवाही 12 बजे दोबारा शुरू होने पर भी विपक्षी सदस्यों का हंगामा जारी रहा। पीठासीन अधिकारी घनश्याम तिवाड़ी ने प्रश्नकाल को शुरुआत की । पहले प्रश्न के उत्तर में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव जवाब के लिए उठे लेकिन हंगामे के कारण कार्यवाही चल नहीं सकी, जिसके बाद कार्यवाही सोमवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। लोकसभा में अध्यक्ष ओम बिरला ने पूर्वाह्न 11 बजे कार्यवाही शुरु होते ही विपक्ष के शोर-शराबे और तख्तियां लेकर आने पर आपत्ति जताई। बिरला ने सदस्यों से प्रश्नकाल को चलने देने का आग्रह किया लेकिन हंगामा जारी रहा जिसके बाद कार्यवाही 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। अपराह्न दो बजे कार्यवाही दोबारा शुरु होने पर सरकार ने गोवा राज्य विधानसभा के निर्वाचन क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों के प्रतिनिधित्व का समायोजन विधेयक, 2024 चर्चा के लिए पेश किया। लेकिन विपक्ष का हंगामा जारी रहा। इस पर संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने विपक्ष पर अनुसूचित जनजाति (एसटी) विरोधी होने के आरोप लगाया।

मथुरा के गांव बारिश से बेहाल, प्रशासन नींद में!

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मथुरा। भगवान कृष्ण की नगरी मथुरा के गोवर्धन क्षेत्र के आस-पास के गांवों में इस समय बारिश से अत्यंत बुरा हाल है। गोवर्धन के पास स्थित महरौली गांव में तो इतनी अधिक बारिश हुई है कि खेतों के साथ साथ घरों में भी पानी भर गया है। घरों के भीतर पानी पहुंच जाने से तमाम घरों की दीवारों में दरार आ गई है और कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है इस भय से लोग घरों से बाहर निकलने को मजबूर हैं। राजस्थान की सीमा पर स्थित यह गाँव पूरी तरह से जलमग्न है, लोग त्राहि-त्राहि कर रहे हैं लेकिन मथुरा का प्रशासन गहरी नींद में सोया हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इतने खराब हालात के बावजूद किसी भी प्रशासनिक अधिकारी ने अब तक गाँव की सुध नही ली है। बारिश के कारण पशुओं पर भी आफत टूट पड़ी है और अब यहां के लोग मजबूरी में पशुओं को बेच रहे हैं या दूसरे रिश्तदारों के यहाँ भेज रहे हैं। गांव के खराब हालात पर पूर्व प्रधान दाऊ जी सिंह और नारायण सिंह का कहना है कि वह पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और लगातार प्रशासन से मदद की गुहार भी लगा रहे हैं लेकिन अभी तक प्रशासन की तरफ से महरौली गांव पहुंचने की कोशिश नहीं की गई है। वहीं ग्राम प्रधान शिशुपाल ने भी सरकार से मदद की गुहार लगाई है ।

मैनपुरी में सड़क हादसे में एक परिवार के पांच सदस्यों की मौत, मुख्यमंत्री ने जताया शोक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश में मैनपुरी जिले के बेवर थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर को एक मार्ग दुर्घटना में कार सवार एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई है। एक बच्ची घायल है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतकों की पहचान के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सड़क हादसे में हुई जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद साहा ने बताया कि मैनपुरी के हरीपुर कैथोली गांव निवासी दीपक चौहानअपने परिवार के साथ आगरा में रहने वाली भतीजी काव्या चौहान का जन्मदिन मनाकर लौट रहा था। जीटी रोड हाईवे पर ग्राम नगला ताल के पास कार अचानक बेकाबू होकर डिवाइडर पार करते हुए कानपुर-आगरा लेन में पहुंच गई।

अपने पैरों पर खड़ा होना चाहती है कांग्रेस

अभयानंद शुक्ल
राजनीतिक विश्लेषक

- अब ओबीसी वोट बैंक पर है पार्टी की नजर
- मंडल विरोधी का ठप्पा हटाना चाहते हैं राहुल

लखनऊ। लगातार भाजपा से मात खा रही कंग्रेस अब बेचैन है, और अब वह किसी भी तरह अपने पैरों पर खड़ा होना चाहती है। दरअसल इंडी गठबंधन के उसके साथी कभी-कभी या तो आंखें दिखा रहे हैं या फिर छोड़ कर चले जा रहे हैं। अभी हाल ही में आम आदमी पार्टी ने इंडी गठबंधन का साथ छोड़ दिया है, और उसने अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया है। इसके अलावा कभी टीएमसी, कभी राजद और कभी समाजवादी पार्टी जैसे दल भी गाहे-बगाहे उसे आंखें दिखाते ही रहते हैं। ऐसे में अब कंग्रेस पार्टी अपने पैरों पर खड़ा होना चाहती है, और इसके लिए उसे एक विनिंग वोट समीकरण की तलाश है। इसके अलावा कंग्रेस अब मंडल विरोधी होने का ठप्पा भी साफ करना चाहती है। शायद इसीलिए वह अब ओबीसी वोट बैंक में अपनी पैठ बनाने की कोशिश में है। पिछले दिनों कंग्रेस के भागीदारी न्याय सम्मेलन में राहुल गांधी द्वारा दिए गए भाषण में भी विशेष रूप से ओबीसी वर्ग को चिन्हित किया गया। इस मौके पर राहुल गांधी ने कहा कि अगर उन्हें मालूम होता कि ओबीसी वर्ग इतनी बड़ी संख्या में है तो वे कब का जाति जनगणना करा चुके होते। किंतु अब उन्हें समझ में आ गया है, और वे अब इसे करवा कर ही मानेंगे। ऐसे में उनका ये बयान उनके गठबंधन साथियों समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल और टीएमसी को परेशान भी कर सकता है, क्योंकि इन पार्टियों का मूल आधार ही ओबीसी वर्ग है। एक तरह से यह भी कह सकते हैं कि अगर राहुल गांधी की ये कोशिश परवान चढ़ी तो इसका नुकसान भी इन दलों को हो सकता है।

1980 में ही तैयार हो गई थी मंडल आयोग की रिपोर्ट

वर्ष 1979 में, भारत सरकार ने बी.पी. मंडल की अध्यक्षता में द्वितीय पिछड़ा वर्ग आयोग (मंडल आयोग) की स्थापना की थी। इस आयोग का उद्देश्य सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों की पहचान और उनके उत्थान के उपायों की सिफारिश करना था। आयोग ने 1980 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी थी, जिसमें ओबीसी के लिए सरकारी नौकरियों में 27% आरक्षण की सिफारिश की गई थी। हालांकि इसके विरोध में आंदोलन भी शुरू हो गये थे। राजीव गोस्वामी अक्टूबर 1990 में दिल्ली विश्वविद्यालय के देशबंधु कॉलेज में छात्र रहते हुए आत्मदाह का प्रयास करने वाले पहले छात्र थे। ओबीसी के लिए आरक्षण की शुरुआत 1990 में मंडल आयोग की सिफारिशों के आधार पर हुई थी। इसके लिए 6 अगस्त, 1990 को निर्णय लिया गया। इसकी घोषणा 7 अगस्त, 1990 को प्रधानमंत्री ने संसद में की थी। इस निर्णय को कोर्ट में चुनौती भी दी गई थी। 1992 में सर्वोच्च न्यायालय ने इस फैसले को बरकरार रखा। इसके बाद 1993 में इसे सरकारी नौकरियों में लागू कर दिया। इसके बाद यह 2006 में केंद्रीय शैक्षणिक संस्थानों में भी ओबीसी आरक्षण लागू हुआ।

राहुल गांधी ने बीते शुक्रवार दिनांक 26 जुलाई को पार्टी के कंग्रेस भागीदारी न्याय सम्मेलन में कहा कि उन्हें इस बात का अफसोस है कि वे समय से यह काम नहीं कर पाए। ऐसे में लगता है कि राहुल गांधी की नजर अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव के ओबीसी वोट बैंक पर है। राहुल गांधी के इस बयान के बहुत दूरगामी परिणाम भी होंगे, ऐसा लगता है। हालांकि राहुल गांधी ने इस मौके पर यह भी कहा कि मुझे ओबीसी, दलित और जनजाति वर्ग और महिलाओं की आवाज उठाने के लिए अव्वल नंबर भी मिलना चाहिए, क्योंकि मैं इनके लिए लगातार आवाज उठाता आ रहा हूं।

हालांकि इस कार्यक्रम में कंग्रेस के एक नेता कांचा इलैया ने बोलते-बोलते यह तक कह दिया कि राहुल गांधी मिक्स कास्ट के हैं, यानी देसी भाषा में कहें तो औरस संतान हैं। ऐसे में सवाल यह भी उठता है कि फिर वह ब्राह्मण कैसे हो गए। दरअसल कांचा इलैया यह कहना चाहते थे कि राहुल गांधी बड़ी जाति का होने के बावजूद पिछड़ों, दलितों और आदिवासियों के लिए आवाज उठाते रहे हैं। और उनका हित रक्षक होने के कारण राहुल गांधी मिक्स जाति के हैं। कांचा इलैया के इस बयान को सत्तापक्ष ने तुरंत लपक लिया और सवाल उठा दिया कि फिर राहुल गांधी दत्तात्रेय ब्राह्मण कैसे हो गए। सनद रहे कि स्वयं राहुल गांधी और उनके पार्टी के लोग उन्हें दत्तात्रेय ब्राह्मण बताते रहे हैं।

खैर, कंग्रेस पार्टी पर आरोप है कि 1980 में मंडल आयोग की रिपोर्ट बनकर तैयार हो जाने के बावजूद कंग्रेस की सरकार ने इसे दबाए रखा और लागू नहीं किया। इसको लेकर तब के समाजवादी नेता गण मुलायम सिंह यादव, लालू प्रसाद यादव, शरद यादव, जार्ज फर्नांडिस, नीतीश कुमार आदि कंग्रेस पर आरोप लगाते रहे हैं कि कंग्रेस चूंकि पिछड़ा विरोधी रही है, इसलिए उसने रिपोर्ट दबाकर रखा। बाद में जब वीपी सिंह की सरकार बनी तो ये रिपोर्ट लागू की गई थी। तब देश में इसके खिलाफ बड़ा आंदोलन हुआ। आरोप है कि इस निर्णय से नाराज भाजपा ने काफी दिनों बाद वीपी सिंह की सरकार से समर्थन वापस ले लिया था। हालांकि भाजपा इस बात से इन्कार करती है कि उसने अपना समर्थन इस आधार पर वापस लिया था। उसका कहना है कि उसने समर्थन वापस सरकार की अन्य नीतियों के खिलाफ लिया था। लेकिन कंग्रेस आज भी इस मुद्दे पर भाजपा को घेरती आ रही है। इस मामले में कंग्रेस को सर्वाधिक गुनहगार माना जाता रहा है, क्योंकि उस पर इस रिपोर्ट को दबा देने का आरोप लगता रहा है। ऐसे में अब राहुल गांधी उस पाप को धोने की लगातार कोशिश में हैं। वैसे भी वर्तमान समय में कंग्रेस क्षेत्रीय पार्टियां की पिछलग्गू के रूप में है। और मजबूरी में ओबीसी की बात कर रही है। ऐसे में शायद राहुल गांधी मौके पर चौका मारने के प्रयास में हैं, और आंख मूंद कर ओबीसी की बात करने लगे हैं। और शायद उनको यह समझ में आ गया है कि अब इस मुद्दे को इग्नोर नहीं किया जा सकता। इसीलिए शायद पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार ने भी जतीय जनगणना कराने की घोषणा कर राहुल गांधी के इस नैरेटिव को हाईजैक करने की कोशिश की है।

मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू होने का प्रभाव

1990 में, तत्कालीन प्रधानमंत्री वी.पी. सिंह ने संसद में मंडल आयोग की सिफ़ारिशों को लागू करने की घोषणा की थी। इसके बाद उत्तर और पश्चिमी भारत में हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए। कई छात्रों ने विरोध में आत्मदाह कर लिया और कुछ की मृत्यु भी हो गई। हालांकि इस पर दक्षिणी राज्यों की प्रतिक्रिया काफ़ी नरम रही, क्योंकि उन राज्यों में पहले से ही 50 फीसदी के क़रीब आरक्षण था, और इसलिए वे इन सिफ़ारिशों से ज़्यादा सहमत थे। इसके अलावा उन क्षेत्रों में उच्च जातियों का प्रतिशत 10 फीसदी से भी कम था, जबकि उत्तर भारत में यह 20 फीसदी से ज़्यादा था। इसका एक कारण यह भी था कि दक्षिणी राज्यों के युवा बेहतर औद्योगिक क्षेत्र के कारण सरकारी रोज़गार पर उतने ज़्यादा निर्भर नहीं थे।

1992 में ओबीसी आरक्षण को बहाल करते समय सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि केवल जाति ही सामाजिक और शैक्षिक पिछड़ेपन का सूचक नहीं है। उसने कहा कि ओबीसी के 'क्रीमी लेयर' को आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए। यह फैसला सर्वोच्च न्यायालय के 11 जजों द्वारा किया गया था।

यूपी में गाय के गोबर से बनेगा कपड़ा और बायोप्लास्टिक

- गो सेवा आयोग की दूरदर्शी योजना
- अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाएगा यूपी का गोसेवा मॉडल
- रोजगार, उद्यम और राजस्व तीनों बढ़ेंगे

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से उत्तर प्रदेश में प्लास्टिक प्रदूषण को नियंत्रित करने की दिशा में एक बड़ा और क्रांतिकारी कदम उठाया गया है। अब प्रदेश में निराश्रित गऊ माताओं के गोबर से बायोप्लास्टिक, जैव-पॉलिमर, बायोटेक्सटाइल, वस्त्र, इको-पेपर, बोर्ड, बायोगैस, कम्पोस्ट और नैनोसेल्यूलोज जैसे उत्पाद तैयार किए जाएंगे। उत्तर प्रदेश में निराश्रित गोवंश से प्रतिदिन औसतन 54 लाख किलोग्राम गोबर उत्पन्न होता है, जिसका उपयोग इन प्रोडक्ट को बनाने में किया जाएगा। गोबर से वैज्ञानिक पद्धति के जरिए न केवल प्लास्टिक के विकल्प तैयार किए जाएंगे, बल्कि जैव प्रदूषण को भी रोका जाएगा। इससे पर्यावरण संरक्षण को भी नया बल मिलेगा। सीएम योगी के नेतृत्व में 8 साल में प्रदेश ने विकास के क्षेत्र में नई लकीर खींच दी है। गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि यह योजना मुख्यमंत्री के ़ग्रीन गांव ऊर्जा केंद्ऱ मॉडल के अनुरूप है। इसमें गोबर आधारित बायोगैस से ऊर्जा उत्पादन के साथ-साथ जैविक/प्राकृतिक खेती, ग्रामीण रोजगार और गोशालाओं की आत्मनिर्भरता सुनिश्चित की जाएगी।

गो-सेवा आयोग के ओएसडी डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि इस योजना की तकनीकी सलाहकार डॉ. शुचि वर्मा, असिस्टेंट प्रोफ़ेसर (बायोटेक्नोलॉजी), रामजस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय हैं। इन्होंने गोबर से बायोप्लास्टिक निर्माण की प्रभावी तकनीक विकसित की है। आयोग में उन्होंने अपने किए गए शोधों पर व्याख्यान भी प्रस्तुत किया। इस योजना से लाखों ग्रामीण युवाओं को रोजगार मिलेगा, वहीं ग्रामीण महिलाओं को लघु उद्यम के अवसर भी मिलेंगे। इन नवाचारों के जरिए प्रदेश सरकार को राजस्व की प्राप्ति होगी। गोशालाओं को आत्मनिर्भर बनाया जाएगा और गांवों को आर्थिक रूप से मजबूत करने की दिशा में यह कदम बेहद अहम साबित होगा।

मुख्य सचिव एसपी गोयल ने राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट की

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नवनियुक्त मुख्य सचिव एसपी गोयल ने शुक्रवार को राजभवन पहुंचकर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से शिष्टाचार भेंट की। उल्लेखनीय है कि एसपी गोयल ने गुरुवार की शाम मुख्य सचिव का पदभार ग्रहण किया था। उसके बाद उन्होंने पांच कालिदास मार्ग जाकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी। उनके पदभार ग्रहण करने के बाद से मुख्य सचिव कार्यालय पर बधाई देने के लिए लोग पहुंच रहे हैं।

राज्यपाल से मिले उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शुक्रवार को राजभवन में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से शिष्टाचार भेंट कर कुशलक्षेम जाना एवं प्रदेश की समृद्धि व विकास संबंधी विभिन्न विषयों पर कुशल मार्गदर्शन प्राप्त किया।

एलयू का 68वां दीक्षांत समारोह 10 सितंबर को, मेडल्स के लिए नॉमिनेशन का नोटिफिकेशन जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का 68वां दीक्षांत समारोह 10 सितंबर को होगा। समारोह में चांसलर मेडल सहित टॉप 5 कैटेगरी में मेधावियों को सम्मानित किया जाएगा। इन कैटेगरी में अवॉर्ड के लिए आवेदन मांगे गए हैं, जिसकी लास्ट डेट 20 अगस्त है। दीक्षांत समारोह को लेकर होने वाली तैयारियों को तेज कर दी गई है। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी की तरफ से पांच श्रेणियों में चांसलर मेडल, चक्रवर्ती मेडल, वीसी मेडल, काली प्रसाद मेडल और रुचिराम मेडल दिए जाने का नोटिफिकेशन जारी किया गया हैं। इसके तहत सभी डीन और एचओडी को पत्र भी भेज दिए गए हैं। प्रमुख पदकों और पुरस्कारों के लिए सूची मांगी गई है। सूची मिलने के बाद स्क्रीनिंग कमेटी दावेदारों की जांच करेगी। साथ ही आवेदकों का साक्षात्कार भी होगा।

अतिक्रमण हटवाने के लिए 3 साल से दौड़ रहे नेताजी के वंशज, नहीं सुन रहा नगर निगम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। अंग्रेजों के खिलाफ खुद ही नहीं, बल्कि पूरी फौज खड़ी करने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस के वंशजों की लखनऊ में तौहीन हो रही है। नेताजी ने अंग्रेजों को देश से खदेड़ दिया और उनके वंशजों की शिकायत पर लखनऊ नगर निगम अतिक्रमणकारियों को नहीं हटा पा रहा है। शुक्रवार को नगर निगम सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के वंशज अमित कुमार बोस भी पहुंचे। उन्होंने दबताया कि वह एक-दो महीने से नहीं, बल्कि 3 साल से अतिक्रमण हटवाने के लिए दौड़ रहे हैं। बकौल अमित, पिछली मेयर मैडम के समय से लगातार शिकायत कर रहे हैं लेकिन उनके एरिया से अतिक्रमण नहीं हट पा रहा है। न पिछली मेयर मैडम ने शिकायत सुनी, न ये सुन रही हैं। बंगाली क्लब से लेकर लाटूश रोड, शिवाजी मार्ग तक सड़क पर लोगों ने जबरदस्त अतिक्रमण कर लिया है। यह दिनोंदिन बढ़ता भी जा रहा है। समाधान दिवस में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के वंशज 85 साल के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अमित कुमार बोस पहुंचे। उन्होंने सड़क पर अतिक्रमण की शिकायत की। उन्होंने बताया बंगाली क्लब से लेकर लाटूश रोड, शिवाजी मार्ग तक सड़क पर लोगों ने कब्जा कर रखा है। इसकी शिकायत कई बार कर चुके हैं, लेकिन कोई सुनने को तैयार नहीं है। पिछली मेयर के कार्यकाल से नगर निगम की दौड़ लगा रहे हैं। करीब तीन साल हो गए हैं। उनके परिवार के लोगों ने अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी। इस दौरान अंग्रेजों के हंटर सहे। नेताजी सुभाष चंद्र बोस उनके पूर्वज हैं। उनके पिता और उनके बाबा समेत उनके ताऊ भी स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई लड़े थे। आज नगर निगम उन लोगों की शिकायतें तक नहीं सुन रहा है। अमित कुमार बोस ने कहा कि बंगाली क्लब से लेकर लाटूश रोड, शिवाजी मार्ग तक दुकानदार अपना सामान फुटपाथ पर रखते हैं। अपने ग्राहकों की बड़ी-बड़ी गाड़ियां भी मार्ग के किनारे ही खड़ी कर देते हैं। सामान ढुलाई के वाहन भी खड़े कर देते हैं। इस क्षेत्र में कई विद्यालय होने की वजह से बच्चे भी आते-जाते हैं। इन परिस्थितियों में आम जनता को काफी परेशानियों को सामना करना पड़ता है। उनका कहना है कि अगर इसी तरह अतिक्रमण चलता रहा तो फिर दुर्गा पूजा कैसे आयोजित की जा सकेगी। अवैध कब्जा को हटवाने और दुकानदारों को गाड़ियां अमीनाबाद पार्क स्थित पार्किंग स्थल पर रखने के लिए आदेश होना चाहिए। देवेश गोमतीनगर विस्तार खरगापुर गांव में पहले से सरकारी जमीन पर खेल का मैदान और बालिका इंटर कॉलेज बनना प्रस्तावित था। मौके पर खेल कूद का मैदान चल रहा। आरोप है कि नगर निगम ने बिना किसी सूचना के पशु चिकित्सालय का निर्माण कर रहे हैं। हम लोग इसका विरोध कर रहे हैं। मामले में नगर आयुक्त गौरव कुमार से भी शिकायत की है। उनका कहना है कि हम लोग चाहते हैं कि वहां पर खेल कूद का मैदान और बालिका इंटर कॉलेज ही बनाया जाए। बहार अली ने बताया कि जोन-8 से वृंदावन योजना के सेक्टर 10-बी से आया हूं। उनका कहना है कि मेरे मकान के चारो तरफ सड़क बना दी गई है, लेकिन नाली नहीं बनी है। इसके लिए कई बार नगर आयुक्त और मेयर तक शिकायत कर चुका हूं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उनका कहना है कि बारिश के दौरान पानी उनके घर में घुस जाता है। उन्होंने बताया कि नाली के पानी की निकासी की जाए, नहीं तो मेरा घर गिर जाएगा। नाली बनाई जाए।

एक्सीलिया के हर्षवर्धन का सीबीएसई ईस्ट जोन क्रिकेट टीम में चयन

लखनऊ। एक्सीलिया स्कूल के 11वीं के छात्र हर्षवर्धन ने वाराणसी में आयोजित सीबीएसई ईस्ट जोन क्रिकेट चौम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया है। प्रदर्शन के आधार पर हर्षवर्धन का चयन सीबीएसई की राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हो गया है। जहां वह 19 वर्ष से कम आयु के लड़कों की टीम में ईस्ट जोन की ओर से भाग लेंगे। हर्षवर्धन का चयन लगभग 1200 प्रतिभागियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा में हुआ है। वाराणसी में सीबीएसई ईस्ट जोन क्रिकेट चौम्पियनशिप का आयोजन 25 जुलाई से 28 जुलाई के बीच किया गया था। हर्षवर्धन जहां उत्कृष्ट प्रदर्शन की बदौलत शीर्ष 16 खिलाड़ियों में स्थान बनाने में कामयाब हुए, वहीं उन्हें सीबीएसई की ईस्ट जोन की टीम का उपकप्तान भी बनाया गया है। हर्षवर्धन की उपलब्धि के लिए एक्सीलिया स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती मीनू श्रीवास्तव और प्रबंधन ने उन्हें अनेक शुभकामनाएं दी हैं।

एटीएम धोखाधड़ी का आरोपी गिरफ्तार कार्ड बदलकर निकाल लेता था रुपए

लखनऊ। मानक नगर पुलिस ने एटीएम धोखाधड़ी के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। वह एटीएम कार्ड बदलकर या छूटे हुए कार्ड से रुपए निकाल लेता था। पीड़ित श्रीराम त्रिपाठी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि एटीएम से पैसे निकालते समय उनका कार्ड मशीन में फंस गया था। बाद में किसी ने उनके खाते से एक लाख रुपए निकाल लिए। मामले की जांच के लिए पुलिस ने एक टीम गठित की। सीसीटीवी फुटेज की जांच और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी रंजीत यादव उर्फ सुधीर को मानकनगर रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी 36 वर्षीय रंजीत यादव अमेठी जिले के जामो थाना क्षेत्र का रहने वाला है। पकड़े गए आरोपी पर रायबरेली, अमेठी, लखनऊ में कई केस दर्ज हैं। आरोपी के पास से पुलिस ने 10 प्लास्टिक की पट्टियां, 2 कटर, 1 सफ़ेद टेप, 6 फ़ेवी क्विक, 5 एटीएम कार्ड, 2 पेचकस, की-पैड वाला मोबाइल फोन और चोरी किए गए एक लाख रुपयों में से बचे 6,500 रुपए बरामद किए। इसके अलावा एक बाइक भी बरामद हुई, जिसके कागजात नहीं होने पर उसे एमवी एक्ट के तहत सीज कर दिया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने साथियों बब्लू और दिनेश के साथ एटीएम मशीनों के आसपास घूमता रहता था। वे एटीएम मशीन के कार्ड स्लॉट में फ़ेवी क्विक लगा देते थे। जब कोई व्यक्ति एटीएम कार्ड डालता और पिन कोड दर्ज करता, तो वे आसपास से उसका पिन कोड देख लेते थे। जब व्यक्ति अपना कार्ड निकालने की कोशिश करता, तो कार्ड फ़ेवी क्विक में फंस जाता था। इस दौरान आरोपी मदद करने के बहाने आते और थोड़ी ताकत लगाकर कार्ड निकाल लेते थे। इस दौरान वे चालाकी से असली कार्ड के बदले फर्जी कार्ड दे देते थे।

विश्व फ़ेफड़े कैंसर जागरूक्ता दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। आज नवयुग कन्या महाविद्यालय में प्राचार्या प्रो0 मंजुला उपाध्याय के मार्गदर्शन में विश्व फ़ेफड़े का कैंसर जागरूक्ता दिवस-''जल्दी पहचान और समान देखभाल के लिए बाधाओं को तोड़ना'' थीम पर एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन जन्तु विज्ञान विभाग द्वारा किया गया। जिसमें विज्ञान संकाय की छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। फ़ेफड़े का कैंसर विश्व स्तर पर सबसे अधिक मृत्यु-दर वाला रोग है। अतः लोगों में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने, कैंसर की समय पर पहचान और इलाज के लिए प्रोत्साहित करना इस प्रतियोगिता का उद्देश्य रहा। प्राचार्या प्रो0 मंजुला उपाध्याय जी ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए आगे भी ऐसे कार्यक्रम करने की प्रेरणा दी और छात्राओं की प्रतिभागिता को देखकर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सकारात्मक सोच के साथ पढ़ाई के अलावा विभिन्न पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। निर्णायक मण्डल में डॉ0 सरोज रानी (वनस्पति विज्ञान विभाग) एवं डॉ0 नेहा अग्रवाल (रसायन विज्ञान विभाग) ने पोस्टर का निरीक्षण किया और सभी प्रतिभागीयों का प्रदर्शन देखने के बाद निर्णय इस प्रकार दिया- प्रथम देविका शर्मा, महिमा सिंह, द्वितीय अनुज्ञा विश्वकर्मा, सताक्षी त्रिवेदी, तृतीय प्रिया भास्कर, हर्षिता सिंह, सांत्वना शिवानी शर्मा, कार्यक्रम का संचालन जन्तु विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो0 ऋचा शुक्ला एवं विमला बिन्द द्वारा किया गया और सभी ने मिलकर संकल्प लिया कि धूम्रपान, नशे आदि से दूर रहेंगे और स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगें।

छांगुर बाबा बोला, मैं बेगुनाह, मैंने धर्मांतरण नहीं कराया, 60 लाख न देने पर फंसाया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। अवैध धर्मांतरण और फंडिंग मामले में गिरफ्तार जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा ने शुक्रवार को मीडिया के कई सवालों के जवाब दिए। कहा, मैंने एक भी धर्मांतरण नहीं कराया है। सभी आरोप झूठे हैं। उसने जोर देकर दो बार कहा, मैं बेगुनाह हूं। छांगुर ने तीन नाम लिए और उन पर गंभीर आरोप लगाए। कहा, वसीउद्दीन, मोहम्मद अहमद और संतोष सिंह मुझे फंसा रहे हैं। वे लोग 60 लाख रुपए की मांग कर रहे हैं। मैंने कुछ नहीं किया है। मैं बेगुनाह हूं। मैंने किसी का धर्म परिवर्तन नहीं कराया है। जो लोग भी मेरे खिलाफ बोल रहे हैं, वो पैसा ले-लेकर बोल रहे हैं। छांगुर बाबा को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 5 दिन की कस्टडी रिमांड पर लिया था, जिसकी अवधि आज खत्म हो गई। 5 दिनों से ईडी की टीम लखनऊ में उससे लगातार पूछताछ कर रही थी, लेकिन छांगुर ने अधिकतर सवालों पर चुप्पी साधे रखी। ईडी सूत्रों के मुताबिक, रिमांड के चौथे दिन जब उससे दुबई यात्राओं, विदेशी फंडिंग और नीतू उर्फ नसरीन के साथ उसके संबंधों को लेकर सवाल किए गए तो उसने गोलमोल जवाब दिया। आज शुक्रवार को रिमांड खत्म होने के बाद ईडी छांगुर को कोर्ट में पेश किया। छांगुर ने पूछताछ में कबूला है कि उसकी संस्था को पाकिस्तान समेत कई विदेशी सोर्स से आर्थिक मदद मिली थी। हालांकि, उसने यह भी दावा किया कि यह मदद गरीबों की सेवा और धर्म प्रचार के लिए थी। उसने अपनी दुबई यात्राओं का जिक्र करते हुए बताया, टिकट और अन्य इंतजाम उसके सहयोगियों ने किए थे। छांगुर ने यह भी कहा कि नीतू को उसने धर्मांतरण के लिए ट्रेनिंग दी थी। वह उसी काम को आगे बढ़ा रही थी।

सरकार झुकती है झुकाने वाला चाहिए: स्वामी प्रसाद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

स्कूल मर्जर पर सरकार के यू-टर्न से शिक्षामित्रों-रसोइयों की नौकरी बची

लखनऊ। अपनी समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य ने आज शुक्रवार को लखनऊ में प्रदेश सरकार पर हमला बोला। स्कूल मर्जर मामले पर सरकार के यू-टर्न को जनआंदोलन की जीत बताया। उन्होंने कहा कि 13 लाख बच्चों का भविष्य बच गया। 54 हजार रसोइयों की रोजी और शिक्षामित्रों की नौकरी सुरक्षित हुई। उन्होंने कहा, सरकार झुकती है, झुकाने वाला चाहिए। सरकार को लोकतंत्र के तहत काम करना चाहिए, तानाशाही छोड़नी चाहिए। उन्होंने कहा कि यूपी में 27,764 प्राथमिक स्कूलों को बंद करने का फैसला पूरी तरह जनविरोधी था। अगर सरकार यह फैसला लागू करती तो 13 लाख बच्चों की शिक्षा बाधित होती। 54,000 रसोइयों की नौकरी जाती और हजारों शिक्षामित्रों का भविष्य संकट में पड़ जाता। उन्होंने दावा किया कि अपनी जनता पार्टी ने इस फैसले के खिलाफ प्रदेश मुख्यालय से लेकर ब्लॉक स्तर तक आंदोलन किया। स्कूली छात्र-छात्राएं और अभिभावक भी बड़ी संख्या में समर्थन में सामने आए। मजबूरी में योगी सरकार को यह फैसला वापस लेना पड़ा। स्वामी प्रसाद मौर्य ने डबल इंजन सरकारों पर हमला करते हुए कहा, ़ये सरकारें लोकतंत्र को दबाने और जनविरोधी फैसलों को थोपने के लिए जानी जाती हैं। चाहे केंद्र हो या राज्य हर जगह तानाशाही तरीके से काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का काम जनकल्याण के लिए योजनाएं बनाना होता है, न कि शिक्षा जैसी बुनियादी व्यवस्था को तहस-नहस करना। उन्होंने दिल्ली में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज का भी जिक्र करते हुए कहा, सरकार परीक्षा व्यवस्था की अनियमितताओं पर ध्यान देने के बजाय छात्रों की आवाज को दबाने में लगी है। छात्रों की शिकायत सुनने की बजाय उन्हें थाने में रातभर बैठाया जाता है, यह लोकतंत्र नहीं तानाशाही है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने बाराबंकी में महिला सिपाही विमलेश पाल की मौत पर भी योगी सरकार से सवाल किया। उन्होंने कहा कि महिला पुलिस 27 जुलाई को मंदिर में ड्यूटी पर गई थी और चार दिन बाद उसकी लाश मिली। मौर्य ने पूछा-मुख्यमंत्री का जीरो टॉलरेंस कहां गया? क्या यही यूपी पुलिस की जिम्मेदारी है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने बेहद तीखा बयान देते हुए कहा, अगर भगवा आतंक नहीं है, तो कौन सा आतंक है? आतंकवादी भगवा हो या किसी और रंग का आतंकवादी होता है। उन्होंने कहा कि भाजपा अराजकता के रास्ते पर चल रही है और जनहित के मुद्दों की लगातार अनदेखी कर रही है। भोजपुरी अभिनेता और सांसद रवि किशन पर भी तंज कसते हुए मौर्य ने कहा, अगर वो राजनीति में रगड़-घिसकर आए होते, तो जमीन से जुड़े मुद्दों पर बात करते। मगर वो हवा-हवाई राजनीति करते हैं। मौर्य ने एक सवाल के जवाब में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति के बीच जो भी बातचीत हो, उसमें भारत का सम्मान और सर ऊंचा रहना चाहिए।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने एंथे 2025 लॉन्च किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। छात्रों के सपनों को कामयाबी में बदलते हुए 16 सफल साल पूरे करने पर आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) ने अपने प्रमुख इनिशिएटिव एंथे 2025 (आकाश नेशनल टैलेंट हंट एग्जाम) की शुरुआत का ऐलान किया है। भारत के एकेडमिक कैलेंडर में हर साल का सबसे बहुप्रतीक्षित इवेंट माने जाने वाले एंथे 2025 का मकसद, कक्षा 5वीं से 12वीं तक के छात्रों को चुनौतियों से लड़ने और असली प्रॉब्लम सॉल्वर बनने के लिए प्रेरित और सशक्त बनाना है। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड की हजरतगंज शाखा में एंथे 2025 की घोषणा के मौके पर डी.के. मिश्रा, रीजनल डायरेक्टर, रणधीर सिंह, स्टेट हेड, बी.एल. प्रसाद व राजन सिंह असिस्टेंट डायरेक्टर, अमित अवस्थी, रीजनल सेल्स एंड ग्रोथ हेड व अरूण शर्मा, ब्रांच हेड मौजूद थे। इस मौके पर बताया गया कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सभी तक पहुँचाने के अपने मिशन को आगे बढ़ाते हुए, एंथे 2025 में स्टूडेंट्स को 250 करोड़ रुपए तक की स्कॉलरशिप (100 प्रतिशत तक) दी जा रही है, जो क्लासरूम, आकाश डिजिटल और इन्विक्टस कोर्सेस पर लागू होगी। इसके साथ ही 2.5 करोड़ रुपए तक के कैश अवॉर्ड्स भी दिए जा रहे हैं, जो मेडिकल या इंजीनियरिंग में सक्सेसफुल करियर का सपना देखने वाले स्टूडेंट्स के लिए मददगार साबित होंगे। यह एग्जाम स्टूडेंट्स के लिए नीट, जेईई, स्टेट सीईटी, एनटीएसई और ओलम्पियाड जैसे कॉम्पिटिटिव एग्जाम्स की बेस्ट कोचिंग पाने का रास्ता खोलता है, जो आकाश के एक्सपर्ट फैकल्टी द्वारा दी जाती है। इस प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए, आकाश अब इन्विक्टस ऐस टेस्ट लॉन्च कर रहा है दृ एक स्कॉलरशिप परीक्षा, जो कक्षा 8 से 12 तक के छात्रों के लिए आकाश इन्विक्टस जेईई एडवांस्ड प्रिपरेशन प्रोग्राम में एडमिशन के लिए है। यह एक नेशनल-लेवल एलिजिबिलिटी-कम-स्कॉलरशिप टेस्ट है, जो 24 अगस्त, 31 अगस्त और 7 सितंबर 2025 को आयोजित होगा। तीन घंटे की यह परीक्षा (सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक) ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में उपलब्ध होगी, जिसकी एप्लिकेशन फीस 300 रूपए है। जो छात्र बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे, उन्हें 100 प्रतिशत तक की स्कॉलरशिप और शानदार कैश प्राइज दिए जाएंगे। आकाश इन्विक्टस प्रोग्राम देश के चुनिंदा इन्विक्टस सेंटर्स पर उपलब्ध है, जिनमें दिल्ली-एनसीआर, चेन्नई, बेंगलुरु, लखनऊ, मेरठ, प्रयागराज, देहरादून, भोपाल, इंदौर, अहमदाबाद, चंडीगढ़, रोहतक, हैदराबाद, नमक्कल, कोयंबटूर, भुवनेश्वर, रांची, त्रिची, विशाखापट्टनम, मुंबई, कोलकाता, दुर्गापुर और पटना शामिल है। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के सीईओ और एमडी, श्री दीपक मेहरोत्रा ने कहा, ़एंथे अब देशभर के छात्रों के लिए एक उम्मीद की पहचान बन चुका है। पिछले 16 वर्षों में हमने मेधावी छात्रों को उनके सपनों को पूरा करने का मौका दिया है, चाहे उनकी आर्थिक स्थिति या लोकेशन कुछ भी हो। आकाश में हमारा मानना है कि हर छात्र में क्रिटिकल थिंकिंग, समस्याएं हल करने और बदलाव लाने की क्षमता होती है। एंथे 2025 इस सोच को आगे बढ़ाते हुए छात्रों को सही संसाधन, सहयोग और मोटिवेशन देगा ताकि वे आगे बढ़ें और चमकें। हमारी वाइड नेटवर्क और हाइब्रिड लर्निंग मॉडल से हम क्वालिटी एजुकेशन को हर छात्र के लिए सुलभ और परिणाम केंद्रित बना रहे हैं।़ उन्होंने आगे कहा, ़इस साल से हम इन्विक्टस ऐस टेस्टभी लॉन्च कर रहे हैं, जो स्कॉलरशिप और आकाश इन्विक्टस कोर्स में एडमिशन के लिए होगा। यह एडवांस जेईई की तैयारी के लिए डिजाइन किया गया एक प्रीमियम प्रोग्राम है, जिसमें छात्रों की कॉन्सेप्ट समझ और कॉम्पिटिटिव एग्जाम की तैयारी को परखा जाएगा।़ एंथे ने सालों से कई टॉपर्स को तैयार किया है। 2025 में एक मिलियन से ज्यादा छात्रों ने इसमें भाग लिया, जिससे यह देश का एक सबसे बड़ा स्कॉलरशिप एग्जाम बन गया। आकाश के कई मौजूदा टॉपर्स ने अपनी तैयारी एंथे से शुरू की थी। खास बात यह है कि इस साल नीट के टॉप 100 में से 22 और जेईई एडवांस्ड 2025 के टॉप 100 में से 10 छात्रों ने अपनी शुरुआत एंथे से की थी। यह परीक्षा ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में आयोजित की जाएगी, जिससे देशभर के छात्रों को फ्लेक्सिबिलिटी और पहुंच मिल सके। ऑनलाइन परीक्षा 4 से 12 अक्टूबर 2025 तक होगी, जिसमें छात्र अपनी सुविधा से एक घंटे का स्लॉट चुन सकते हैं।

आम जनता का फोन उठाये एवं बिजली आपूर्ति में सुधार लाये: डॉ0 रोशन जैकब

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। विवेकानंद सभागार में मंडलायुक्त डा0 रोशन जैकब की अध्यक्षता में जनपद में विकास कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक हुई। शुरुआत नगर पालिका की समीक्षा के साथ हुई। मंडलायुक्त ने कहा कि नगर पालिका में सफाई की व्यवस्था को बेहतर बनाया जाये। उन्होंने नगर की सफाई व्यवस्था में सुधार न आने पर अधिशाषी अधिकारी को कार्रवाई की चेतावनी दी। सिनेमा चौराहे का चौड़ीकरण किया जाये। इसको लोक निर्माण विभाग द्वारा रीडिजाइनिंग में शामिल किया जाये। उन्होंने पीओ नेडा को निर्देश दिए कि कार्यालयों में सोलर प्लांट लगाया जाये। पीएम सूर्यघर योजना में लक्ष्य के अनुरूप प्रगति लायी जाये। । उद्यान विभाग की समीक्षा में उन्होंने कहा शाहाबाद के क्षेत्र में एफपीओ की संख्या बढ़ाई जाये। आम के एफपीओ का पंजीकरण बढ़ाया जाये ताकि किसानों को अधिक से अधिक लाभ दिलाया जा सके। बिजली विभाग को उन्होंने निर्देशित किया कि विद्युत आपूर्ति की स्थिति में सुधार लाया जाये। आम जनता का फोन अवश्य उठाया जाये। एक बेहतर जन सुनवाई व्यवस्था स्थापित की जाये। एक समन्वित कमांड सिस्टम बनाया जाये। टोल फ्री नम्बर पर लोगों की समस्याओं को सुना जाये। जेई को जवाबदेह बनाया जाये। जिलाधिकारी अनुनय झा ने मंडलायुक्त को कृषि महाविद्यालय में शुरु होने वाली कक्षाओं के बारे में जानकारी दी। कृषि विभाग को उन्होंने निर्देश दिए कि एफपीओ से अधिक से अधिक किसानों को जोड़ा जाये। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में उन्होंने कहा कि चिकित्सा प्रतिष्ठानों में सभी प्रकार के आवश्यक एनओसी सुनिश्चित की जाएं। जिलाधिकारी ने बताया कि एएनएम को प्रसव व अन्य सेवाओं के लिए प्रशिक्षित किया गया जा रहा है जिसकी मंडलायुक्त ने सराहना की। 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड में तेजी लायी जाये। इसके लिए विशेष कैम्प लगाए जाएं। एनीमिया मुक्त अभियान पर जोर दिया जाये जिससे मातृ मृत्यु दर में कमी आये। जल जीवन मिशन योजना की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि परियोजना पूर्ण होने के बाद तत्काल सड़कों को ठीक किया जाये। पोषण ट्रैकर ऐप पर फीडिंग ससमय व गुणवत्तापूर्ण तरीके से की जाये। सैम व मैम बच्चों के परिवारों में पोषण चार्ट का वितरण कराया जाये। अधिक कुपोषित बच्चों को एनआरसी में भर्ती कराया जाये। डॉक्टरो द्वारा परिवारों की काउनसिलिंग की जाये।

जिलाधिकारी ने चिन्हित आँगनबाड़ी केंद्रों व बेसिक विद्यालयों में होम्योपैथिक मेडिसिन किट उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में जानकारी दी जिसकी मंडलायुक्त ने सराहना की। जिलाधिकारी ने संप्रेक्षण गृह में सुविधा विस्तार के सम्बन्ध में अब तक उठाये गए कदमों की जानकारी दी। माध्यमिक शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए मंडलायुक्त ने कहा कि प्रोजेक्ट अलंकार को ससमय पूर्ण किया जाये। पात्र विद्यालयों को योजना का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाये। लोक निर्माण विभाग की समीक्षा में उन्होंने कहा कि परियोजना को ससमय पूर्ण किया जाये तथा गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाये। आवेदन से लेकर ऋण अवमुक्तिकरण तक की कार्रवाई तेजी से करायी जाये। अस्वीकृत आवेदनों की अच्छी तरह से जाँच की जाये। आवेदनों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाये। समाज कल्याण विभाग की समीक्षा में उन्होंने कहा कि तहसील दिवस में समाज कल्याण विभाग का एक काउंटर लगवाया जाये जहाँ लोगों को विभागीय योजनाओं के बारे में बताया जा सके। राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि वादों का निस्तारण तेजी से कराया जाये। पुराने वादों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जाये। धारा 24 के वादों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराया जाये। सहकारिता विभाग की समीक्षा में उन्होंने कहा कि उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। उर्वरक का न्यायपूर्ण वितरण सुनिश्चित किया जाये। अन्त में जिलाधिकारी ने बताया कि जन सुनवाई के दौरान पात्रों को किस प्रकार विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा गया है। मंडलायुक्त ने इसकी सराहना की। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में कैम्प लगाकर बड़ी संख्या में बच्चों का जन्म प्रमाणपत्र बनाया गया। मंडलायुक्त ने इसे उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि अभियान चलाकर लोगों के मृत्यु प्रमाण पत्र बनाये गए। इसके बाद पात्र महिलाओं को निराश्रित महिला पेंशन से आच्छादित कराया गया तथा उन्होंने पात्र बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजना का लाभ दिलाया गया। उन्होंने कुओं को जीवित करने के अभियान के बारे में बताया। उन्होंने आधार कार्ड बनाने के कैम्प के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि पात्र बच्चों को किस प्रकार से कन्या सुमंगला जैसी योजनाओं से जोड़ा गया। उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष में जारी मृत्यु प्रमाण पत्रों की जाँच कर पात्रों को कृषक दुर्घटना योजना व राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना से जोड़ा गया। मंडलायुक्त ने जिलाधिकारी की इस पहल की सराहना की।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा, अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रफुल्ल त्रिपाठी, प्रमुख मंडलीय अधिकारी व जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

विधायक ने किया ईश्वरवती रेस्टोरेंट एवं लॉन का उद्घाटन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। ईश्वरवती रेस्टोरेंट एवं लॉन निकट जेवियर्स स्कूल के सामने आवास विकास कालोनी नघेटा रोड हरदोई का उदघाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह 154 विधान सभा सवाजपुर विशिष्ट अतिथि रूप में भाजपा जिला अध्यक्ष अजीत सिंह उर्फ बब्बन के कर कमलों द्वारा किया गया पाली निवासी भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं ईश्वरवती रेस्टोरेंट के मालिक आलोक कुमार शुक्ला ने बताया कि मेरे यह ओपन डाइनिंग, बर्थडे पार्टी, एंगेजमेंट पार्टी, किट्टी पार्टी आदि पारिवारिक पार्टियों की उत्तम व्यवस्था है। 200 से 300 लोगों को पार्टी करने का विशेष स्थान है। जिसमें उपस्थित रहे ब्लॉक प्रमुख संघ के प्रदेश अध्यक्ष भाजपा धीरेन्द्र प्रताप सिंह सेनानी, राम बहादुर, पूर्व जिलाध्यक्ष राजीव रंजन मिश्रा पूर्व जिला अध्यक्ष राजेश अग्निहोत्री, प्रीतेश दीक्षित, संदीप सिंह जिला उपाध्यक्ष विनाश पांडे जिला मंत्री एवं मण्डल अध्यक्ष पाली राकेश रंजन त्रिवेदी आदि मौजूद रहे।

कथा वाचिका ने भागवत माहात्म्य की सुनाई कथा

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। विश्व मंगल परिवार सेवा संस्थान एवं सार्वजनिक शिक्षोनयन संस्थान के तत्वावधान में डॉ० राम मनोहर लोहिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय अल्लीपुर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के द्वितीय दिवस में श्रीधाम वृन्दावन से पधारी हुई देवी महेश्वरी श्रीजी ने प्रथम दिवस की कथा में भागवत माहात्म्य की कथा सुनाते हुए द्वितीय दिवस की कथा में धुंधकारी प्रसंग के पश्चात परीक्षित के जन्म और शुकदेव जी के जन्म की कथा सुनाई विदुर-मैत्री संवाद और राजा परीक्षित और कलियुग के प्रसंग का भी सविस्तार वर्णन किया।

देवी जी ने शुकदेव के जन्म के समय गुरु की महिमा करते हुए बताया कि हमारे जीवन में कई गुरु होते है माता-पिता, शिक्षा गुरु और आध्यात्मिक गुरु, बिना गुरु के ये जीवन दिशाहीन ही रह जाता गुरु ही हमे सतमार्ग दिखाता है और ईश्वर से मिलने का मार्ग प्रशस्त करता है। गुरु बनाए नहीं जाते गुरु स्वयं जीवन में प्रकट होते है गुरु में ही वो सामर्थ्य है कि वह लौह से स्वर्ण बना दे और यही स्वर्ण रूपी शरीर को ईश्वर के समीपस्थ कर दे। द्वितीय दिवस की कथा और भजनों को सुनते हुए समस्त श्रोतागण मंत्र मुग्ध हो गए।

विद्यालय का 91वाँ स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। सनातन धर्म इण्टर कालेज हरदोई में विद्यालय का 91वाँ स्थापना दिवस विधि.विधान से हवन पूजन कर तथा विद्यालय के संस्थापक पर ओमदत्त शर्मा के चित्र एवं सरस्वती एवं पूर्व प्रबंधक ठा धर्मगज सिंह की प्रतिमा पर प्रधानाचार्य दिवाकर द्वारा माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर धूमधाम से मनाया गया। हवन-पूजन में प्रधानाचार्य, वीरभानु सिंह यादव, संजीव सिंह, सत्यम दीक्षित, वेदप्रकाश, अवस्थी, विधानचंद्र द्विवेदी, छात्र शौर्य, दिव्यांश, शिक्षिका दीप्ति, नीलम, प्रधान लिपिक मिथलेश शामिल रहे। प्रधानाचार्य ने बताया कालेज की स्थापना पं० ओम् दत्त शर्मा ने 1935 में की थी प्रबंधक अशोक कुमार सिंह तथा अभिभावकों, शिक्षकों कर्मचारियों के सहयोग निरन्तर प्रगति पर है वर्तमान में 1100 छात्र अध्ययन रत है 33 शिक्षक एवं 12 शिक्षणेत्तर कर्म चारी कार्यरत हैं वरिष्ठ प्रवक्ता राजबीर सिंह ने जानकारी दी कि कालेज में कक्षा ०6 से 12 तक के छात्र पढ़ते हैं मानविकी वर्ग, व्यवसायिक वर्ग, विज्ञान वर्ग गणित जीवविज्ञान विषय की सुविधा उपलब्ध है पढ़ाई के साथ साथ खेल, स्काउट, अन्य प्रतियोगिताओं में प्रदेश तथा राष्ट्र स्तर भी छात्र नाम रोशन करते हैं। इस अवसर पर सेवानिवृत्त शिक्षक ओपी सिंह, एस के मित्तल, करूणा शंकर, एच०के० शर्मा, कालेज अन्य शिक्षक कर्मचारी छात्र उपस्थित रहे अन्त में छात्रों को मिष्ठान वितरण किया गया।

हरदोई में क्षय रोग में लैब सामग्री आपूर्ति में घोटाला

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 2025-26 में क्षय रोग कार्यक्रम के लिए लैब सामग्री आपूर्ति का ठेका अब विवादों में घिर गया है। मेरठ की मिठाई-पेस्ट्री बनाने वाली फर्म को ठेका दिए जाने से स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप मचा है। जांच में नियमों को दरकिनार कर टेंडर फाइनल करने और भुगतान करने की पुष्टि हुई है। जिस फर्म को लैब सामग्री की आपूर्ति का ठेका दिया गया है, वह दरअसल चॉकलेट और पेस्ट्री बनाने वाली इकाई है। दस्तावेजों के अनुसार, जिस श्रेणी में यह फर्म रजिस्टर्ड है, वह फूड प्रोडक्ट मैन्युफैक्चरिंग की है। इसका लैब उपकरणों या मेडिकल सप्लाई से कोई लेना-देना नहीं है।

■ टेंडर मेरठ की पेस्ट्री फर्म को, पूर्व सीएमओ, टीबी अधिकारी तक सवालों के घेरे में

पूर्व सीएमओ और टीबी अधिकारी पर उंगली:- इस पूरे प्रकरण में तत्कालीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) रोहताश कुमार, प्रभारी सीएमओ धीरेंद्र सिंह और क्षय रोग अधिकारी डॉ० अखिलेश बाजपेई की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। टेंडर प्रक्रिया और भुगतान के कागज़ों पर डॉ० बाजपेई के हस्ताक्षर साफ तौर पर देखे जा सकते हैं, लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। उल्टा उन्हें एक बार फिर नया प्रभार दे दिया गया है। **मेरठ के ठेकेदारों को मिला फायदा:-** टेंडर हासिल करने वाली अधिकतर फर्में मेरठ की ही हैंए और पूर्व सीएमओ रोहताश कुमार का गृह जनपद भी मेरठ है। ऐसे में मामले में निजी लाभकी आशंका को नकारा नहीं जा सकता। प्रभारी सीएमओ धीरेंद्र सिंह ने इन फर्मों को भुगतान भी कर दियाए जबकि प्रक्रिया और पात्रता ही संदिग्ध थी। **एडी हेल्थ ने दिए जांच के निर्देश:-** इस बीच धीरेंद्र सिंह बीमारी के चलते अस्पताल में भर्ती हैं और बाकी अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं। घोटाले से जुड़ी फाइलों को दबाने की कोशिश की जा रही है। मामले को 'मैनेज' करने के प्रयास भी तेज हैं। हालांकि, अपर महानिदेशक स्वास्थ्य ने इस पूरे मामले की जांच के निर्देश दे दिए हैं।

पुलिस ने मारपीट की घटना के बाइस दिन बाद रिपोर्ट दर्ज की

माधौगंज (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस ने नामजद तीन युवकों के विरुद्ध मारपीट की रिपोर्ट दर्ज की। पुलिस ने घटना के 22 दिन बाद रिपोर्ट दर्ज की गई। थाना क्षेत्र के गांव रुदामऊ निवासी गोलू पुत्र बाबू चौरसिया ने दी एसपी को दी तहरीर में कहा कि 7 जुलाई की शाम लगभग 9 बजे नारा पेट्रोल पंप पर ट्रैक्टर में डीजल लेने गया था। वही पर शराब व खाना खाने के पैसे मांगने के वाद विवाद को लेकर गांव के सौरभ पुत्र सुनीत सिंह, शीबू पुत्र अनीश मोहल्ला किदवई नगर तिकोनिया पार्क उनके साथी टिंकल सिंह पुत्र अविनेन्द्र सिंह निवासी खम्भौली थाना बेहटा मुजावर जिला उन्नाव व दो अज्ञात व्यक्तियों ने एक राय होकर गन्दी गन्दी गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी देकर मारा पीटा।जिससे उसको चोटें आई। जिसका मेडिकल परीक्षण कराया गया। घटना का सीसीटीवी फुटेज व वीडियो मौजूद है।

लूट के आरोपी को साढ़े तीन वर्ष कैद

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली शाहाबाद क्षेत्र में 2021 में हुई लूट की घटना में आरोपी को न्यायालय द्वारा शुक्रवार को साढ़े तीन वर्ष की कैद और जुर्माने की सजा सुनाई गई। 20 अक्तूबर 21 को पीड़ित द्वारा थाना शाहाबाद पर तहरीर दी गयी कि अज्ञात द्वारा वादी से नगदी व मोबाइल फोन छीन लिया गया। इस संबंध में थाना शाहाबाद पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया था। विवेचना उपरान्त आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया गया। इस अभियोग में स्थानीय पुलिसए मॉनिटरिंग सेल द्वारा न्यायालय में सशक्त, प्रभावी पैरवी की गयी एवं अभियोजन की कार्यवाही सम्पन्न करायी गई, जिसके परिणामस्वरुप शुक्रवार को न्यायालय सीजेएसडी एफ्टीसी कोर्ट जनपद हरदोई द्वारा में आरोपी को साढ़े तीन वर्ष कारावास व पच्चीस सौ रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

बाइक की टक्कर से अधेड़ की मौत

शाहाबाद (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के पिपरिया पुल पर 3 जुलाई को बाइक चालक अधेड़ दूसरी बाइक की टक्कर से घायल हुआ था जिसकी इलाज के दौरान 9 जुलाई को मृत्यु हो गई थी।मृतक के भतीजे की लिखित तहरीर पर पुलिस ने आरोप बाइक चालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की है। मृतक के भतीजे शाहजहांपुर जनपद के कांठ थाना क्षेत्र के ग्राम हुसैनपुर माधौपुर निवासी सूरज पाल के अनुसार 3 जुलाई को उसके ताऊ राजेंद्र पुत्र तिलकराम अपनी बाइक संख्या यूपी 27 बीके 5346 से रिश्तेदार निगोही थाना क्षेत्र निवासी ओमदेव पुत्र रामसिंह के साथ नेवादा मक्का बेचने गए थे।वहां से वापस आते समय कोतवाली क्षेत्र के पिपरिया पुल के निकट पचदेवरा थाना क्षेत्र के ग्राम वीरमपुर निवासी राम रहीस पुत्र राम भजन ने बाइक संख्या यूपी 30 बीपी 8915 से तेज रफ्तार में उसके ताऊ की बाइक में टक्कर मार दी ।जिससे वह घायल हो गए।उन्हें घायलावस्था में सीएचसी शाहाबाद लाया गया।जहां से इलाज के लिए जिला अस्पताल शाहजहांपुर रेफर किया गया।वहां से गंभीर हालत में उसके ताऊ को बरेली के राजेंद्र नगर स्थित चंद्रकांती अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां इलाज के दौरान 9 जुलाई को उनकी मृत्यु हो गई।शाहजहांपुर पुलिस ने उनका पोस्टमार्टम करवाया है। मृतक के भतीजे की तहरीर के आधार पर आरोपी बाइक चालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की गई है।पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

भाजपा की एक ही पहचान 'पीड़ित जनता-त्रस्त किसान'

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। खाद की किल्लत और कालाबाजारी के विरोध में निवर्तमान जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी हरदोई द्वारा हरदोई कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट हरदोई के माध्यम से प्रेषित किया गया।

भाजपा सरकार में किसान त्रस्त और खाद कालाबजारी मस्त है। भाजपा सरकार ने किसानों से वादा किया था कि खाद की कमी नहीं होने दी जाएगी और आय दो गुनी कर दी जाएगी। परन्तु भाजपा सरकार का यह वादा भी जुमला साबित हुआ और हरदोई के किसान खाद की कमी के कारण परेशान हैं और खुले बाजार में भी निर्धारित मूल्य से ज्यादा दो गुने दामों पर खाद खरीदने को मजबूर है। आज जब सभी सहकारी समितियों में भाजपा के लोग अध्यक्ष बने बैठे हैं तो भी किसानों को खाद के लिए लाइन लगानी पड़ रही हैं यह मुख्यमंत्री की मंशा को पलीता लगाने वाली बात है।

निवर्तमान शहर अध्यक्ष एवं पीसीसी सदस्य जमील अहमद अंसारी ने कहा कि तमाम आदेशों के बावजूद भी खाद की बोरी के साथ किसानों को जिंक आदि अन्य उत्पाद का पैकेट लेने और छोटे खाद व्यापारियों को बेचने पर विवश किया जाता है। खाद की कमी के कारण किसान की मेहनत की फसल खेतो में खराब हो रही है। ऐसे कैसे अन्नदाताओं की आय दो गुनी होगी। ऐसा भी संज्ञान में आया है कि जिले में खाद की रैक पर रैक आती हैं मगर यह खाद किसानों तक न पहुंच कर कालाबाजारी का सिंडिकेट चलाने वालों के गोदामों और रसायन फैक्ट्रियों में चली जाती हैं। भाजपा सरकार में किसान और आम जनमानस त्रस्त है।किसानों से किए गए सारे वादे झूठे साबित हुए। इस सरकार किसान खुद को ठगा हुआ महसूस करते हैं। इस अवसर पर निवर्तमान जिलाध्यक्ष आशीष कुमार सिंह, निवर्तमान शहर अध्यक्ष सभासद एवं पीसीसी जमील अहमद अंसारी, युवा कांग्रेस प्रदेश महासचिव निर्भान सिंह यादव, निवर्तमान जिला उपाध्यक्ष पीसीसी सदस्य डॉ अजीमुश्शान, जिला उपाध्यक्ष साधू सिंह, निवर्तमान जिला महासचिव-श्रीराम अनिल, सुरेंद्रपाल सिंह यादव, डॉ० जय प्रकाश, निवर्तमान ब्लॉक अध्यक्ष-शाहाबाद निकेश सिंह यादव, पिहानी अकील खान, अहिरोरी शैलेन्द्र वर्मा, बावन कमल सिंह, सांडी डॉ सीपी सिंह, हरियावां.शकील खान, टड़ियावां दिनेश राठौड़, निवर्तमान कोषाध्यक्ष श्रीप्रकाश मिश्रा, निवर्तमान जिला सचिव राजेश पाण्डेय, जिला सचिव देशराज पाल, त्रिवेणीलाल श्रीवास्तव, निवर्तमान शहर उपाध्यक्ष रवींद्र मिश्रा, युवा कांग्रेस सांडी विधानसभा अध्यक्ष अभिषेक यादव, युवा कांग्रेस गोपामाउ विधानसभा अध्यक्ष पंकज पाल, बावन ब्लॉक उपाध्यक्ष यूसुफ खान, बावन ब्लॉक महासचिव बृजेश कुमार, विपिन कुमार, अजयपाल, सालिकराम पाल, महिपाल, सूरज वर्मा, अनिल राजवंशी, तौफीक, संजय कुमार सिंह, अफसर हुसैन, अशोक दीक्षित, आदि नेता व कार्यकर्ता साथी मौजूद रहे।

पुलिस ने चार आरोपी सहित 64 गैस सिलेंडर किए बरामद

राष्ट्रीय प्रस्तावना

सुरसा (हरदोई)। क्षेत्र के फतियापुर स्थित कांग्रेस के प्रदेश महासचिव सुभाष पाल की कुर्क की गई गैस एजेंसी के गोदाम से गैस सिलेन्डर चोरी की घटना का शुक्रवार को पुलिस ने खुलासा करते हुए भारी मात्रा में रसोई गैस सिलेंडर बरामद करते हुए चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया।

घटना को लेकर 26 जुलाई को सदर तहसीलदार अनुपम तिवारी ने सुरसा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसपर स्थानीय पुलिस ने टीम गठन कर शुक्रवार को चोरी की वारदात का पर्दाफाश किया। पुलिस ने आकाश व कौशल निवासी गंगाबक्शपुरवा थाना कोतवाली शहर, उमेश निवासी सथरी थाना सुरसा सहित नकुल निवासी आईटीआई कालोनी थाना रोजा शहाजहांपुर को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 64 घरेलू गैस सिलेंडर सहित घटना में प्रयुक्त 2 मोटरसाइकल बरामद की। एसएचओ सुरसा ने घटना के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि उपरोक्त अभियुक्तों द्वारा कुर्कशुदा गैस एजेंसी के गोदाम में लगे ताले को तोडकर उसके अन्दर रखे गैस सिलेंडर चोरी कर मोटरसाइकल से ले जाकर चोखटा गांव जाने वाले मार्ग पर बन्द पडे ईंट भट्टे में बने कमरे में रख दिए थे। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष रमेश सिंह सेंगर उपनिरीक्षक रामबली सिंह, भूपेन्द्र सिंह, रोहित कुमार सहित कान्स्टेबल आदित्य प्रताप सिंह, आयुष भाटी, वैभव त्रिपाठी शामिल रहे। पुलिस बरामदगी और गिरफ्तारी के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है।

इसरो साइंटिस्ट पद पर चयन होने पर क्षेत्र में खुशी की लहर

राष्ट्रीय प्रस्तावना

माधौगंज (हरदोई)। इसरो साइंटिस्ट (एससी) पद पर चयनित होने पर ईस्ट मित्रो व क्षेत्र के लोगो ने खुशी का इजहार कर शिवम पटेल व परिजनों को बधाई दी।

विकास खण्ड की ग्रामपंचायत सेलापुर निवासी शिवम पटेल पुत्र राजबहादुर सिंह ने विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर तिरुवनंतपुरम, साइंटिस्ट के पद पर चयनित होने पर ईस्ट मित्रो व क्षेत्र के लोगो ने बधाई दी। शिवम पटेल ने यह उपलब्धि हासिल कर अपने माता पिता व अपने गांव का गौरव बढ़ाया है। इस खुशी के मौके पर गांव के मोहित पटेल, संजय पटेल, खेलन वर्मा, अरविंद वर्मा, ने परिजनों को बधाई दी। रोहित पटेल ने शिवम के घर पहुँचकर भगवान श्री राम का चित्र देकर सम्मानित किया।

मल्लावां कस्बे मे बंदरों के आतंक से जनसमुदाय परेशान

मल्लावाँ (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कस्बे में बंदरों के आतंक से स्थानीय लोग परेशान हैं। सरकारी अस्पतालए कोतवाली और मुख्य बाजार में राहगीरों पर बंदर हमला कर रहे हैं। अस्पताल में इलाज के लिए आए मरीजों से बंदर दवाएं छीनकर भाग जाते हैं। कस्बे के नगर पालिका रोड पर रहने वाले करन कनौजिया की दो वर्ष पहले बंदरों के हमले से मौत हो चुकी है। बंदरों का आतंक इतना बढ़ गया है कि लोग अपनी छतों पर भी नहीं जा पा रहे हैं। बंदरों का झुंड कब किस पर हमला कर देए इसका कोई अनुमान नहीं लगाया जा सकता। मोहल्ला सुभाष पार्क में पिछले पांच दिनों में सूरज यादव, लक्ष्य यादव, सोमवती देवी, रंजना यादव, नैन भारती सिंहए मीना देवीए अंश सिंह और रामलीला मैदान के ताशू को बंदरों ने निशाना बनाया है। इन सभी को बंदरों ने घायल किया है। समस्या के समाधान के लिए अब तक नगर पालिका और वन विभाग द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। इससे बंदरों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। रेंजर संतोष कुमार श्रीवास्तव का कहना है कि बंदरों को पकड़ने के लिए उनके पास कोई विशेष दस्ता नहीं है। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी राजेश सिंह राणा से जब इस समस्या के बारे में जानकारी मांगी गई तो उनसे कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। स्थानीय निवासी अब प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

आरोपों की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्राधिकार संडीला भी देर शाम कोतवाली कछौना पहुंचे थे! सभी आरोपियों से कड़ी पूछताछ के बाद घटना का खुलासा करते हुए सभी आरोपियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे!पूछताछ में प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि सभी आरोपियों पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करके मेडिकल परीक्षण के बाद जेल भेजा जा रहा है! चूंकि मामला दूसरे राज्यों से भी जुडा होने के कारण पुलिस घटना की कड़ियां जोड़ने का भी प्रयास कर रही है।

ठगी के सभी पांच आरोपी भेजे गए जेल

कछौना (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। स्वास्थ्य विभाग में सरकारी नौकरी का झांसा देकर अवैध वसूली व बड़ी संख्या में युवाओं को गेस्ट हाउस में बंधक बनाए जाने की सूचना पर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कल देर रात्रि घटनास्थल से पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया था। उक्त कार्रवाई शिकायतकर्ता रिंकू गौतम जगजीवन नगर फिरोजाबादए गया प्रसाद रामगढ़ फिरोजाबादए व चंदन कुमार रामगढ़ फिरोजाबाद के द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र पर हुई। उनके द्वारा बताया गया था कि रू०-30000 प्रति व्यक्ति के हिसाब से नौकरी नौकरी दिलाने के नाम पर युवाओं को रूद्रपुर उत्तराखंड बुलाया गया था जिसके बाद वहां से लाकर कोतवाली कछौना अंतर्गत एक गेस्ट हाउस में बंधक बनाया गया था। सभी पांचो आरोपी जीतू यादव शाहगंज आगरा, अनवर किशनगंज बिहार, संदीप खागा फतेहपुर, रोहित कुमार फिरोजाबाद, व् सुमित मल्लावां हरदोई पर लगाये गए

हत्यारोपी पति गिरफ्तार, जेल भेजा गया

शाहाबाद (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। खाना बनाने के विवाद में पति द्वारा पत्नी के चकला मारकर की गई हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पिहानी थाना क्षेत्र के मोहल्ला कोट कलां निवासी वसीम पुत्र मंसूर का 31 जुलाई को अपनी पत्नी राजदा से खाना बनाने को लेकर हुए विवाद में चकला मार दिया था जिससे उसकी मौत हो गई। मृतका की मां सैरून पत्नी नबीशेर निवासी रामपुर कोड़ा थाना मंझिला ने आरोपी दामाद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। प्रभारी निरीक्षक पिहानी विद्यासागर पाल ने बताया आरोपी वसीम को गिरफ्तार किया गया जिसकी निशानदेही पर चकला भी बरामद कर लिया या गया। आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

मारपीट कर महिला को घायल करने वाले आरोपियों पर रिपोर्ट

शाहाबाद (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के ग्राम बलेहरा मजरा सकाहा निवासी महिला को गांव के कुछ लोगों ने मारपीट कर घायल करने के मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश शुरू की है। पीड़िता प्रेमा देवी पत्नी महिपाल के अनुसार 31जुलाई की सुबह 6 बजे गांव के विपक्षी सोनपाल पुत्र महेश्वर ने अपने पिता और भाई राजकुमार के साथ पुरानी रंजिश में उसे गाली गलौज किया।गाली देने से मना करने पर विपक्षियों ने उसे लाठी डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया। शोर सुनकर ग्रामीणों ने उसे बचाया तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। पीड़िता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर घायल महिला का मेडिकल परीक्षण करवाया है।

ट्रंप का टैरिफ युद्ध

राष्ट्रपति पद संभालने के तुरंत बाद डोनाल्ड ट्रंप ने संरक्षणवादी एजेंडे के साथ ही चीन, कनाडा व मैक्सिको पर भारी-भरकम टैरिफ थोपकर व्यापार युद्ध की शुरुआत कर दी है। ट्रंप के फैसले से वैश्विक बाजारों में भूचाल है। इन तीनों देशों द्वारा इसका जबाब देने की घोषणा से विश्व व्यापार युद्ध शुरू होने की आशंका पैदा हो गई है। दरअसल, अमेरिका ने अपने शीर्ष व्यापारिक सहयोगी कनाडा व मैक्सिको पर 25 फीसदी और चीनी सामानों पर 10 प्रतिशत टैफिक थोपकर उन्हें आर्थिक प्रतिशोध हेतु बाध्य कर दिया है। कनाडा ने अमेरिकी आयात पर टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी है तो मैक्सिको भी ऐसा मन बना रहा है। वहीं चीन पिछली टैरिफ लड़ाइयों से परेशान होकर रणनीतिक प्रतिशोध को तैयार है। वह इस मामले को विश्व व्यापार संगठन तक ले जाने की बात कर रहा है। हालांकि, भारत फिलहाल ट्रंप की संरक्षणवादी कार्रवाई से बचा नजर आता है। भारत ने टैरिफ कटौती की दिशा में कदम उठाते हुए ट्रंप के उस टैरिफ दुरुपयोग के आक्षेप से बचने का प्रयास किया है, जिसको लेकर ट्रंप भारत को निशाने पर लेते हैं। दरअसल, भारत में शीर्ष तीस अमेरिकी वस्तुओं पर आयात शुल्क मसलन कच्चे पेट्रोलियम से लेकर हार्ले-डेविडसन मोटर साइकिल तक पर मामूली टैरिफ हैं। निस्संदेह, यह रणनीतिक कदम न केवल तत्काल अमेरिकी प्रतिशोध को रोकता है बल्कि वैश्विक आपूर्ति शृंखला में एकीकृत होने के लिये भारत की प्रतिबद्धता का भी संकेत देता है। जैसा कि केंद्रीय बजट 2025-26 में रेखांकित किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारत अमेरिकी व्यापार घाटे में केवल 3.2 प्रतिशत का ही कारक है। इसकी वजह यह भी है कि भारत के तेजी से बढ़ते फार्मास्युटिकल और कीमती धातुओं के निर्यात फिलहाल कमजोर बने हुए हैं। यह अच्छी बात है कि ट्रंप ने पहले टैरिफ वार से भारत को राहत दी है, लेकिन वैश्विक व्यापार युद्ध से भारत में विदेशी निवेश प्रभावित हो सकता है। असर रुपये की सेहत पर भी पड़ेगा। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी अमेरिका यात्रा से द्विपक्षीय व्यापार खिड़की खुलने की संभावना है। वहीं ट्रंप की इस कार्रवाई का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि सामान पर टैरिफ बढ़ाए जाने से चीनी उत्पाद महंगे होंगे, तो भारतीय निर्यातक अमेरिका बाजार में नये अवसर तलाश सकते हैं। खासकर कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटो पार्ट्स के क्षेत्र में। लेकिन इसके बावजूद भारत को सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए। इस टैरिफ जंग का एक पहलू यह भी कि अमेरिका में उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती हैं। ट्रंप ने अमेरिकी लोगों को मुश्किल समय के लिये तैयार रहने के लिये कहा है।

> **ट्रंप के फैसले से वैश्विक बाजारों में भूचाल है। इन तीनों देशों द्वारा इसका जबाब देने की घोषणा से विश्व व्यापार युद्ध शुरू होने की आशंका पैदा हो गई है। दरअसल, अमेरिका ने अपने शीर्ष व्यापारिक सहयोगी कनाडा व मैक्सिको पर 25 फीसदी और चीनी सामानों पर 10 प्रतिशत टैफिक थोपकर उन्हें आर्थिक प्रतिशोध हेतु बाध्य कर दिया है। कनाडा ने अमेरिकी आयात पर टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी है तो मैक्सिको भी ऐसा मन बना रहा है। वहीं चीन पिछली टैरिफ लड़ाइयों से परेशान होकर रणनीतिक प्रतिशोध को तैयार है।**

आशंका है कि इससे भारत के सबसे बड़े निर्यात बाजारों में से एक में मांग कम हो सकती है। वहीं दूसरी ओर कोई भी अमेरिकी व्यापारिक प्रतिबंध अंततः भारत के प्रमुख उद्योगों को प्रभावित कर सकता है। हालांकि, हमने उभरते वैश्विक आर्थिक युद्ध से बचने के लिये व्यावहारिक टैरिफ रणनीति को अपनाया है, लेकिन अभी भी बड़े वैश्विक व्यापार युद्ध की आशंका खत्म नहीं हुई है। हालिया केंद्रीय बजट में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने टैक्स में छूट देकर मध्य वर्ग को खुश तो किया है, लेकिन ट्रंप के व्यापार युद्ध की घोषणा से भारत की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। ऐसे में भारत को व्यापार संतुलन को बनाये रखने और ग्लोबल इकॉनमी पर संभावित नकारात्मक प्रभाव के लिये तैयार रहना होगा। आशंका है कि कनाडा, मैक्सिको व चीन के बाद ट्रंप यूरोप को भी निशाने पर ले सकते हैं। एक अनिश्चितता पैदा हुई है कि यह टैरिफ युद्ध कितना और किस दिशा में बढ़ता है। आर्थिक विशेषज्ञ कयास लगा रहे हैं कि मोदी की अमेरिका यात्रा में ट्रंप भारत से व्यापार असंतुलन दूर करने को कह सकते हैं। वहीं दूसरी ओर भारत अमेरिका से आधुनिक अस्त्र, कच्चा तेल व प्राकृतिक गैस तथा कृषि उत्पाद आयात बढ़ाकर टैरिफ युद्ध की छाया से बच सकता है। बाकी कुछ ट्रंप की प्राथमिकताओं पर भी निर्भर करेगा। लेकिन साथ ही भारत को विश्व व्यापार संगठन के सभी देशों के लिए समान टैरिफ नियम का भी पालन करना होगा। आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य भी सामने हैं।

स्क्रीन का शिकंजा: ऑस्ट्रेलिया से सबक लेगा भारत?

डॉ. प्रियंका सौरभ

> **ऑस्ट्रेलिया के फैसले से दुनिया के देशों को सबक लेना चाहिए कि बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने का समय अब आ गया है। बचपन अब किताबों से नहीं, स्क्रीन की चमक से आकार ले रहा है- यह वाक्य अब हमारे समाज की वास्तविकता बन चुका है। मोबाइल, टैबलेट और इंटरनेट की पहुँच बच्चों तक इतनी सहज हो चुकी है कि चार साल का बच्चा भी यूट्यूब पर कार्टून देख सकता है और दस साल का बच्चा इंस्टाग्राम पर रील्स बनाना जानता है।**

ऑस्ट्रेलिया ने 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए यूट्यूब समेत सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर प्रतिबंध लगाने का साहसिक फैसला लिया है। यह कदम बच्चों को ऑनलाइन दुनिया के नकारात्मक प्रभावों से बचाने के लिए उठाया गया है। भारत जैसे देशों में, जहां डिजिटल लत तेजी से फैल रही है, वहां इस तरह की नीति बहुत जरूरी है। यह समय है कि भारत भी बच्चों के डिजिटल अधिकारों की रक्षा के लिए स्पष्ट कानून बनाए, अभिभावकों को जागरूक करे और बच्चों को स्क्रीन की लत से मुक्त करके संतुलित विकास की दिशा में कदम बढ़ाए। ऑस्ट्रेलिया के फैसले से दुनिया के देशों को सबक लेना चाहिए कि बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने का समय अब आ गया है। बचपन अब किताबों से नहीं, स्क्रीन की चमक से आकार ले रहा है- यह वाक्य अब हमारे समाज की वास्तविकता बन चुका है। मोबाइल, टैबलेट और इंटरनेट की पहुँच बच्चों तक इतनी सहज हो चुकी है कि चार साल का बच्चा भी यूट्यूब पर कार्टून देख सकता है और दस साल का बच्चा इंस्टाग्राम पर रील्स बनाना जानता है। ऐसी स्थिति में ऑस्ट्रेलिया सरकार द्वारा लिया गया फैसला न सिर्फ साहसिक है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित रखने की दिशा में ऐतिहासिक कदम भी है। ऑस्ट्रेलिया ने यह तय कर दिया है कि 16 वर्ष से कम आयु के बच्चे यूट्यूब जैसे प्लेटफार्म का भी उपयोग नहीं कर सकेंगे। यह नीति 10 दिसंबर से लागू हो रही है और इसका उल्लंघन करने पर संबंधित प्लेटफार्मों पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा। ऑस्ट्रेलिया की संसद पहले ही फ़ेसबुक, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट, टिकटॉक और एक्स जैसे प्लेटफार्मों को 16 साल से कम आयु के बच्चों के लिए प्रतिबंधित कर चुकी है। अब यूट्यूब को भी इसी दायरे में शामिल किया गया है। यह दुनिया का पहला कानून है जो बच्चों की डिजिटल सुरक्षा को लेकर इतनी स्पष्टता और कठोरता के साथ लागू किया जा रहा है। नियमों के मुताबिक अगर कोई प्लेटफार्म 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को सेवाएं देना जारी रखता है, तो उस पर 5 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर तक का जुर्माना लगाया जाएगा। यह कोई सामान्य चेतावनी नहीं है, बल्कि टेक कंपनियों को जवाबदेह बनाने की गंभीर कोशिश है। ऑस्ट्रेलिया की सरकार का मानना है कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक विकास और व्यवहार पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने यह स्पष्ट कहा है कि माता-पिता को यह जानने का हक है कि उनके बच्चे क्या देख रहे हैं और किसके प्रभाव में हैं। यूट्यूब जैसे प्लेटफार्म पर जो सामग्री बच्चों के सामने आती है, वह कई बार हिंसा, लैंगिक पूर्वाग्रह, अपशब्दों और अमर्यादित व्यवहार से भरी होती है। इतना ही नहीं, बच्चों को लगातार विज्ञापन, ब्रांडेड कंटेंट और चकाचौंध वाली ज़िंदगी दिखाकर उनकी असल दुनिया से दूरी बढ़ाई जा रही है। यूट्यूब का कहना है कि वह केवल एक वीडियो होस्टिंग प्लेटफार्म है और उसे सोशल मीडिया की श्रेणी में नहीं रखा जाना चाहिए। यूट्यूब के प्रवक्ता का तर्क है कि 13 से 15 साल के लगभग तीन-चौथाई ऑस्ट्रेलियाई किशोर इसका उपयोग करते हैं और इसे शैक्षणिक, रचनात्मक व मनोरंजक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। पर सवाल उठता है कि क्या यूट्यूब या अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म बच्चों के लिए वाकई सुरक्षित हैं? क्या वे सुनिश्चित करते हैं कि बच्चों को केवल उपयुक्त और सकारात्मक सामग्री ही दिखाई जाए? वास्तविकता यह है कि अधिकतर टेक कंपनियाँ केवल व्यूज, क्लिक और विज्ञापन राजस्व के लिए काम करती हैं, न कि बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए। भारत जैसे देशों में यह मुद्दा और अधिक गंभीर हो जाता है। यहां इंटरनेट यूज़र्स की संख्या करोड़ों में है, जिनमें बड़ी संख्या किशोरों और स्कूली बच्चों की है। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 13 से 17 वर्ष के बच्चे हर दिन औसतन तीन घंटे से अधिक समय सोशल मीडिया पर बिताते हैं। इतनी कम उम्र में जब बच्चों को किताबों, खेल और सामाजिक मेल-जोल में समय बिताना चाहिए, वे अपने कमरे में अकेले बैठकर स्क्रीन से चिपके रहते हैं। इससे न सिर्फ उनकी आँखों और शारीरिक स्वास्थ्य पर असर पड़ता है, बल्कि भावनात्मक और सामाजिक विकास भी बाधित होता है। स्कूलों में शिक्षकों को अब इस बात की चिंता होती है कि विद्यार्थी पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे पा रहे हैं, क्योंकि रातभर मोबाइल पर लगे रहते हैं। माता-पिता इस कशमकश में रहते हैं कि बच्चों को मोबाइल दें या न दें, क्योंकि अगर वे न दें तो बच्चा पिछड़ने का डर जताता है और दें तो स्क्रीन की लत लग जाती है। डिजिटल लत अब नशे की तरह फैल चुकी है। बच्चों में चिड़चिड़ापन, नींद की कमी, एकाग्रता में गिरावट और रिश्तों से दूरी जैसी समस्याएँ अब आम हो चुकी हैं। कुछ बच्चे तो सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग और साइबर बुलिंग का शिकार हो रहे हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास और मानसिक संतुलन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। भारत में अभी तक इस मुद्दे पर कोई ठोस नीति नहीं बन पाई है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर 13 साल की आयु सीमा तो तय है, लेकिन उसका पालन कोई नहीं करता। बच्चे गलत उम्र डालकर खाते बना लेते हैं और बिना किसी निगरानी के उनका इस्तेमाल करते हैं। माता-पिता की भूमिका भी संदिग्ध है- कुछ अभिभावक खुद ही बच्चों को स्क्रीन थमाकर व्यस्त हो जाते हैं, जबकि उन्हें मार्गदर्शक बनना चाहिए। इसके अलावा, भारत में स्कूल स्तर पर भी डिजिटल नैतिकता की शिक्षा का अभाव है। बच्चों को यह नहीं सिखाया जाता कि तकनीक का विवेकपूर्ण उपयोग कैसे करें, फर्जी समाचारों से कैसे बचें, या साइबर खतरों से कैसे सतर्क रहें। समस्या सिर्फ टेक्नोलॉजी की नहीं है, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक जागरूकता की भी है। जब तक माता-पिता, शिक्षक और सरकारें मिलकर यह तय नहीं करेंगी कि बच्चों को किस तरह की डिजिटल दुनिया में प्रवेश करना है, तब तक कोई भी तकनीकी समाधान प्रभावी नहीं हो सकता। डिजिटल अनुशासन केवल कानून से नहीं, संस्कार और समझ से आता है। ऑस्ट्रेलिया का यह कदम इस मायने में प्रेरक है कि उसने बच्चों की डिजिटल सुरक्षा को प्राथमिकता दी और टेक कंपनियों को चुनौती दी। भारत को भी अब इंतज़ार नहीं करना चाहिए। यह समय है जब सरकार एक स्पष्ट और सख्त नीति बनाए कि 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों को सोशल मीडिया और मनोरंजक प्लेटफार्म से दूर रखा जाएगा। साथ ही, कंटेंट फिल्टरिंग, स्क्रीन टाइम लिमिट, और आयु सत्यापन जैसी तकनीकों को अनिवार्य किया जाए। इसके साथ ही अभिभावकों के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाएँ, ताकि वे यह समझ सकें कि बच्चों के जीवन में स्क्रीन की भूमिका क्या होनी चाहिए। स्कूलों में डिजिटल नागरिकता की शिक्षा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए। मीडिया और फिल्म जगत को भी यह जिम्मेदारी लेनी होगी कि वे बच्चों के लिए सकारात्मक, मूल्य-आधारित और प्रेरक सामग्री का निर्माण करें। याद रखना चाहिए कि आज के बच्चे कल का समाज तय करेंगे। अगर वे अभी से वर्चुअल दुनिया के भ्रम में खो जाएँगे, तो उन्हें वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने की ताकत नहीं मिल पाएगी। एक ऐसा समाज तैयार होगा जो स्क्रीन पर जीता होगा, लेकिन जीवन की सच्चाईयों से दूर होगा। बचपन केवल उम्र का एक पड़ाव नहीं होता, वह मानव जीवन की नींव होता है। अगर उस नींव में सोशल मीडिया की दरारें भर जाएँगी, तो ऊपर खड़ी होने वाली इमारत कभी मजबूत नहीं बन सकेगी। ऑस्ट्रेलिया ने यह संदेश दुनिया को दिया है कि बच्चों को संरक्षित करना केवल पारिवारिक जिम्मेदारी नहीं, राष्ट्र की नीति होनी चाहिए। भारत को चाहिए कि वह इस चेतावनी को गंभीरता से ले और भविष्य की पीढ़ियों को सिर्फ डिजिटल दक्ष नहीं, बल्कि संतुलित, संवेदनशील और सुरक्षित नागरिक बनाए। अब समय आ गया है कि हम अपने बच्चों को स्क्रीन से थोड़ी दूरी देकर, उनके जीवन में फिर से किताबों, खेलों और संबंधों को जगह दें। वरना, वह दिन दूर नहीं जब बच्चे हमारे साथ नहीं, बल्कि सिर्फ स्क्रीन के साथ बड़े होंगे।

डॉ. पल्लवी सिंह की लोकप्रियता तेजी से क्यों बढ़ रही है?

डॉ अजय कुमार मिश्रा

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ की खास पहचान कई वजहों से है। खास स्थान, घटनाक्रम और बड़े व्यक्तित्व ने शहर की पहचान को न केवल अत्यंत प्रभावशाली बनाया है बल्कि उन्होंने कार्यो से देश में अपना नाम स्थापित किया है। उन्ही चुनिन्दा लोगों में से है डॉ. पल्लवी सिंह। वागा सुपरस्पेशलिटी अस्पताल की डायरेक्टर इलाज के उच्चतम गुणवत्ता के नए मानक स्थापित कर रही है और लाखों लोगों के जीवन में सुविधाजनक इलाज प्रदान कर रही है। इनके द्वारा प्रदान किया जा रहा इलाज सभी के बजट में भी है। एक तरफ जहाँ निजी संस्थान बड़े लाभ कमाने में व्यस्त है वही डॉ. पल्लवी सिंह आम आदमी की जरूरतों को पूरा करने के लिय प्रतिबद्ध है। डॉ पल्लवी सिंह स्वयं आँखों की सर्जन है और उनकी योग्यता एमबीबीएस, एमएस (यूके), आजीईएचआरसी (लखनऊ) है साथ ही 12 वर्षो से अधिक समय का उनका न केवल लम्बा अनुभव इस क्षेत्र का है बल्कि नव-तकनीक का प्रयोग इस क्षेत्र में किस तरह होना चाहिए वह तेजी से करती भी है। परिणाम स्वरुप सभी तरह के मरीजों को बड़ा लाभ उनके अस्पताल के जरिये हो रहा है। वह स्वयं कई प्रतिष्ठित संगठनों की आजीवन सदस्या है जिसके जरिये इनके ज्ञान में हमेशा वृद्धि हो रही है। इनकी कई उपलब्धियों में से खास उपलब्धि एक यह भी है की वर्ष 2018-19 में सर्वाधिक मोतियाबिंद सर्जरी करने के लिए उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबाई पटेल इन्हें सम्मानित कर चुकी है। वर्तमान में बढ़ती स्क्रीन टाइमिंग सभी के लिए चिंता का विषय है। आँखों की बीमारी आज कई नए रूपों में तेजी से देखने को मिल रही है और इसके पीड़ित सभी उम्र के लोग है यहाँ तक की छोटे बच्चे भी इससे अछुतें नहीं है। आगामी दिनों में इसमें तेजी से इजाफा होगा। उत्तर प्रदेश

> **डॉ पल्लवी सिंह स्वयं आँखों की सर्जन है और उनकी योग्यता एमबीबीएस, एमएस (यूके), आजीईएचआरसी (लखनऊ) है साथ ही 12 वर्षो से अधिक समय का उनका न केवल लम्बा अनुभव इस क्षेत्र का है बल्कि नव-तकनीक का प्रयोग इस क्षेत्र में किस तरह होना चाहिए वह तेजी से करती भी है। परिणाम स्वरुप सभी तरह के मरीजों को बड़ा लाभ उनके अस्पताल के जरिये हो रहा है। वह स्वयं कई प्रतिष्ठित संगठनों की आजीवन सदस्या है जिसके जरिये इनके ज्ञान में हमेशा वृद्धि हो रही है। इनकी कई उपलब्धियों में से खास उपलब्धि एक यह भी है की वर्ष 2018-19 में सर्वाधिक मोतियाबिंद सर्जरी करने के लिए उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबाई पटेल इन्हें सम्मानित कर चुकी है।**

की राजधानी लखनऊ की डॉ पल्लवी सिंह न केवल आँखों के इलाज की विशेषज्ञ है बल्कि समस्त आधुनिक मशीने इनके यहाँ उपलब्ध है इन सबसे बड़ी बात यह है की इलाज की लागत जहाँ बेहद कम है वही गुणवत्ता उच्चतमकोटि की है। उक्त बातों के पश्चात सभी के जेहन में एक बात जरुर चल रही होगी की आखिर डॉ. पल्लवी सिंह खास क्यों है और उन्होंने समाज को ऐसा क्या दिया है की इनकी कीर्ति तेजी से आगे बढ़ रही है। सरल, सौम्य, ज्ञानी व्यक्तित्व की धनी डॉ पल्लवी सिंह ने हर विषम परिस्थिति में आम आदमी के हितों की रक्षा के लिए निस्वार्थ भाव से लगातार लोगो के जीवन को बचाने के लिए कार्य किया है। कोरोना महामारी के दौरान स्वयं प्रेगनेंसी की अवस्था में होते हुए भी लगातार बिना रुके कोरोना मरीजों का इलाज करना इनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जबकि प्रेगनेंसी की वजह से डॉ ने इन्हें कोरोना में स्वयं कार्य करने से रोक रखा था। अपने जीवन की परवाह न करतें हुए दूसरों के जीवन की रक्षा के लिए बिना रुके, बिना थके, बिना डर के लगातार कार्य करती रही। परिणाम स्वरुप आम जनता का प्यार और स्नेह इन्हें लगातार मिलने के साथ - साथ शहर की बड़े व्यक्तित्व में शामिल करता है। मेहनती, ईमानदार, प्रतिबद्ध और समाज को कुछ देने के जज्बे के साथ हमेशा से डॉ पल्लवी सिंह अपने ज्ञान और अस्पताल की विभिन्न गुणवत्तापूर्ण सुविधाओं के साथ लगातार कार्य कर रही है। इनका एक मात्र उद्देश्य जन कल्याण है तभी तो जिस लागत में इनके निर्देशन में आधुनिक मशीनों के साथ वागा अस्पताल में इलाज हो जाता है लखनऊ के किसी अन्य अस्पताल में इलाज की उम्मीद करना बेमानी होगी। आज भी अनेकों व्यक्ति ऐसे है जिनके इलाज के लिए विभिन्न सहयोग करने से डॉ. पल्लवी सिंह गुरेज नहीं करती है और प्रत्येक दिन ऐसे व्यक्तियों की सहायता भी करती है। आज इनकी समर्पण की भावना, कार्य के प्रति तटस्थता और आम आदमी की आवश्यकताओं को समझने की वजह से ही यह लखनऊ के उन चुनिन्दा लोगों में शामिल है जो न केवल शहर की चमक में चार चाँद लगा रही है बल्कि समाज को कुछ देने के लिए लगातार कार्यरत है।

मालेगांव विस्फोट एवं भगवा पर कलंक की साजिश

ललित गर्ग

> **अदालत का यह वक्तव्य कि 'आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, कोई भी धर्म हिंसा का समर्थन नहीं कर सकता', भारतीय संस्कृति और न्यायशास्त्र की मूल आत्मा को पुनः जीवित करता है। यह वही भारत है जहां 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' और 'अहिंसा परमो धर्मः' की गूंज होती रही है, लेकिन दुर्भाग्यवश 2008 के बाद हिंदू धर्म, हिंदुत्व और भगवा पर ऐसा कलंक मढ़ा गया मानो वे आतंकवाद के स्रोत हों। मालेगांव विस्फोट मामले में एनआइए की विशेष अदालत उस नतीजे पर पहुंची, जिस पर बांबे हाई कोर्ट ट्रेन विस्फोट कांड की सुनवाई करते हुए पहुंचा था।**

29 सितंबर 2008 को मालेगांव में हुए बम विस्फोट की न्यायिक परिणति ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि कैसे सत्ता, वोटबैंक और वैचारिक पूर्वाग्रहों ने भारतीय न्याय और निष्पक्षता की नींव को झकझोर दिया। मुंबई की एनआईए कोर्ट द्वारा सातों आरोपियों-प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित को सबूतों के अभाव में बरी कर देना न केवल कानूनी दृष्टि से एक महत्वपूर्ण फैसला है, बल्कि यह उस ल्लभगवा आतंकवादङ्क की मिथ्या कथा पर भी करारा प्रहार है जिसे वर्षों तक कांग्रेस ने राजनीतिक मंचों और मीडिया के जरिए प्रचारित किया गया। यह कांग्रेस की फर्जी कहानी का अंत एवं सत्य की जीत का एक अमूल्य आलेख है। अदालत का यह वक्तव्य कि 'आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, कोई भी धर्म हिंसा का समर्थन नहीं कर सकता', भारतीय संस्कृति और न्यायशास्त्र की मूल आत्मा को पुनः जीवित करता है। यह वही भारत है जहां 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' और 'अहिंसा परमो धर्मः' की गूंज होती रही है, लेकिन दुर्भाग्यवश 2008 के बाद हिंदू धर्म, हिंदुत्व और भगवा पर ऐसा कलंक मढ़ा गया मानो वे आतंकवाद के स्रोत हों। मालेगांव विस्फोट मामले में एनआइए की विशेष अदालत उस नतीजे पर पहुंची, जिस पर बांबे हाई कोर्ट ट्रेन विस्फोट कांड की सुनवाई करते हुए पहुंचा था। ऐसा कई आतंकी घटनाओं के मामलों में हो चुका है। इससे यही पता चलता है कि कभी जांच एजेंसियां, कभी अदालतें और कभी दोनों अपना काम सही तरह और समय पर नहीं करतीं। जांच और फिर अदालती कार्यवाही में देरी तथा ढिलाई एक बड़ा रोग है। आतंक के मामलों की जांच में यह भी कोई दबी-छिपी बात नहीं कि संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ, मुस्लिम तुष्टिकरण एवं वोट बैंक बाधा बनते हैं। आतंकी घटनाओं को राजनीतिक रंग दिया जाता है। मालेगांव विस्फोट कांड में प्रज्ञा ठाकुर, सुधाकर द्विवेदी आदि की गिरफ्तारी के आधार पर हिंदू और भगवा आतंक का जुमला उछाला गया। इसका मकसद कथित भगवा आतंक को जिहादी आतंक जैसा बताना था। यह हिंदू ही नहीं, देश विरोधी साजिश थी। इसका लाभ पाकिस्तान को मिला, क्योंकि कांग्रेस के कई नेताओं ने समझौता एक्सप्रेस कांड पर भी एजेंसियों के सहारे भगवा आतंक की फर्जी कहानी गढ़ी। भगवा आतंकवाद शब्द का पहली बार प्रयोग उस समय के कुछ कांग्रेसी नेताओं ने किया, जिनका उद्देश्य स्पष्ट था, वोटबैंक की तुष्टिकरण नीति, मुस्लिम समाज को डराकर एकतरफा धूरवीकरण और हिंदू संगठन व सनातन मूल्यों को कलंकित करना। इसका परिणाम हुआ कि वर्षों तक निर्दोष लोग जेल में सड़ते रहे। साध्वी प्रज्ञासिंह ठाकुर को एक संन्यासी जीवन से घसीट कर हिरासत में लिया गया, प्रताड़ित किया गया और उनके आध्यात्मिक जीवन को ध्वस्त कर दिया गया। सवाल यह है कि जब सबूत नहीं थे, तब उन्हें जेल में रखने की ज़रूरत क्यों पड़ी? क्यों जांच एजेंसियों ने बेसिर-पैर की कहानियों को सच मान लिया? क्यों मीडिया ने बिना परीक्षण के 'हिंदू आतंकवाद' की ब्रेकिंग न्यूज़ चला दी? यह वही मानसिकता थी जो आतंकवाद को धर्म से जोड़कर एक खास समुदाय को डराने और एक संप्रदाय को बदनाम करने में लगी थी। यह कांग्रेस का एक षडयंत्र एवं साजिश थी जो अब पर्दापाश हो गयी है। कांग्रेस शासित प्रांत में सत्ता का जमकर दुरुपयोग किया गया। मुंबई से लगभग 200 किलोमीटर दूर मालेगांव शहर में एक मस्जिद के पास एक मोटरसाइकिल पर बंधे विस्फोटक उपकरण में विस्फोट होने से छह लोगों की मौत हो गई थी। धमाके में 100 से अधिक घायल हुए थे। न्यायाधीश ने फैसला पढ़ते हुए कहा कि मामले को संदेह से परे साबित करने के लिए कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं है। मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधान लागू नहीं होते। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल प्रज्ञा ठाकुर के नाम पर पंजीकृत थी, जैसा कि अभियोजन पक्ष ने दावा किया है। यह भी साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट कथित तौर पर बाइक पर लगाए गए बम से हुआ था। कोर्ट ने कहा, श्रीकांत प्रसाद पुरोहित के आवास में विस्फोटकों के भंडारण या संयोजन का कोई सबूत नहीं मिला। अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर सका कि विस्फोट से ठीक पहले वह साध्वी प्रज्ञा के पास थी। इससे पहले सुबह सातों आरोपी दक्षिण मुंबई स्थित सत्र न्यायालय पहुंचे, जहां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। आरोपी जमानत पर बाहर थे। मामले के आरोपियों में प्रज्ञा ठाकुर, पुरोहित, मेजर (सेवानिवृत्त) रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी शामिल थे। उन सभी पर यूएपीए और भारतीय दंड संहिता तथा शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत आतंकवादी कृत्य करने का आरोप लगाया गया था। इस पूरे प्रकरण में न्यायपालिका की देरी और जांच एजेंसियों की लापरवाही स्वयं अदालत द्वारा उजागर की गई। अदालत ने कहा कि ना तो घटनास्थल का स्केच बनाया गया, ना फिंगरप्रिंट लिए गए, ना बम के सटीक स्रोत की पुष्टि हुई और ना ही आरोपियों के खिलाफ कोई प्रत्यक्ष प्रमाण था। अभियोजन पक्ष ने जिस मोटरसाइकिल को बम के लिए इस्तेमाल होने की बात कही थी, वह भी प्रज्ञा ठाकुर से जुड़ी नहीं पाई गई। यह सब कुछ बताता है कि पूरा केस पूर्वग्रहों, दुर्भावना और राजनीतिक साजिश से प्रेरित था। यदि न्याय के नाम पर निर्दोष लोगों को प्रताड़ित किया जाए, तो वह केवल व्यक्ति नहीं, बल्कि समस्त समाज और संस्कृति को दंडित करने जैसा होता है। प्रश्न यह उठता है-तो क्या अब तक इन आरोपियों को गलत तरीके से आतंकवादी घोषित कर वर्षों तक सलाखों के पीछे रखा गया? हिंदू धर्म और आतंकवाद-ये दो शब्द आपस में मेल नहीं खाते। सनातन संस्कृति का मूल आधार ही शांति, सहिष्णुता और करुणा है। विश्व में यदि कोई धर्म ऐसा है जिसने 'युद्ध नहीं, यज्ञ', 'हिंसा नहीं, अहिंसा' का मार्ग दिखाया है, तो वह हिंदू धर्म है। राम, कृष्ण, महावीर, बुद्ध, विवेकानंद और गांधी-इन सभी की परंपरा में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं। 'भगवा आतंकवाद' एक गढ़ा गया मिथक था, जो ना केवल हिंदू समाज को कलंकित करता है, बल्कि भारत की आत्मा को भी चोट पहुंचाता है। भगवा वस्त्र तो त्याग, तपस्या और आत्मशुद्धि का प्रतीक है। उसे बम और खून से जोड़ना स्वयं भारतीयता के खिलाफ साजिश है। इस फैसले ने जहां एक ओर निर्दोषों को न्याय दिया, वहीं दूसरी ओर यह देश के जनमानस को आत्ममंथन का अवसर भी देता है, क्या हम इतनी आसानी से किसी को भी आतंकवादी घोषित कर देंगे? क्या हम किसी राजनीतिक विचारधारा के विरोध के कारण पूरे धर्म को कटघरे में खड़ा कर देंगे? क्या धर्म का दुरुपयोग कर वोटबैंक की राजनीति करते रहेंगे? साध्वी प्रज्ञा ठाकुर की प्रतिक्रिया-ल्लआज भगवा की जीत हुई है, हिंदुत्व की जीत हुई हैङ्क इस बयान में उनके दर्द एवं यथार्थ को समझने की आवश्यकता है। यह केवल एक साध्वी की व्यक्तिगत मुक्ति की खुशी नहीं, बल्कि उन करोड़ों लोगों की आवाज़ है जिनके लिए भगवा आस्था और अस्मिता का प्रतीक है। वर्षों तक मीडिया ने इस मामले को सनसनीखेज बनाकर 'हिंदू आतंकवाद' को ग्लैमराइज किया। प्राइम टाइम पर भगवा को हिंसा से जोड़ना, साध्वी प्रज्ञा ठाकुर को 'संदिग्ध आतंकी' की तरह चित्रित करना और बिना न्यायिक पुष्टि के चरित्रहनन करना, पत्रकारिता के मूलभूत सिद्धांतों के खिलाफ था। वहीं, तथाकथित बुद्धिजीवियों एवं देश की सबसे पुरानी कांग्रेस पार्टी ने भी इस मामले में एकतरफा विचारधारा के चलते भगवा को 'खतरा' घोषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। ऐसे लोगों से अब यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि क्या आप सार्वजनिक रूप से माफी मांगेंगे? मालेगांव विस्फोट मामले में आया फैसला केवल न्यायिक विजय नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक है। यह भारत की न्याय प्रणाली, समाज की सहिष्णुता और धर्म की शुद्धता का प्रमाण है। आज समय है, जब राष्ट्र को यह समझना चाहिए कि धर्म को आतंक से जोड़ना स्वयं एक मानसिक आतंक है। सत्य को स्वीकारने का साहस कीजिए, क्योंकि न्याय तभी पूर्ण होता है जब उसमें निष्पक्षता, संवेदना और सत्य का साथ हो। यह मामला दर्शाता है कि सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पस्त या पराजित नहीं। सत्यमेव जयते- यह सत्य की जीत है, सनातन की जीत है। भगवा वस्त्रों पर लगे झूठे दाग अब धुल चुके हैं, अब समय है संस्कृति के गौरव को फिर से स्थापित करने का।

आंगनवाड़ी संकुल बैठक कराने का डीएम ने दिया निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। जिलाधिकारी द्वारा उदयन सभागार में जिला पोषण समिति की बैठक में उपस्थित सी डी पी ओ को निर्देशित किया कि शिक्षक संकुल की तर्ज पर अब जनपद में प्रत्येक माह के तीसरे मंगलवार व वृहस्पतिवार को आंगनवाड़ी संकुल की बैठक कर सभी जानकारी ली जाय। 31 जुलाई को जांच के दौरान 111 आंगनवाड़ी केंद्र बंद पाये जाने पर जिलाधिकारी द्वारा सम्बंधित कार्यकत्रियों का एक दिन का मानदेय रोकने का आदेश दिया गया। इस दौरान सी.डी.पी.ओ सरसवा, सिराथू,कड़ा व नेवादा को कारण बताओ नोटिस जारी करने के भी निर्देश दिये।

जिलाधिकारी ने ई-के.वाई.सी. एवं संभव अभियान के अंतर्गत अच्छी प्रगति पाये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि शेष रह गये कार्यों को भी शीघ्र पूर्ण करा लिया जाय। उन्होंने सभी सी.डी.पी.ओ. एवं सुपरवाइजर को आशाओं से समन्वय कर ई-कवच पोर्टल पर शत-प्रतिशत फीडिंग सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये। उन्होंने पोषण ट्रैक्टर की समीक्षा के दौरान पाया कि कल दिनांक 31 जुलाई,2025 को 111 आंगनबाड़ी केंद्र बंद थे,इन आंगनबाड़ी केंद्रों को नहीं खोला गया था,नाराज़गी प्रकट करते हुए संबंधित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का एक दिन का मानदेय रोकने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने सभी सी.डी.पी.ओ. को निर्देशित किया कि ऐसे आंगनबाड़ी कार्यकत्री, जिनके द्वारा पोषण ट्रैक्टर पर जियो फेंसिंग एरिया के बाहर आंगनबाड़ी केंद्र को खोला गया है या जो आंगनवाड़ी केंद्र बंद पाए गये हैं उन सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के साथ बैठक कर उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाय। जिलाधिकारी ने कहा कि जिस प्रकार शिक्षक संकुल की बैठक प्रत्येक माह आयोजित की जाती है उसी प्रकार अब जनपद में आंगनबाड़ी संकुल की बैठक प्रत्येक माह की तीसरे मंगलवार एवं बृहस्पतिवार को आयोजित की जाय। सी.डी.पी.ओ. प्लान कर यह बैठक ऐसे सेक्टर में आयोजित करेंगे जो सेक्टर संघर्षशील या जिनमें अपेक्षित प्रगति नहीं हैं व बैठक की एजेंडा भी जारी की जाय तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को बैठक से संबंधित पंपलेट भी दिये जाय। जिलाधिकारी ने आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों की उपस्थिति कम पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि अभिभावकों से वार्ता कर आगामी 15 दिन में 70 प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त को प्रत्येक ब्लॉक में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 05-05 आंगनबाड़ी कार्यकत्री, आशा एवं ए.एन.एम. को सम्मानित किया जाय। उन्होंने पोषण ट्रैक्टर पर वी.एच.एस.एन.डी. सेशन की फीडिंग में लापरवाही पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए सी.डी.पी.ओ सरसवा,सिराथू, कड़ा व नेवादा को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण कार्य की समीक्षा के दौरान सभी सी.डी.पी.ओ को निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करवाने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि ग्राम प्रधान इचौली द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र के निर्माण कार्य में रुचि नहीं ली जा रही है, जिस पर जिलाधिकारी ने जिला पंचायतराज अधिकारी के माध्यम से ग्राम प्रधान को नोटिस जारी कराने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी सी.डी.पी.ओ को आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के घर-घर भ्रमण, पोषण वितरण एवं आवश्यक उपकरण की उपलब्धता सुनिश्चित बनाये रखने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये। उन्होंने नवचयनित आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को प्रशिक्षण दिए जाने के भी निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी, डी.सी. मनरेगा मनोज वर्मा एवं जिला विकास अधिकारी शैलेंद्र व्यास सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

बेसिक व माध्यमिक शिक्षा विभाग के निर्माण कार्यो की डीएम ने की समीक्षा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी द्वारा शुक्रवार को उदयन सभागार में आयोजित बैठक में बेसिक शिक्षा विभाग व माध्यमिक शिक्षा विभाग के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान जिलाधिकारी ने जनपद के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में बनाये जा रहे एकेडमिक ब्लॉक, अतिरिक्त कक्ष व कंप्यूटर लैब के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा के दौरान अपेक्षित प्रगति न पाये जाने पर कड़ी नाराजगी प्रकट करते हुए अधिशासी अभियंता यू.पी.सी.एल.डी.एफ. को प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। तथा जिला समन्वयक,कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का नियमित भ्रमण कर निर्माण कार्यों में प्रगति सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी द्वारा प्रोजेक्ट अलंकार के अंतर्गत जनपद के राजकीय विद्यालयों में कराये जा रहे कार्यों की समीक्षा के दौरान अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर अधिशासी अभियंता यूपी सिडको को कार्यों में प्रगति लाने एवं बाउंड्रीवॉल का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने को निर्देशित किया गया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बाढ़ और वर्षा प्रभावित क्षेत्रों को विधायक व मंत्री ने किया दौरा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में जाकर जाना पीड़ितों का हाल
- हर संभव मदद का दोनों जनप्रतिनिधियों ने दिलाया भरोसा

बांदा। जनपद में कई दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बाद केन व यमुना नदियों ने अपना रौद्र रूप भी दिखाना शुरू कर दिया है। बांदा सदर और तिंदवारी विधानसभा क्षेत्र के कई गांव और मजरे बाढ़ की चपेट में आये गये। कई मजरों का तो सम्पर्क भी टूट गया है। ऐसे में सदर विधानसभा क्षेत्र के बाढ़ और वर्षा से प्रभावित इलाकों को दौरा जहां सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी ने करते हुए बाढ़ प्रभावित लोगों को हर मदद का भरोसा दिलाया। इसके अलावा बाढ़ से गिरे मकानों के स्वामियों से मिले और उनसे हर संभव मदद की बात कही। इसी प्रकार तिंदवारी विधानसभा क्षेत्र से विधायक और प्रदेश सरकार में जलशक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद ने भी अपनी विधानसभा क्षेत्र के बाढ़ से प्रभावित इलाकों को प्रमुख रूप से दौरा करते हुए जिम्मेदार अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। वहीं पीड़ितों को हर संभव मदद की बात कही। मंत्री रामकेश निषाद ने अपने क्षेत्र के ग्राम तारा, चिल्ला व खजुरी में बाढ़ प्रभावित इलाकों को पैदल जाकर दौरा किया। इस मौके पर उन्होंने पीड़िता से संवाद करते हुए कहा कि उनको सरकार की तरह से हर मुमकिन मदद दी जायेगी। वहीं अधिकारियों को भी जिम्मेदारी से कार्य करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी ने अपनी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत कनवारा, छावनी दरदा, ब्रम्हाडेरा में भ्रमण कर अत्याधिक वर्षा के कारण ध्वस्त/गिरे हुये मकानों तथा नदी किनारे खेत के कटान का निरीक्षण कर स्थानीय प्रशासन को पिंचिंग निर्माण, जल निकासी एवं ससमय राहत समाग्री व अन्य मूलभूत सहायता हेतु तथा सी0एम0ओ0 को संक्रामंक बीमारियों से सम्बन्धित दवों आदि के छिडकाव हेतु निर्देशित कर ग्राम पंचायतों में चल रहे विभिन्न विकास कार्यो को ससमय पूर्ण कराने के आदेश दिये तथा वहीं क्षेत्रीय ग्रामवासियों की समस्याओं को सुन कर तत्काल सम्बन्धित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण कराने हेतु निर्देशित किया।

लापता बस ओनर के परिजनों से मिले कांग्रेसी

बांदा। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजेश दीक्षित के नेतृत्व में कांग्रेस का प्रतिनिधि मंडल दो दिनों से लापता विनय श्रीवास्तव के आवास पर पहुंचकर उनके परिजनों से मुलाकात की गई इस अवसर पर लापता विनय श्रीवास्तव की पत्नी श्री मति नूपुरश्रीवास्तव द्वारा बतलाया गया कि मेरे पति सब दिनों की भांति प्रातःअपनी स्कूटी से गए हुए थे स्कूटी केन नदी के ऊपर पुल में बरामद हुई तब से आज तक मेरे पति लापता है स्थानीय पुलिस को दी गई तहरीर में उन्होंने खुलासा किया है सेंट मैरी प्रधानाचार्य मेरे पति को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने में लगे हुए थे हो सकता है इसी प्रताड़ना से दुखी होकर उनके द्वारा अनैतिक कदम उठाया गया हो स्थानीय पुलिस एसओजी टीम जांच पड़ताल व तलाश में लगी हुई है कांग्रेस अध्यक्ष ने उनकी पत्नी नूपुर श्रीवास्तव को भरोसा दिलाया कि कांग्रेस पार्टी आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है इस संबंध में पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों से शीघ्र ही वार्ता की जाएगी।

मेधावी छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों का सम्मान समारोह आयोजित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सीतापुर। सीतापुर जिले के अंतर्गत सेक्रेड हार्ट इंटर कॉलेज के छात्रों के संगठन ओशा (ओल्ड सेक्रेड हार्टियंस एसोसिएशन) द्वारा सेक्रेड हार्ट हायर सेकेण्डरी स्कूल, सीतापुर के सभागार में सत्र 2024-25 के कक्षा 10 एवं 12 वी के 19 मेधावी छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने करते हुए विद्यालय के कक्षा 10 वीं के 11 और कक्षा 12 वीं के 8 मेधावियों को उनके अभिभावकों के साथ सम्मानित किया। कक्षा-10 में छात्रों में अभय गुप्ता, आसमी शुक्ला, भाव्या गुप्ता, शुभी सिंह, पूर्वी अरतानी, अनिवेशा सिंह, शिखर यादव, नविका सिंह, अमिना आसिम, खुशी कोहली, अनय वर्मा एवं इनके अभिभावकों को सम्मानित किया गया। इसी प्रकार इण्टरमीडिएट के छात्रों में गर्विता जैन, राशि शुक्ला, व्याख्या शुक्ला, अनन्या गुप्ता, शुखी केसवानी, अधिराज श्रीवास्तव, धैर्य गुप्ता, मो0 अज्म अब्बास एवं उनके अभिभावकों को भी सम्मानित किया।

सभागार में उपस्थित प्यारे बच्चों, अध्यापकों एवं अभिभावकों को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने कहा की मेधावी बच्चों को सम्मानित होता देख रहें बच्चों के लिए ये एक प्रेरणादायक पल है क्योंकि कल वो भी अपनी मेहनत के बलबूते इस सम्मान का हिस्सा बन सकते है। मैं आज इन होनहार छात्र छात्राओं को सम्मानित करके खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं क्योंकि यही बच्चे आगे आने वाले समय में देश की कमान अपने हाथों में लेकर भारत जैसे विशाल देश के भविष्य को और बेहतर और ऊचाईयों पर ले जाएंगे। उन्होंने आगे कहा की मै ओशा जैसे संगठनों की दिल से प्रशंसा करता हूँ क्योंकि आप सभी पूर्व छात्रों ने अपने छात्र जीवन में जो अनुशासन, कर्तव्य निष्ठा, ईमानदारी और कार्य कुशलता सीखी आज आप उसे अपने संगठन के माध्यम से विद्यालय के बच्चों को सिखा रहे है। मैं समझता हूं की इसकी आज समाज को बहुत ज़रूरत है। ओशा की तरफ से वरिष्ठ सदस्य संजीव मेहरोत्रा ने जिलाधिकारी, विद्यालय के प्रधानाचार्य, उप प्रधानाचार्य, ओशा के सम्मानित सदस्यों, सम्मानित होने वाले सभी बच्चों, अभिभावकों, दर्शक के रूप में बैठे सभी प्यारे बच्चों और अध्यापकों का धन्यवाद ज्ञापित किया और बच्चों को मेहनत और लगन से और आगे बढ़ने का मूल मंत्र भी दिया। कार्यक्रम के दौरान मंच पर विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर क्लौडीयस डी अलमेदा, उपप्रधानाचार्य फादर राजीव मुर्मू, ओशा के अध्यक्ष पियूष श्रीवास्तव, वरिष्ठ ओशा सदस्यगण संजीव मेहरोत्रा, हरिश रस्तोगी, यशवंत सिंह, यतीश गुप्ता, प्रियदर्शन मेहरोत्रा, विजय मंगलानी, सीमा जौहरी आदि उपस्थित रहे। मंच संचालन कुमारी अपूर्वा शुक्ला ने किया।

संक्षिप्त समाचार

किसान ने युवक पर आरोप लगा पुलिस को दी तहरीर

सफीपुर-उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र निवासी किसान ने मात्र कहासुनी पर बढ़े विवाद पर पिता-पुत्र को मारपीट घायल कर देने का गाव निवासी युवक पर आरोप लगा पुलिस को तहरीर दी जिसके आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जाच की जा रही है। कोतवाली क्षेत्र के पखरौरा गांव निवासी रामविलास रैदास पुत्र महावीर निवासी ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि एक जुलाई 2025 सुबह 10 बजे का है। पड़ोस में रहने वाले सुरेश पुत्र मगू ने रास्ते में पड़े बाँस हटाने को कहा जिस पर हमने एक दो दिन में हटाने का भरोसा दिया।इसके बावजूद सुरेश ने गाली गलौज करते हुए लाठी डन्डो से मार पीट करने लगा बचाने आया मेरा पुत्र रोहित को भी सुरेश ने लाठी डन्डों से बुरी तरह मारा व जान से मारने की धमकी देकर भाग खड़ा हुआ।दोनों घायलों को सी एच सी सफीपुर लाया गया जहा इलाज किया जा रहा है। इस संबंध में एस ओ सुब्रत नारायण त्रिपाठी ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जाच की जा रही है।

अलग-अलग मामलों में वांछित आरोपी गिरफ्तार

बांगरमऊ-उन्नाव। पुलिस ने दो अलग अलग मामलों में वांछित चल रहे दो आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायालय के सामने पेश किया है। जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया। बांगरमऊ क्षेत्र निवासी महिला को घर में अकेला पाकर एक युवक ने छेड़छाड़ की थी। जिस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपित की तलाश शुरू कर दी थी। शुक्रवार को कोतवाली में तैनात अपराध निरीक्षक रामनारायण ने बांगरमऊ के ग्राम पंचू पुरवा निवासी गोविंद को कल्याणी नदी के पास से गिरफ्तार किया है। वही दूसरे मामले में पाक्सो समेत अन्य धाराओं में वांछित चल रहे बांगरमऊ के हसनपुर सगौड़ा निवासी सुनील उर्फ सुधीर को मदार नगर गांव के पास गिरफ्तार कर न्यायालय के सामने पेश किया है। जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया।

मनी ट्रेडिंग से जुड़े मामले में एक युवक गिरफ्तार

बांगरमऊ-उन्नाव। कस्बा गंजमुरादाबाद में कथित मनी ट्रेडिंग से जुड़े मामले में बांगरमऊ पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। कस्बा गंजमुरादाबाद नगर में कथित मनी ट्रेडिंग के नाम पर अनेकों लोगों से करोड़ों की ठगी के मामले में दर्ज रिपोर्ट के आधार पर कार्यवाही में जुटी बांगरमऊ पुलिस ने शुक्रवार को कस्बा गंजमुरादाबाद के मोहल्ला तालाब निवासी अयाज उर्फ अयाजुद्दीन को उसके घर के दरवाजे से गिरफ्तार कर संबंधित धाराओं में न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। जहां से जेल भेज दिया गया।

रेलवे कार्य के चलते ट्रेनों का संचालन असामान्य

शुक्लागंज-उन्नाव। जैतीपुर स्टेशन पर ट्रैक और यार्ड के पास तीन दिनों से रेलवे का कार्य चल रहा है। इसी के चलते शुक्रवार दोपहर में बिना स्टॉपेज वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को 12:49 से 12:50 बजे तक, साबरमती एक्सप्रेस को 1:10 से 1:13 बजे तक और राप्ती सागर एक्सप्रेस को 1:21 से 1:23 बजे तक गंगाघाट स्टेशन पर रुकना पड़ा। इन एक्सप्रेस ट्रेनों के अलावा, इस रूट पर चलने वाली मेमो और पैसेंजर ट्रेनें भी अपने निर्धारित समय से काफी देरी से पहुंचीं, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि कार्य पूरा होते ही ट्रेनों का संचालन सामान्य हो जाएगा।

मुखबिर की सूचना पर आरोपी गिरफ्तार

शुक्लागंज-उन्नाव। इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार मिश्रा ने बताया कि थाना क्षेत्र की एक युवती को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के संबंध में 20 जुलाई को मुकदमा दर्ज किया गया था। तभी से पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी थी। मुखबिर की सूचना पर मंगलवार को बालूघाट तिराहा के पास से वांछित आरोपी को धर दबोचा गया। गिरफ्तार किए गए युवक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ उनका अभियान जारी रहेगा।

सीनियर बेसिक शिक्षक संघ का सेवानिवृत शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

पुरवा-उन्नाव। भगवती विद्यापीठ इंटर कॉलेज भदरौली जनपद आगरा में उत्तर प्रदेश सीनियर बेसिक शिक्षक संघ जनपद आगरा द्वारा सेवानिवृत शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम में लगभग दस सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इसी विद्यालय के लिपिक लक्ष्मी नारायण तिवारी को भी उत्तर प्रदेश सीनियर बेसिक शिक्षक संघ के प्रांतीय पदाधिकारियों व आगरा खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से सदस्य विधान परिषद आकाश अग्रवाल ने सम्मानित किया। संगठन के प्रदेश महामंत्री अशोक पाल ने सभी मतभेद भुलाकर सभी शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों से एक हो जाने व संगठन के बैनर तले एकत्रित सरकार की सहायता प्राप्त जूनियर हाईस्कूलो के साथ हो रहे सौतेले व्यवहार के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करने का आहवान किया। अशोक पाल ने राजनीतिक सोच व संबद्धता से ऊपर उठकर अपने समाज व विद्यालयों को बचाने हेतु एकजुट होने की अपील की तथा सेवानिवृत्त शिक्षकों कर्मचारियों को भावी जीवन की शुभकामनाएं प्रेषित की। शिक्षक विधायक आकाश अग्रवाल ने सभी आए हुए अतिथियों को खराब मौसम के बावजूद कार्यक्रम में शामिल होने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

अपर पुलिस महानिदेशक प्रयागराज जोन ने साइबर थाने का किया निरीक्षण

बांदा। अपर पुलिस महानिदेशक प्रयागराज जोन, डा. संजीव गुप्ता द्वारा पुलिस उप महानिरीक्षक चित्रकूट धाम परिक्षेत्र बांदा राजेश एस. व पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल के साथ पुलिस लाइन में प्रशिक्षणरत रिक्रूटों की सुरक्षा व्यवस्था, प्रशिक्षण की गुणवत्ता तथा आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का विस्तार से जायजा लिया तथा पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि रिक्रूटों को उच्च स्तर का प्रशिक्षण प्रदान किया जाए ताकि वे भविष्य में चुनौतियों का प्रभावी रूप से सामना कर सकें । निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस महानिदेशक प्रयागराज जोन, डॉ. संजीव गुप्ता ने परेड ग्राउंड, बैरक, भोजनालय, शौचालय, शुद्ध पेयजल, चिकित्सा सुविधा तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर रिक्रूटों से संवाद किया । साथ ही साइबर थाने का औचक निरीक्षण किया । इस दौरान उन्होंने साइबर अपराधों से संबंधित मामलों की समीक्षा की और थाने में उपलब्ध तकनीकी संसाधनों, स्टाफ की दक्षता तथा कार्यपद्धति का अवलोकन किया ।

बाढ से प्रभावित लोगों को आवश्यक सहायता तत्काल उपलब्ध करायें: डीएम

- डीएम ने अधिकारियों के साथ किया बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जिलाधिकारी श्रीमती जे. रीभा ने आज तहसील पैलानी के बाढ प्रभावित क्षेत्रो सिंधनकला, नांदादेव के मजरे शकर पुरवा एवं मरझा का निरीक्षण किया। उन्होंन सर्वप्रथम पैलानी डेरा एवं सिंधनकला का निरीक्षण करते हुए सिधनकला रोड के रपटे में पानी आ जाने से पुलिस अधिकारियों एवं ग्राम प्रधान को बैरीकेटिंग लगाकर बंद करने के साथ लोगों एवं बच्चों को नदी किनारे नही जाने देने के निर्देश दिये। इसके पश्चात उन्होंने नांदादेव के मजरों का पैलानी डेरा से मोटर वोट के द्वारा शंकर पुरवा एवं मरझा का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के समय उपस्थित उप जिलाधिकारी को निर्देश दिये कि बाढ से प्रभावित लोगों को आवश्यक सहायता तत्काल उपलब्ध कराये। उन्होंने शंकर पुरवा एवं मरझा में ग्रामीणों से वार्ता करते हुए कहा कि अपने घरों में रहें तथा जल स्तर बढने पर तथा नदी के आस-पास नही जाये। निरीक्षण के दौरान मजरो में जल भराव था। घरों में पानी जाने की स्थिति उत्पन्न नही हुई है। उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारियों को बाढ से बचाव हेतु राहत कार्यों नाव/बोट एवं आवश्यक खाद्य सामग्री तथा अन्य व्यवस्थायें सुनिश्चित रखने के साथ प्रभावित लोगों को सामग्री का वितरण करने के निर्देश दिये। उन्होंने पर्याप्त संख्या में वाटर लाइफ जैकेट बाढ से बचाव हेतु लोगों को उपलब्ध कराये जाने तथा स्थिति पर शतत निगरानी रखने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देशित किया कि राहत शिविर में ठहरने, स्वच्छ पेयजल, भोजन, चिकित्सा, शौचालय तथा आवश्यक व्यवस्थायें तत्काल करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी पैलानी, तहसीलदार पैलानी, लोक निर्माण विभाग सहित सम्बन्धित ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

अवैध रूप से की जा रही वसूली, जिम्मेदार मौन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शुक्लागंज-उन्नाव। नवीन गंगापुल चौराहे पर कोतवाली गंगाघाट के बाहर नगर पालिका परिषद गंगाघाट द्वारा उठाये गए टैम्पू स्टैंड पार्किंग शुल्क का ठेका टैम्पू स्टैंड पार्किंग की बजाय राजधानी मार्ग मुख्य मार्ग पर ऑटो, थ्रीव्हीलर, ईरिक्शा, एंव माल वाहक वाहनो को रोंक नियम विरुद्ध तरीके से अवैध वसूली की जा रही है। जिससे यातायात नियमों का जमकर उलंघन हो रहा है। एंव उन मालवाहक वाहनो से भी जबरन रोक कर वसूली की जा रही है। जो माल भाड़े के साथ टैक्सपेड माल की लोडिंग करते है। और टैम्पू स्टैंड पर गाड़ी ख़डी भी नहीं करते है। जबकि नियमानुसार टैम्पू स्टैंड पर पार्किंग शुल्क का ठेका हुआ है। जहाँ पार्किंग शुल्क का बोर्ड तो लगा दिया गया किन्तु नियम व शासनादेश लिखित नहीं मात्र वाहनों की शुल्क वसूली अंकित है। सरकार जहाँ एक तरफ भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टालरेन्स की नीति अपना रही लूट उगाही जैसे अपराधों पर अंकुश लगा रही है। वही कोतवाली गेट के बाहर ठेकेदार के गुर्गे जबरदस्ती ऑटो, ईरिक्शा,थ्रीव्हीलर, माल वाहक वाहनो को रोक कर वसूली शुल्क की स्लिप चिपका कर 20 से 30 रूपये प्रति वाहन अवैध वसूली करते दिखाई देंगे आये दिन लगाने वाले जाम से निजात हेतु नगर पालिका परिषद गंगाघाट द्वारा टैम्पू स्टैंड का निर्माण कराया गया हैं। लेकिन आज टैम्पू स्टैंड पर अवैध वाहनों का कब्जा हैं। जिसे खाली नहीं कराये जाने से सडक के दोनों ओर सवारिया भरने के लिये बेतरतीब खडे वाहनों से नित्य जाम की स्थिति बनी रहती है। जिससे निजात पाने के लिए वाहनो का टैम्पू स्टैंड पार्किंग स्थल पर ब्यवस्थित कर सवारिया भरने और उतारने के दौरान पार्किंग शुल्क लिया जाना चाहिए लेकिन इसके उलट सड़को पर वाहनो को जबरन रोककर वसूली पर्ची चिपका अवैध रूप से पैसा वसूली होती है।जिम्मेदार मौन है। सड़को पर अराजकता का माहौल बना रहता है। जबकि सड़के सार्वजनिक सम्पत्ति है। उस पर किसी के द्धारा वाहन रोककर किसी भी प्रकार की वसूली कर स्वलाभ अर्जित करना असंवैधानिक है।और यातायात नियमो का उलंघन भी हैं। जोकि नगर पालिका और प्रशासन की आँखों के सामने हो रहा है। और इस प्रकार सड़को पर वाहन रोके जाने और इधर उधर वाहन खडे कर सवारिया भरने और उतारने से जाम की स्थिति और प्रबल होती है। इस प्रकार वसूली से शासन और सरकार की छवि पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता हैं। अब देखना ये हैं की जिले के ईमानदार जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक की दृष्टी कब पडती है। और इस प्रकार की सड़को पर होती उगाही करने वालों के विरुद्ध दण्डात्मक कार्यवाही कब होती है।

पीएमयू द्वारा किया गया स्थलीय निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शुक्लागंज-उन्नाव। आज नगर के विकास को नई दिशा देने की ओर एक कदम बढ़ाया गया है। मुख्यमंत्री वैश्विक नगर योजना के अंतर्गत गंगाघाट क्षेत्र के मरहला चौराहे पर प्रस्तावित नवीन नगर पालिका कार्यालय भवन निर्माण के लिए प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग यूनिट (घ्ब्रठ) द्वारा गुरुवार को स्थलीय निरीक्षण किया गया यह नया कार्यालय भवन गंगाघाट क्षेत्र की प्रशासनिक सुविधाओं को केंद्रीयकृत और सुदृढ़ करेगा स्थानीय नागरिकों को एक ही स्थान पर सभी नगर पालिका की सेवाएं मिल सकेंगी इससे समय,संसाधन और प्रयास की बचत होगी नागरिक जीवन स्तर में भी सुधार होगा भवन में आधुनिक तकनीकी सुविधाएं, ई-ऑफिस, जनसुविधा केंद्र और हरित भवन मानकों के अनुरूप निर्माण प्रस्तावित है। निरीक्षण के दौरान अधिशाषी अधिकारी मुकेश कुमार मिश्र, अवर अभियंता घनश्याम मौर्या और नगर पालिका परिषद के अन्य तकनीकी व प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे स्थानीय निरीक्षण दल ने स्थल की भौगोलिक व तकनीकी स्थिति का आकलन किया टीम ने निर्माण स्थल की लम्बाई चौड़ाई, यातायात सुविधा,जल निकासी व्यवस्था,तथा आस-पास की आबादी की पहुँच पर भी चर्चा की। अधिशाषी अधिकारी मुकेश कुमार मिश्र ने कहा,''यह भवन सिर्फ एक संरचना नहीं होगा, बल्कि नागरिक सुविधाओं का केंद्र बनेगा हमारा लक्ष्य पारदर्शिता के साथ त्वरित सुविधा आधारित प्रशासन को अग्रसर करना हैं। अवर अभियंता घनश्याम मौर्या ने बताया कि जल्द ही निरीक्षण रिपोर्ट तैयार कर संबंधित विभाग को भेजी जाएगी जिसके आधार पर निर्माण कार्य की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

धौरहरा की सड़कों पर मौत का खुला दरवाज़ा

- नगर पंचायत की लापरवाही से दहशत में राहगीर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

धौरहरा, खीरी। नगर पंचायत धौरहरा की लापरवाही इन दिनों आमजन की जान पर भारी पड़ रही है। कस्बे की कई मुख्य सड़कों और क्रॉसिंग पर मैनहोल बिना ढक्कन के खुले पड़े हैं, जो हर गुजरने वाले के लिए एक जानलेवा खतरा बन चुके हैं। विश्वसनीय सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, नगर पंचायत अध्यक्ष के आवास से बबुरी गांव की ओर जाने वाले मार्ग पर स्थित प्राथमिक विद्यालय के गेट के सामने एक मैनहोल महीनों से खुला पड़ा है। इस रास्ते से प्रतिदिन बड़ी संख्या में राहगीर, विशेषकर स्कूली बच्चे और महिलाएं गुजरते हैं। यह मैनहोल अब तक कई लोगों को घायल कर चुका है और किसी दिन बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है। खास तौर पर महिला इंटर कॉलेज की छात्राएं इसी मार्ग से रोज़ गुजरती हैं। यदि कोई दुर्घटना घटती है तो उसका असर छात्राओं के शिक्षा और भविष्य पर गंभीर रूप से पड़ सकता है, जिससे उनके सामाजिक और पारिवारिक जीवन में भी बाधाएं उत्पन्न हो सकती हैं। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि नगर पंचायत को कई बार शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन अधिकारियों की उदासीनता के चलते आज तक कोई कदम नहीं उठाया गया। क्षेत्र में डर का माहौल है और लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

जनता ने प्रशासन से मांग की है कि इन खतरनाक स्थलों पर शीघ्र कार्रवाई करते हुए मैनहोल को ढंका जाए और अन्य क्षतिग्रस्त हिस्सों की भी मरम्मत कराई जाए, ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके और लोगों को राहत मिल सके।

बाबा भूतनाथ के मेले की तैयारी को लेकर डीएम-एसपी ने लिया जायजा

गोला गोकर्णनाथ खीरी। श्रावण माह की नाग पंचमी के बाद सोमवार को छोटी काशी गोला में होने वाले बाबा भूतनाथ के ऐतिहासिक मेले को लेकर जिला प्रशासन ने अपनी सक्रियता दिखाते हुए शुक्रवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एसपी संकल्प शर्मा और विधायक अमन गिरी ने पैदल भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण निरीक्षण करते हुए भीड़ प्रबंधन ,सफाई, वैरिकेटिंग ,रोशनी ,चिकित्सा,जलापूर्ति के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एसपी ने सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने और सीसीटीवी व महिला पुलिस की तैनाती पर विशेष जोर दिया।

गंगा स्नान के दौरान दो कांवड़िये सरयू में डूबे एक का शव बरामद, दुसरे की तलाश जारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

धौरहरा खीरी। धौरहरा क्षेत्र में सरयू (घाघरा) नदी में सोमवार को स्नान के दौरान डूबे दो कांवड़ियों में से एक, अभिषेक (18) का शव मंगलवार शाम बरामद कर लिया गया। ढखवा गांव निवासी अभिषेक अपने दो साथियों अमन (20) और एक अन्य युवक के साथ बाइक से जल भरने और स्नान के लिए जालिमनगर सरयू घाट पहुंचा था। नहाने के दौरान अभिषेक और अमन नदी के तेज बहाव में बह गए, जबकि तीसरा साथी किनारे पर बैठा रहा। दोनों के अचानक लापता होने से घबराया युवक देर शाम पुलिस को जानकारी देने पहुंचा, जिसके बाद प्रशासन हरकत में आया। ट्रक्क्र शशिकांत मणि, तहसीलदार आदित्य और पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। रात में अंधेरा होने के कारण तलाशी अभियान रोक दिया गया था, लेकिन मंगलवार सुबह फिर से फ्लड पीएसी और 20 गोताखोरों की टीम ने नदी में सघन तलाशी शुरू की। करीब शाम छः बजे फ्लड पीएसी को अभिषेक का शव बरामद हुआ। शव की हालत देखकर परिजनों की चीख-पुकार मच गई और घाट पर मातम छा गया। शव की शिनाख्त के बाद अंतिम कार्रवाई की जा रही है, वहीं अमन की तलाश अब भी जारी है। घटना स्थल पर हल्का लेखपाल शशांक शुक्ला, एसडीएम शशिकांत मणि, स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि लापता अमन की तलाश जारी रहेगी और पीड़ित परिवार को हर संभव मदद दी जाएगी।

गोला गोकर्णनाथ में सुहेल अंसारी का जोरदार स्वागत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सुहेल अंसारी, एक युवा पदयात्री का जोरदार स्वागत किया। सुहेल दिल्ली में राहुल गांधी से मिलने जा रहे हैं और उनकी पदयात्रा का उद्देश्य राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से प्रेरणा लेना है। सुहेल अंसारी का गोला गोकर्णनाथ के सदर चौराहा स्थित इंदिरा पार्क में जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रहलाद पटेल, पूर्व राज्यसभा सांसद रवि प्रकाश वर्मा और अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित थे। सुहेल ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से प्रेरित होकर वे उनसे मिलने दिल्ली जा रहे हैं। सुहेल ने राहुल गांधी को देश के मजबूत भविष्य के रूप में वर्णित किया। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सुहेल को माल्यार्पण कर पार्टी का पटका पहनाया और राष्ट्रीय ध्वज प्रदान किया। इसके अलावा, उन्हें आंशिक आर्थिक सहयोग भी प्रदान की सुहेल अंसारी दोपहर 2:30 बजे संसारपुर के लिए प्रस्थान कर गए, जहां वे रात्रि विश्राम करेंगे। उनकी यात्रा का अगला पड़ाव दिल्ली होगा, जहां वे राहुल गांधी से मिलेंगे। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में शामिल जिला कांग्रेस कमेटी के प्रहलाद पटेल, पूर्व राज्यसभा सांसद रविप्रकाश वर्मा, जिला उपाध्यक्ष प्रेम कुमार वर्मा, जिला उपाध्यक्ष विपुल गुप्ता, इकबाल अहमद खान,नारायण लाल वर्मा, पंकज पटेल, सुभाष चंद्र वर्मा, आसिफ खान, अफजल शाह, विवेक शर्मा शारिक भाई शामिल हुए इस तरह सुहेल अंसारी की पदयात्रा और राहुल गांधी से मिलने का उनका उद्देश्य कांग्रेस पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण आयोजन बन गया है।

केन नदी के पावन तट से निकलने वाली केन कावड़ यात्रा की आवश्यक बैठक सम्पन्न

बांदा। आगामी 3 अगस्त रविवार को प्रातः 8 बजे से केन नदी के पावन तट से निकलने वाली केन कावड़ यात्रा की एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें सभी कावड़ साथियों से अपील की गई की सभी लोग समय पर पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं 3 तारीख को प्रातः 8 बजे से कावड़ यात्रा केन नदी के पावन तट से पवित्र जल लेकर शोभा यात्रा के रूप में दीनदयाल नगर खुटला होते हुए छोटी बाजार,कोतवाली रोड,शंकर गुरु चौराहा से चौक बाजार होते हुए प्रकाश टाकीज, महेश्वरी देवी, बलखंडी नाक,कैलाश पुरी होते हुए बमबेश्वर मंदिर में भगवान भोलेनाथ का जल अभिषेक करेंगे।। केन कावड़ यात्रा में महिलाएं भी सहभागिता करती हैं माताएं बहने भी कावड़ उठाकर शोभायात्रा में चलती है सभी नगर वासियों से सभी माता बहनों से सादर अनुरोध है कि सभी लोग कावड़ यात्रा में सम्मिलित हो और इस धार्मिक कार्यक्रम में सहभगिता कर कार्यक्रम को सफल बनावे।

बजरंग दल ने जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला अध्यक्ष राकेश कनौजिया के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ताओं ने उप जिला अधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री जी को जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने हेतु चार सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि भारत के किसी भी प्रदेश में हिंदू समाज सुरक्षित नहीं है और हिंदुओं के सभी त्योहारों पर देश के किसी न किसी हिस्से में या शहर में शोभा यात्राओं पर हमले होते हैं। बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के हालिया दंगे और पहलगाम में मुसलमानों द्वारा सुनियोजित तरीके से आतंकी घटना को अंजाम देने का उदाहरण दिया गया है। इसके अलावा, धर्मांतरण करने वाले गिरोहों और बढ़ती मुस्लिम आबादी को हिंदुओं के लिए बड़ा खतरा बताया गया है। ज्ञापन में कहा गया है कि देश में बढ़ती आबादी और जनसंख्या के कारण आने वाले गंभीर खतरों को देखते हुए भारत सरकार को जनसंख्या नियंत्रण करने के लिए कठोर कानून बनाने की आवश्यकता है। जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाना, एंटी लव जिहाद कानून बनाना,समान नागरिक कानून बनाना,धर्मांतरण विरोधी कानून बनाना और डीएनए टेस्ट से 3 करोड़ बांग्लादेशी मुसलमानों को भारत से भगाना ज्ञापन सौंपने वालों में जिला अध्यक्ष राकेश कनौजिया, जिला उपाध्यक्ष अनुज कुमार, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष आकाश जायसवाल गगन कुमार, जिला महामंत्री प्रदीप जायसवाल, अजय कुमार, प्रांशु गुप्ता, विजय तिवारी, जितेंद्र कुमार, विशाल कुमार, संजय सिंह, विक्रम सिंह, सुनील बाजपेई, अशोक जायसवाल, प्रेमचंद राठौर, अंशुल वर्मा, शिवम श्रीवास्तव और अमित कुमार सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

प्राथमिक विद्यालय खंजननगर ने रचा इतिहास

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मितौली खीरी। जनपद लखीमपुर खीरी के विकास खण्ड मितौली के परिषदीय विद्यालय प्राथमिक विद्यालय खंजननगर ने अपने विद्यालय के पांच छात्र-छात्राओं का वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज गोरखपुर में प्रवेश के लिए अंतिम रूप से चयन कराकर एक नया कीर्तिमान रच दिया है। यह जनपद का पहला विद्यालय है जिसने एक साथ पांच छात्र-छात्राओं का चयन कराया है। प्रथम चरण में सरिता देवी और पूजा देवी का चयन हुआ था। अब दूसरे चरण में अनमोल पाल, साहिबा और अंकिता पाल का चयन हुआ है। इन छात्र-छात्राओं ने सफलता हासिल करके जनपद का गौरव बढ़ाया है। प्राथमिक विद्यालय खंजननगर के प्रभारी प्रधानाध्यापक सलीम अहमद ने बताया कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। इसके लिए कड़ी मेहनत, समर्पण और धैर्य की आवश्यकता होती है। विद्यालय के सभी चयनित छात्र-छात्राओं ने बड़ी कड़ी मेहनत से यह मुकाम हासिल किया है। छात्र-छात्राओं ने अपनी मेहनत और लगन से यह उपलब्धि हासिल की है। वे पढ़ाई के साथ-साथ खेल में भी रुचि रखते थे। विद्यालय से चयनित छात्र-छात्राओं ने अपने खेल कौशल को विभिन्न स्तरों पर प्रदर्शित किया और सफलता प्राप्त की। इन छात्र-छात्राओं के चयन से विद्यालय परिवार, अभिभावक और ग्रामवासी खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। छात्र अनमोल पाल के पिता कृषि करते हैं, साहिबा के पिता मजदूरी करते हैं और अंकिता पाल के पिता भी कृषि का कार्य करते हैं। प्रभारी प्रधानाध्यापक सलीम अहमद ने दूसरे चरण में चयनित छात्र-छात्राओं को मिठाई खिलाकर बधाई दी। प्राथमिक विद्यालय खंजननगर की इस उपलब्धि से यह साबित होता है कि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चे भी किसी से कम नहीं हैं। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपनी मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया है और जनपद का गौरव बढ़ाया है।

कराटे खेल कूद प्रतियोगिता का हुआ शुभारम्भ

बांदा। शहर के नरैनी रोड में स्थित हिरा माडल स्कूल व हिरा इस्लामिया इंटर कॉलेज नरैनी रोड बाँदा में स्पोर्ट्स फार स्कूल कार्यक्रम के अंतर्गत क्षेत्रीय विद्यालय कराटे खेल कूद प्रतियोगिता का शुभारम्भ माननीय दिनेश कुमार जिला विद्यालय निरीक्षक बाँदा द्वारा किया गया। उक्त प्रतियोगिता में उपस्थित जिला क्रीडा सचिव सुरेश कुमार मंडलीय सचिव रमेश चन्द्र, शारीरिक शिक्षक रामदेव व शारीरिक शिक्षक व पूर्व वरिष्ट हॉकी खिलाडी शाहिद वली खान खानकाह इंटर कॉलेज उपस्थित रहे । प्रतियोगिता में कोच व शारीरिक शिक्षक अशोक कुमार उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में भाग करने वाले छात्र हिरा माडल स्कूल के मो. मुर्तजा खान (अंडर-14) सय्यद अयान अहमद (अंडर-14), मो. मुश्तफा (अंडर-17), राजकीय इंटर कालेज बाँदा के हर्ष कुमार व श्याम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बाँदा के आशुतोष कुमार रहे । जिन्होंने अपने खेल भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। जिला विद्यालय निरीक्षक बाँदा ने प्रतियोगित के पूर्व खिलड़ियों का परिचय लिया। अंत में उन्होंने अपने सम्भोधन में कहा कि खेल शिक्षा का ही अंग है। सीमित समय पढाई में बाधित नही होता।

ईओ सुरेन्द्र कुमार के सेवानिवृत्त होने पर पालिका सभागार में दी गई विदाई

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। नगर पालिका परिषद गोला में अधिशाषी अधिकारी के पद पर कार्यरत सुरेंद्र कुमार के 31 जुलाई को सेवानिवृत होने पर नगर पालिका परिषद गोला के सभागार में उनका विदाई समारोह कार्यक्रम आयोजित कर विदाई दी गई। अधिशाषी अधिकारी सुरेन्द्र कुमार के विदाई समारोह कार्यक्रम में बोलते हुए नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने कहा कि कम समय में ही ई ओ सुरेन्द्र कुमार ने बहुत अच्छा काम किया। आपके प्रयास से गोला नगर पालिका स्वच्छता अभियान में प्रदेश में द्वितीय स्थान लाई।आपके सराहनीय कार्यो के लिए आभार प्रकट करते है तथा आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते है। अधिशाषी अधिकारी सुरेन्द्र कुमार ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बाबा भोलेनाथ की कृपा से मुझे उनकी नगरी में सेवा करने का अवसर मिला तथा सभी का सहयोग करने व असीम प्रेम के लिए मै सबका ऋणी रहूँगा। सभासद नानक चन्द्र वर्मा, आनंद सोनी ,अधिशाषी अधिकारी लखीमपुर संजय कुमार ,सफाई नायक दिलीप बाल्मीकि ने भी अपने विचार व्यक्त किए।कार्यक्रम का संचालन शत्रोहन मिश्रा ने किया विदाई समारोह में सभासद आशीष अवस्थी, आनंद किशोर गिरि ,हरिओम वर्मा,धर्मेन्द्र कुमार तिवारी,धर्मेन्द्र जायसवाल, रियाजुद्दीन, ई ओ मोहम्मदी जगदेव प्रसाद मौर्य ,ई ओ ओयल ऋषिकेश वर्मा, ई ओ खीरी विनीत कुमार, ई ओ निघासन दिनेश कुमार शुक्ल, ई ओ धौरहरा गौरव सिंह, समाजसेवी चंदन लाल बाल्मीकि, खाद्य एवं सफाई निरीक्षक संदीप वर्मा, वरिष्ठ लिपिक अमित श्रीवास्तव, लिपिक शिवम भारती, मोहित अवस्थी, राम सिंह,विमलेश वर्मा,अंकित गुप्ता, पंकज राठौर, सहित अनेक पालिका कर्मचारी उपस्थिति रहे।

संक्षिप्त समाचार

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मिलने हेतु पदयात्रा पर दिल्ली के लिए निकला समर्थक

गोला गोकर्णनाथ खीरी। विपक्षी नेता राहुल गांधी के समर्थक सुहेल अंसारी ने धौरहरा (फरधान) लखीमपुर से राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लेकर पैदल राहुल गांधी से मिलने दिल्ली के लिए निकलने पर नगर गोल के अशोक चौराहा स्थित इंदिरा गांधी पार्क में 2:00 बजे के करीब जोरदार स्वागत किया गया। सुहेल अंसारी के नगर गोल आगमन पर कांग्रेस जनों द्वारा जोरदार तरीके से युवा पदयात्री सुहेल अंसारी का माल्यार्पण कर पार्टी का पटका पहनाकर राष्ट्रीय ध्वज प्रदान कर स्वागत करने के साथ हौसला अफजाई हेतु भेंट स्वरूप पार्टीजनों ने उन्हें आंशिक आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया। सुहेल अंसारी ने इस मौके पर कहा कि जब से हमने अपने जननायक राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा देखी मेरे मन में उनसे मिलने की इच्छा जाग्रत हुई । उस यात्रा से प्रेरित होकर मैं उनसे मिलने दिल्ली जा रहा हूं क्योंकि नेता प्रतिपक्ष राहुल गाँधी बहुत ही ताकतवर हैं और वह देश के मजबूत भविष्य हैं। वह दो:30 बजे बाया संसारपुर को प्रस्थान कर गए रात में विश्राम उनका संसारपुर में होगा। इस अवसर पर अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी ,पूर्व राज्यसभा सांसद रवि प्रकाश वर्मा , जिला उपाध्यक्ष प्रेम कुमार वर्मा, विपुल गुप्ता, वॉर रूम इंचार्ज इकबाल अहमद खान, नारायण लाल वर्मा, पंकज पटेल, सुभाष चंद्र वर्मा, आसिफ खान, अफजल शाह, विवेक शर्मा, शारिक भाई, सहित दर्जनों कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

जडौरा गांव मे प्रधान और ग्रामीणों द्वारा रोपे गए हरिशंकरी के पौधे

गोला गोकर्णनाथ खीरी। भारत सरकार की अगु मेवाई मे भारत के सभी प्रदेशो मे प्रत्येक वर्ष ऐक से सात जुलाई तक वन महोत्सव का आयोजन किया जाता है। जिसमे प्रथ्वी को हरा भरा बनाये रखने के चलते चलते हर जिलों मे लाखो बृक्षो का रोपड वन विभाग की अगुवाई मे सभी सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओ मे बृक्षो का रोपड किया जाता है। जिसके चलते ब्लाक कुम्भी के ग्राम पंचायत जडौरा मे ग्राम प्रधान श्री मती संध्या आशीष मिश्र ने अपनी ग्राम सभा मे सागर दास बाबा स्थान पर व निर्माणाधीन शव दाह स्थान पर हरिशंकरी व औषधीय फलदाई के बृक्षो का रोपण कर हरियाली का संदेश दिया है। इस अवसर पर ग्राम प्रधान प्रतिनिध एडवोकेट आशीष मिश्र,विकास मिश्र,अरुण मिश्र,रामम्‍ मिश्र,विमल कुमार ,सहित तमाम ग्रामीण मौजूद रहे।

विशेष अभियान में 227 वाहनों का हुआ चालान

बांदा। भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार के मंशानुसार सड़क दुर्घटनाओं में 50 प्रतिशत की कमी लाये जाने के उद्देश्य से परिवहन आयुक्त महोदय द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में आज सम्भागीय परिवहन अधिकारी, चित्रकूटधाम सम्भाग, बाँदा के नेतृत्व में सम्भाग के चारों जनपदों बांदा, हमीरपुर, महोबा व चित्रकूट के प्रवर्तन अधिकारियों एवं पुलिस विभाग द्वारा महाराणा प्रताप चौराहा एवं कालु कुँआ चौराहा, बाँदा में बिना हेलमेट, सीटबेल्ट, वाहन चलाते समय मोबाइल के प्रयोग एवं ट्रिपलिंग सवारी करने वाले वाहन चालकों के विरूद्ध प्रवर्तन की कार्यवाही करते हुए विभिन्न अभियोगों में 227 वाहनों का चालान किया गया साथ ही ऐसे वाहन चालकों को जागरूक करते हुए आमजनमानस के लगभग 1100 लोगों से अनुरोध किया गया कि दो पहिया / चार पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट / सीटबेल्ट का प्रयोग करने एवं वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने का अनुरोध भी किया गया।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर कर्मचारियों का विशाल प्रदर्शन, डीएम को सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर शुक्रवार को जिले के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। कर्मचारियों का कहना है कि 2005 के बाद नियुक्त कर्मचारियों के साथ अन्याय किया जा रहा है, क्योंकि उन्हें नई पेंशन स्कीम के तहत पर्याप्त सुरक्षा नहीं मिल रही।

सुबह से ही कर्मचारियों का हुजूम जिला अस्पताल परिसर में इकट्ठा होने लगा। सैकड़ों की संख्या में पहुंचे कर्मचारियों ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी रैली के रूप में जिला अस्पताल से निकलकर गांधीनगर चौराहा, बड़ा चौराहा होते हुए जिला मुख्यालय पहुंचे। इस दौरान शहर की मुख्य सड़कों पर जाम जैसी स्थिति भी देखने को मिली। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पुरानी पेंशन स्कीम बहाल होने तक आंदोलन जारी रहेगा। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि सरकार बार-बार आश्वासन तो देती है लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाती। इससे लाखों कर्मचारियों का भविष्य अधर में लटका हुआ है।

डीएम ऑफिस पहुंचकर कर्मचारियों ने अपनी मांगों का ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। ज्ञापन में स्पष्ट लिखा गया है कि अगर पुरानी पेंशन स्कीम को बहाल नहीं किया गया तो आगामी समय में आंदोलन और तेज किया जाएगा।

कर्मचारी नेताओं ने कहा कि पुरानी पेंशन सेवानिवृत्ति के बाद कर्मचारियों के जीवन यापन के लिए जरूरी है। उन्होंने सरकार से तत्काल इस मुद्दे पर सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की। इस मौके पर विभिन्न विभागों के कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे और एकजुट होकर आंदोलन को जारी रखने का ऐलान किया।

घर से लापता युवक का शव मंदिर के पास मिला, गांव में सनसनी

उन्नाव। जनपद के थाना दही क्षेत्र के चांदपुर गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब मंगलवार से लापता एक युवक का शव गांव के ही मंदिर के पास मिला। मृतक की पहचान 35 वर्षीय अनूप के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई और पूरे गांव में सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार, चांदपुर निवासी अनूप पुत्र स्वर्गीय दुलारे मंगलवार सुबह घर से निकले थे, जिसके बाद वह वापस नहीं लौटे। परिजनों ने उनकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। बुधवार सुबह लगभग 6 बजे गांव के एक व्यक्ति ने मंदिर के पास शव पड़ा देखा और तत्काल घटना की सूचना घरवालों को दी। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और मृतक की शिनाख्त की। इसके बाद उन्होंने घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नदी में डूबे युवक का पता न चलने पर परिजनों ने लगाया जाम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जसपुरा/बांदा। थाना क्षेत्र के जसपुरा कस्बें में गुरुवार की दोपहर को राधे बाल्मीकि पुत्र दुर्जन उम्र 30 साल अपने घर से कुछ दूरी पर आए बाढ़ को देखने के लिए गया हुआ था वहीं पर अचानक से नदी का पानी आ गया और वह डूबने लगा,पास में खड़े ग्रामीणों ने देखा तो उसको बचाने का प्रयास किया लेकिन वे लोग उसको बचा नहीं सके।उन्हीं ग्रामीणों ने युवक के परिजनों एवं स्थानीय पुलिस को जानकारी देते हुए तहसील प्रशासन को अवगत करवाया।वहीं मौके पर कस्बें के कुछ युवकों ने पहुंचकर एक साथ कई कई लोगों का ग्रुप बनाकर उसको बढ़े हुए नदी के पानी में खोजने का प्रयास किया लेकिन सफल नहीं हुए।वहीं मौके पर जसपुरा थाना प्रभारी अनिल कुमार अपने सहयोगियों के साथ में पहुंचकर कर लोगों को घटना से दूर रखने का प्रयास करते रहे जिससे कि कोई अन्य उसकी चपेट में न आए।वहीं तहसील से उपजिलाधिकारी अंकित वर्मा,नायब तहसीलदार मुस्तकीम एवं वेदप्रकाश सहित राजस्व निरीक्षक रामकिशोर कुशवाहा,लेखपाल शिवनरेश एवं राकेश कुमार अग्निहोत्री सहित पहुंचकर,डूबे हुए के परिजनों से मिलकर सत्व्यंना देते हुए रेस्क्यू टीम को बुलवाया लेकिन टीम लगभग 5 घंटे बाद आई तब तक शाम हो चुकी थीं।लेकिन रेस्क्यू टीम ने कुछ देर तक तो युवक की खोज किया लेकिन अंधेरा होने की वजह से जिला मुख्यालय आ गए एवं परिजनों से सुबह आने के लिए कहा।वहीं शुक्रवार को उपजिलाधिकारी अंकित वर्मा घटना स्थल पर पहुंचकर मामले की जानकारी लेते हुए चले गए लेकिन दोपहर तक रेस्क्यू टीम एवं स्थानीय प्रशासन के न पहुंचने पर कस्बें के पुराने बस स्टैंड के पास में जाम लगा दिया।वहीं जाम की जानकारी होने पर पुलिस प्रशासन के हाथ पैर फूल गए।

कार्यभार को देखकर बुमराह को चुनिंदा मैच खेलने का पूरा अधिकार : भारत के सहायक कोच डोइशे

एजेंसी

लंदन। जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड में पांच में से तीन टेस्ट ही खेलने का निर्णय लिया और भारत के सहायक कोच रेयान टेन डोइशे के अनुसार टीम प्रबंधन को उनके कार्यभार को देखते हुए इस फैसले का सम्मान करना सही लगा।

बुमराह ने हेडिंग्ले में पहला टेस्ट खेला लेकिन एजबेस्टन में दूसरे टेस्ट से बाहर रहे। इसके बाद लॉडर्स और ओल्ड टैफर्ड में उन्होंने खेला। निर्णायक पांचवें टेस्ट से पहले बुमराह पर फैसला लेने के लिये भारतीय कप्तान शुभमन गिल और कोच गौतम गंभीर ने ऐन मौके तक इंतजार किया। पांचवें टेस्ट के पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद मीडिया से बातचीत में डोइशे ने कहा कि बुमराह जैसे खिलाड़ी को बाहर रखने का फैसला हमेशा कठिन होता है। उन्होंने कहा ,'' बुमराह का मसला पेचीदा है। हम चाहते थे कि वह खेले लेकिन उसके कार्यभार को देखते हुए हमें लगा कि उसे टीम में शामिल करना सही नहीं होगा। उसने काफी ओवर फेंके हैं। मुझे पता है कि ऐसा लगता नहीं क्योंकि उसने तीन ही टेस्ट खेले और मैनचेस्टर में एक ही पारी में गेंदबाजी की। डोइशे ने आगे कहा ,'' लेकिन उसका कार्यभार देखें तो उसने काफी ओवर डाले हैं। उसने दौरे से पहले ही कह दिया था कि वह तीन

ही टेस्ट खेलेगा और हमें लगा कि उसके फैसले का सम्मान करना चाहिये। ओवल की हरी भरी पिच पर बुमराह काफी उपयोगी साबित होते। क्या वह चोटों से भरे अतीत के कारण अपनी मर्जी से मैच चुन रहे हैं। यह पूछने पर डोइशे ने कहा ,'' यह कहना सही नहीं होगा। उसने कहा था कि वह तीन ही मैच खेलेगा और उसने हम पर छोड़ दिया कि वह तीन मैच कौन से होंगे। हमने स्थिति को संभालने की कोशिश की है, यह आदर्श नहीं है, मुझे लगता है कि उन खिलाड़ियों पर ध्यान देना ज़रूरी है जो नहीं खेल रहे हैं , खासकर जब आपके पास 18 खिलाड़ी हों। उन्होंने कहा ,''उन्हें बताना जरूरी है कि हम सभी फ़ैसले सद्भावना से टीम के सर्वोत्तम हित में ले रहे हैं और इसी वजह से जो खिलाड़ी नहीं खेले हैं, वे शानदार रहे हैं, उन्होंने पूरी टीम को प्रशिक्षित किया है, लेकिन जब उन्हें टीम से बाहर रखा जाता है तो वे निराश होते हैं।

चहल ने कहा, मैंने कभी धोखा नहीं दिया, तलाक के बाद आत्महत्या के विचार भी आए थे

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने धनश्री वर्मा से तलाक के बाद मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के साथ अपने संघर्ष के बारे में खुल कर बात की है, जिसमें उन्होंने खुलासा किया है कि उन्होंने कभी किसी को धोखा नहीं दिया और जिंदगी के इस उथल-पुथल भरे दौर में उनके मन में आत्महत्या के विचार भी आए थे। चहल ने राज शामानी पॉडकास्ट पर अपने निजी जीवन के कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं पर बात की और कहा कि तलाक का फैसला अचानक नहीं लिया गया था, बल्कि कुछ समय से इस पर विचार किया जा रहा था। उन्होंने कहा, ''तलाक के बाद मुझे धोखेबाज़ कहा गया। लेकिन मैंने ज़िंदगी में कभी किसी को धोखा नहीं दिया। मैं बेहद वफ़ादार रहा हूं। शायद मैं दूसरों से ज्यादा वफादार हूं। अपने

प्रियजनों के लिए मैंने हमेशा दिल से सोचा है। इस 34 वर्षीय क्रिकेटर ने कहा कि तलाक के बाद वह भावनात्मक रूप से टूट चुके थे। चहल ने कहा, ''मेरे मन में आत्महत्या के विचार आते थे। मैं अपनी ज़िंदगी से उब चुका था। मैं दिन में कई बार रोता था और बस दो घंटे सोता था। ऐसा 40 दिन से भी अधिक समय तक चला। मुझे घबराहट और अवसाद के दौरे पड़ते थे। सिर्फ़ मेरे करीबी लोग ही जानते थे कि मैं किस दौर से गुज़र रहा था। चहल ने यह भी बताया कि उन्होंने क्रिकेट से ब्रेक लेने पर विचार किया था क्योंकि मानसिक तनाव के कारण वह ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रहे थे। उन्होंने तलाक के फैसले पर पहुंचने के संबंध में कहा कि दोनों पक्षों की बढ़ती व्यावसायिक प्रतिबद्धताओं ने इसमें अहम भूमिका निभाई। चहल ने कहा, ''ऐसा कुछ समय से चल रहा था। हमने तय किया कि जब तक हम पूरी तरह आश्वस्त नहीं हो जाते, हम सार्वजनिक रूप से कुछ नहीं कहेंगे। सोशल मीडिया पर हम एक सामान्य जोड़े की तरह दिखते थे, लेकिन समस्याएं बढ़ती जा रही थी। एक रिश्ते में समझौते की ज़रूरत होती है। अगर दोनों लोग हमेशा व्यस्त रहते हैं, तो दूरी आना स्वाभाविक है। चहल ने उस दौरान फैली अफवाहों का खंडन किया और कहा कि नकारात्मक विचारों ने उन्हें अंदर तक प्रभावित किया। उन्होंने कहा, ''सिर्फ़ इसलिए कि आप किसी के साथ देखे जाते हैं, लोग उससे आपको जोड़ना शुरू कर देते हैं। मेरी दो बहनें हैं। मैं महिलाओं का सम्मान करना जानता हूं।

संक्षिप्त समाचार

बीएफआई के चुनाव 21 अगस्त को एजीएम के दौरान होंगे

नयी दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजी संघ (बीएफआई) के लंबे समय से लंबित चुनाव 21 अगस्त को दिल्ली-एनसीआर में होंगे। देश में इस खेल का संचालन कर रही अंतरिम समिति ने यह घोषणा की। अंतरिम समिति के प्रमुख अजय सिंह द्वारा हस्ताक्षरित 31 जुलाई के परिपत्र के मुताबिक बीएफआई की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) 21 अगस्त को दिल्ली-एनसीआर में आयोजित की जाएगी। इस एजीएम का एजेंडा पिछली बैठक के ब्यौरे पर सहमति जताने के साथ 2025-2029 की अवधि के लिए विभिन्न पदों का चुनाव और अध्यक्ष की अनुमति से किसी अन्य कार्य पर मुहर लगाना है। बीएफआई के पिछले पदाधिकारियों का कार्यकाल इस साल दो फरवरी को समाप्त हो गया था। इससे पहले चुनाव 28 मार्च को निर्धारित किए गए थे लेकिन कई अपीलों और जवाबी अपीलों सहित कानूनी विवादों के कारण प्रक्रिया रुक गई थी। इसके बाद चुनाव अधिकारी ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इस खेल की वैश्विक संस्था 'विश्व मुक्केबाजी' ने भारतीय मुक्केबाजी के दिन-प्रतिदिन के मामलों के संचालन के लिए अंतरिम समिति का गठन किया था। उसने चुनाव कराने के लिए 31 अगस्त की समय सीमा तय की थी। चुनाव की पूरी प्रक्रिया फिर से शुरू होगी, जिसकी शुरुआत मतदान सूची के गठन से होगी। सदस्य राज्यों को सोमवार शाम पांच बजे तक दो प्रतिनिधियों के नाम भेजने को कहा गया है।

सप्तक तलवार की स्कॉटलैंड में शानदार शुरुआत

केल्सो (स्कॉटलैंड)। भारत के सप्तक तलवार ने यहां फार्मफूड्स स्कॉटिश चैलेंज गोल्फ टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत करते हुए पहले राउंड में पांच अंडर 66 का शानदार स्कोर बनाया। तलवार ने पहले राउंड में एक भी बोगी नहीं की जबकि इस बीच पांच बर्डी बनाई। वह पहले राउंड के बाद पांच अन्य खिलाड़ियों के साथ संयुक्त आठवें स्थान पर हैं। पिछले नौ होल से शुरुआत करते हुए तलवार ने 12वें, 15वें और 17वें होल पर बर्डी बनाई। इसके बाद उन्होंने दूसरे और पांचवें होल में भी बर्डी बनाई। पहले राउंड के बाद विल एनफर शीर्ष पर थे। उन्होंने 10 अंडर 61 के शानदार स्कोर के साथ नया कोर्स रिकॉर्ड बनाया।

गोदरेज प्रॉपर्टीज का पहली तिमाही में शुद्ध लाभ 15 प्रतिशत बढ़कर 598.40 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली। गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 15 प्रतिशत बढ़कर 598.40 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का गत वित्त वर्ष 2024-25 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में शुद्ध लाभ 518.8 करोड़ रुपये रहा था। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में हालांकि कुल आय घटकर 1,620.34 करोड़ रुपये रह गई, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 1,699.48 करोड़ रुपये थी। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान मुंबई स्थित गोदरेज प्रॉपर्टीज ने 6,967.05 करोड़ रुपये की कुल आय पर 1,389.23 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है।

रॉयल एनफील्ड की बिक्री जुलाई में 31 प्रतिशत बढ़ी

नयी दिल्ली। रॉयल एनफील्ड की कुल बिक्री जुलाई में 31 प्रतिशत बढ़कर 88,045 इकाई हो गई। यह एक साल पहले इसी महीने 67,265 इकाई रही थी। रॉयल एनफील्ड ने शुक्रवार को बयान में कहा कि पिछले महीने घरेलू बिक्री 76,254 इकाई रही जो जुलाई 2024 की 61,208 इकाई से 25 प्रतिशत अधिक है। निर्यात पिछले महीने 95 प्रतिशत बढ़कर 11,791 इकाई हो गया, जबकि पिछले साल जुलाई में यह 6,057 इकाई था। रॉयल एनफील्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बी. गोविंदराजन ने कहा, '' ३ नई 'हंटर 350' को भारत और वैश्विक बाजारों में शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। उन्होंने कहा, '' उत्पाद नवाचार, वैश्विक पहुंच और सामुदायिक जुड़ाव पर मजबूत ध्यान देने के साथ कंपनी को मध्यम आकार की मोटरसाइकिल खंड में अपने नेतृत्व को और मजबूत करने का भरोसा है।

फिच ने भारत का वृद्धि अनुमान घटाकर 6.3 प्रतिशत किया, अमेरिकी शुल्क के सीमित असर का अनुमान

नयी दिल्ली। फिच रेटिंग्स ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) अनुमान को घटाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया। साथ ही कहा कि भारतीय कंपनियों पर अमेरिकी उच्च शुल्क का सीमित प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ने की आशंका है। फिच ने अप्रैल में अपने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में 2025-26 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। फिच ने शुक्रवार को जारी अपनी 'इंडिया कॉरपोरेट क्रेडिट ट्रेंड्स' रिपोर्ट में कहा, ङ्कहमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत की जीडीपी वृद्धि 6.3 प्रतिशत रहेगी। बुनियादी ढांचे पर मजबूत खर्च के चलते सीमेंट और निर्माण सामग्री, बिजली, पेट्रोलियम उत्पाद, इस्पात और इंजीनियरिंग एवं निर्माण (ईएंडसी) कंपनियों की अच्छी मांग को बल मिलेगा। फिच रेटिंग्स को उम्मीद है कि मार्च 2026 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में उसकी रेटिंग वाली भारतीय कंपनियों के ऋण मानकों में सुधार होगा, क्योंकि व्यापक ईबीआईटीडीए (कर पूर्व आय) मार्जिन उनके उच्च पूंजीगत व्यय को संतुलित कर देगा। अमेरिकी शुल्क के प्रभाव पर, फिच ने कहा कि उसे अपनी रेटिंग वाली भारतीय कंपनियों पर अमेरिकी उच्च शुल्क से ङ्कसीमित प्रत्यक्ष प्रभावङ्क की उम्मीद है, क्योंकि उनका अमेरिकी निर्यात जोखिम आम तौर पर कम से मध्यम है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि कुछ मामलों में अतिरिक्त आपूर्ति से दूसरे स्तर के जोखिम पैदा हो सकते हैं। फिच ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता भी अंतिम परिणाम को प्रभावित कर सकता है, और कंपनियां निर्यात में विविधता लाकर शुल्क के प्रभाव को कम करने की कोशिश कर सकती हैं।

कंधे की चोट के कारण पांचवें टेस्ट में आगे नहीं खेल पाएंगे वोक्स

लंदन। चोटिल खिलाड़ियों की समस्या से जूझ रहे इंग्लैंड को शुक्रवार को तब करारा झटका लगा जब तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स कंधे की चोट के कारण भारत के खिलाफ चल रहे पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच से बाहर हो गए। गुरुवार को मैच के पहले दिन करुण नायर के शॉट पर बाउंड्री बचाने के प्रयास में वोक्स चोटिल हो गए थे और उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा था। वोक्स जब मैदान से बाहर गए तो उनका बायां हाथ स्वेटर में लिपटा हुआ था और वह दर्द से कराह रहे थे। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने एक बयान में कहा, ''इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स को भारत के खिलाफ मैच के पहले दिन बाएं कंधे में लगी चोट के बाद पांचवें टेस्ट के शेष खेल के दौरान निगरानी में रखा जाएगा। अभी वह चोट के कारण मैच में आगे भाग नहीं ले पाएंगे। श्रृंखला समाप्त होने के बाद उनकी आगे जांच की जाएगी। इससे पहले तेज गेंदबाज गस एटकिंसन ने कहा था कि वोक्स की चोट गंभीर लग रही है।

खालिद जमील भारतीय पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच नियुक्त

एजेंसी

■ 13 साल बाद एक भारतीय बना टीम का मुख्य कोच

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने शुक्रवार को खालिद जमील को भारतीय पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया, जिससे वह 2011-12 में साविओ मेडेइरा के बाद यह पद संभालने वाले पहले भारतीय बन गए।

जमील ने मनोलो मार्केज़ का स्थान लिया है, जिन्होंने एक वर्ष से अधिक समय तक प्रतिस्पर्धी मैचों में जीत न मिलने के कारण पिछले महीने पद छोड़ दिया था। जमील का चयन तीन लोगों की शॉर्टलिस्ट में से किया गया था, जिनमें पूर्व राष्ट्रीय कोच स्टीफन कॉन्स्टेंटाइन और स्लोवाकिया के मैनेजर स्टीफन टारकोविक शामिल थे। एआईएफएफ की तकनीकी समिति ने राष्ट्रीय टीम के निदेशक सुब्रत पाल से परामर्श के बाद 22 जुलाई को इस सूची को अंतिम रूप दिया। समिति ने एक ऐसे भारतीय कोच को प्राथमिकता दी जो टीम के सांस्कृतिक और विकासात्मक परिवेश से जुड़ सके, और यही वह कारक था जिसने जमील को इस सूची में शीर्ष पर पहुंचाया। एआईएफएफ कार्यकारी समिति ने 1 अगस्त को तकनीकी समिति की सिफ़ारिश का समर्थन किया और जमील की नियुक्ति की पुष्टि की। बजट संबंधी चिंताओं ने भी इस निर्णय को प्रभावित किया। एआईएफएफ की आय 2023 में 137.74 करोड़ से घटकर 2024 में 110.5 करोड़ रह गई, और उसे इगोर स्टिमैक का अनुबंध समाप्त करने के

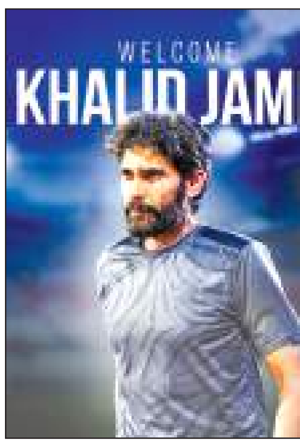

लिए 400,000 अमेरिकी डॉलर का भुगतान करना पड़ा। इस बीच, मार्केज़ कथित तौर पर प्रति अंतरराष्ट्रीय विंडो 10,000 अमेरिकी डॉलर कमा रहे थे। ऐसे माहौल में एक अनुभवी भारतीय कोच को नियुक्त करना वित्तीय और फुटबॉल दोनों ही दृष्टि से उचित था। 49 वर्षीय इस जमील ने एक खिलाड़ी (2005 में महिंद्रा यूनाइटेड के साथ) और एक कोच (2017 में आइज़ॉल एफसी के साथ) के रूप में भारत के शीर्ष डिवीजन खिताब जीते हैं। एएफसी प्रो लाइसेंस धारक, जमील आई-लीग, आई-लीग 2 और इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में कोचिंग कर चुके हैं। अंडरडॉग आइज़ॉल के साथ उनका आई-लीग खिताब जीतना, जो उसका पहला और एकमात्र शीर्ष-स्तरीय खिताब है, भारतीय फुटबॉल की सबसे यादगार उपलब्धियों में से एक है। हाल ही में उन्होंने 2023-24 सीज़न के मध्य में जमशेदपुर एफसी की कमान संभाली और टीम को सुपर कप सेमीफाइनल तक पहुँचाया, फिर उपविजेता और अगले आईएसएल सेमीफाइनल में पहुंचाया।

लक्ष्य, मन्नेपल्ली मकाऊ ओपन के सेमीफाइनल में

मकाऊ, एक अगस्त (भाषा) भारत के स्टार खिलाड़ी लक्ष्य सेन और तरुण मन्नेपल्ली ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शुक्रवार को मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। विश्व में 47वें स्थान पर काबिज 23 वर्षीय मन्नेपल्ली ने 87वें स्थान पर काबिज चीन के हू झे को 75 मिनट तक चले मुकाबले में 21-12, 13-21, 21-18 से हराया। वहीं राष्ट्रमंडल खेल चैम्पियन दूसरी वरीयता प्राप्त लक्ष्य ने चीन के शुआन चेन झू को 21-14, 18-21, 21-14 से मात दी। अब लक्ष्य का सामना इंडोनेशिया के पांचवीं वरीयता प्राप्त अल्वी फरहान से होगा जबकि मन्नेपल्ली की टक्कर मलेशिया के जस्टिन होह से होगी। मन्नेपल्ली ने पहली बार किसी बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। इससे पहले वह फरवरी में जर्मन ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। चार साल पहले पुलेला गोपीचंद अकादमी से जुड़ने वाले मन्नेपल्ली ने पिछले दौर में हांगकांग के शीर्ष वरीयता प्राप्त ली चेउक यिउ को हराया था।

अमेरिका के बिना किसी छूट के 25 प्रतिशत शुल्क से 25 अरब डॉलर के निर्यात को खतरा: जीटीआरआई

एजेंसी

नयी दिल्ली। अमेरिका के भारत के सभी सामानों पर सात अगस्त से बिना किसी छूट के 25 प्रतिशत का शुल्क लगाने से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर बुरा असर पड़ सकता है। जीटीआरआई ने शुक्रवार को यह बात कही। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) द्वारा अमेरिका के कार्यकारी आदेश के विश्लेषण के अनुसार, 25 प्रतिशत शुल्क अब दवा और इलेक्ट्रॉनिक जैसे क्षेत्रों पर भी लागू होगा जिन्हें पहले अमेरिका द्वारा आयात शुल्क से छूट दी गई थी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक शासकीय आदेश जारी किया है जिसमें विभिन्न देशों पर लगने वाली शुल्क दरों का ब्योरा दिया गया है। इसके तहत भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने की पुष्टि की गई है। 'जवाबी शुल्क दरों में अतिरिक्त संशोधन' शीर्षक वाले शासकीय आदेश में राष्ट्रपति ट्रंप ने करीब 70 देशों पर लगाए जाने वाली शुल्क दरों का ब्योरा दिया है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, '' राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा अनुमोदित यह शुल्क हाल के वर्षों में अमेरिका द्वारा किसी प्रमुख व्यापारिक साझेदार के विरुद्ध की गई सबसे कठोर व्यापारिक कार्रवाइयों में से एक है। उन्होंने कहा, '' यह कदम इसलिए अलग है क्योंकि इसमें कई अन्य व्यापारिक साझेदारों के विपरीत भारत को सभी उत्पाद-स्तरीय छूट से वंचित कर दिया गया है। यहां तक कि उन उत्पादों और क्षेत्रों में भी, जिनमें अमेरिका ने अन्य देशों को छूट दी है। श्रीवास्तव ने कहा कि यह आदेश केवल एक शुल्क उपाय नहीं बल्कि दबाव बनाने की रणनीति है। उन्होंने कहा, '' चीन जैसे देशों पर दवाइयों, सेमीकंडक्टर और ऊर्ज़ा जैसी जरूरी वस्तुओं पर छूट बरकरार रखी है। भारत के साथ सख्ती बरती गई है उत्पाद-स्तर पर कोई छूट नहीं दी गई है। संदेश स्पष्ट है कि अमेरिकी भू-राजनीतिक विचारों से सहमत हों, समझौता करें या व्यापक स्तर के शुल्क का सामना करें। भारत को दूसरों के लिए एक मिसाल बनाया जा रहा है। आर्थिक शोध संस्थान के अनुसार, भारतीय वस्तुओं पर सात अगस्त से 25 प्रतिशत की दर से शुल्क लगेगा। हालांकि जो सामान पांच अक्टूबर 2025 तक वहां पहुंचने वाला है, उन पर पुरानी दर (ज्यादातर पर 10 प्रतिशत) लागू होगी। इसमें इस्पात व एल्यूमीनियम (पर 50 प्रतिशत) तथा स्मार्टफोन जैसे शुल्क-मुक्त उत्पाद शामिल नहीं हैं। श्रीवास्तव ने कहा कि सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में पेट्रोलियम उत्पाद, दवा और इलेक्ट्रॉनिक होंगे। इनमें से प्रत्येक में आयात सामग्री अधिक है और घरेलू मूल्यवर्धन कम है। अमेरिका ने विभिन्न देशों से आयात पर 10 प्रतिशत से लेकर 41 प्रतिशत तक की दर से नए शुल्क लगाए हैं। जीटीआरआई ने कहा कि इसका मतलब है कि इन देशों से आयात पर अब अमेरिकी शुल्क और अतिरिक्त 'जवाबी शुल्क' दोनों लागू होंगे। इससे कुल शुल्क में भारी वृद्धि होगी इसके अलावा, उच्च शुल्क (25-30 प्रतिशत) का सामना करने वाले देशों में भारत, ब्रुनेई, कजाकिस्तान, मोल्दोवा और ट्यूनीशिया शामिल हैं।

ध्यान देने योग्य बात यह भी है कि भारत के निर्यात प्रतिस्पर्धियों बांग्लादेश, श्रीलंका, ताइवान और वियतनाम पर 20 प्रतिशत शुल्क लगाया जा रहा है।

मारुति सुजुकी की जुलाई में बिक्री तीन प्रतिशत बढ़ी

एजेंसी

नयी दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया की जुलाई में कुल बिक्री सालाना आधार पर तीन प्रतिशत बढ़कर 1,80,526 इकाई रही। कंपनी ने जुलाई 2024 में 1,75,041 वाहन बेचे थे। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने बयान में कहा कि घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर मामूली वृद्धि के साथ 1,37,463 इकाई रही। ऑल्टो और एस-प्रेसो सहित छोटी कारों के खंड में बिक्री जुलाई 2024 में 9,960 इकाइयों की तुलना में घटकर 6,822 इकाई रह गई। बलेनो, डिजायर, इग्निस और स्विफ्ट जैसी कॉम्पैक्ट कारों की बिक्री सालाना आधार पर 58,682 इकाइयों से बढ़कर 65,667 इकाई हो गई। ग्रैंड विटारा, ब्रेजा, अर्टिगा और एक्सएल6 जैसी यूटिलिटी वाहनों की बिक्री पिछले महीने 52,773 इकाई रही, जबकि जुलाई 2024 में यह 56,302 इकाई थी। वैन ईको की बिक्री पिछले महीने 12,341 इकाई रही जबकि जुलाई 2024 में यह 11,916 इकाई थी। हल्के वाणिज्यिक वाहन सुपर कैरी की बिक्री 2,794 इकाई रही जो पिछले साल जुलाई में 2,891 इकाई थी। एमएसआई ने कहा कि पिछले महीने उसका निर्यात 31,745 इकाई रहा, जबकि जुलाई 2024 में यह 23,985 इकाई थी।

वन मोबिक्विक सिस्टम्स का पहली तिमाही में घाटा बढ़कर 41.9 करोड़ रुपये

एजेंसी

नयी दिल्ली। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन मोबिक्विक सिस्टम्स का चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में एकीकृत घाटा बढ़कर 41.9 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी को गत वित्त वर्ष 2024-25 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में 6.6 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। वन मोबिक्विक ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन अवधि में उसकी परिचालन आय 20.7 प्रतिशत घटकर 271.3 करोड़ रुपये रही जो पिछले वर्ष इसी तिमाही में 342.2 करोड़ रुपये थी। पहली तिमाही में कुल खर्च 312.8 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 343.6 करोड़ रुपये था। इस दौरान वन मोबिक्विक के ग्राहकों की संख्या 18.02 करोड़ तक पहुंच गई है, और इसके साथ ही 46.4 लाख व्यापारियों ने भी इसके मंच पर भागीदारी की है। वन मोबिक्विक सिस्टम्स की कार्यकारी निदेशक, सह-संस्थापक एवं मुख्य वित्तीय अधिकारी उपासना टाकू ने कहा, '' हम अपने मुख्य व्यवसाय में निरंतर प्रगति से खुश हैं। भुगतान में मजबूत वृद्धि देखी गई और वित्तीय सेवाओं में सुधार हुआ जिसके परिणामस्वरूप पहली तिमाही में कर पूर्व आय में सुधार हुआ, जो लाभप्रदता के लिए हमारे मार्ग को मजबूत करता है। हम परिचालन लाभ को बढ़ाने और दीर्घकालिक मूल्य सृजन पर ध्यान केंद्रित करते रहेंगे।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में अगस्त के पहले दिन आज गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 420 रुपये से 470 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी के भाव में भी आज 2,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट आई है। कीमत में कमी आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,00,020 रुपये से लेकर 1,00,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 91,690 रुपये से लेकर 91,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह चांदी के भाव में भी कमी आने के कारण कारण ये चमकीली

धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,14,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,00,020 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,00,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,00,020 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,690 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,00,020 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,00,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 91,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,00,170 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सााई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के डीआरएम ने वाराणसी जंक्शन का किया निरीक्षण

■ स्वच्छता पखवाड़ा की शुरूआत की,रेल कर्मियों को दिलाई स्वच्छता की शपथ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जंक्शन (कैंट रेलवे स्टेशन) का शुक्रवार को उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) सुनील कुमार वर्मा ने निरीक्षण किया। रेलवे स्टेशन के विभिन्न प्लेटफार्म सहित सर्कुलेटिंग एरिया में साफ-सफाई की व्यवस्था के साथ डीआरएम ने यात्री सुविधाओं, टिकट काउंटर, वेटिंग हॉल और प्लेटफॉर्म की व्यवस्थाओं को परखा। इस दौरान कई जगहों पर गंदगी देख मंडल रेल प्रबंधक ने नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन,यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर खासा ज़ोर दिया। स्टेशन पर निर्माणाधीन कार्यों की प्रगति की जानकारी लेने के साथ उसे तय समय पर गुणवत्ता के साथ पूरा करने का निर्देश दिया। डीआरएम ने स्टेशन पर मौजूद यात्रियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं भी जानीं और सुझावों को भी सुना। डीआरएम सुनील कुमार वर्मा ने बताया कि स्वच्छता पखवाड़ा (01 से 15 अगस्त तक) शुक्रवार से शुरू हो रहा है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बाहर लगे यूरिनल पॉइंट्स का जायजा लिया, जहां पानी बहने की समस्या देखी गई। उन्होंने बताया कि जल्द ही यहां वाटर-लेस यूरिनल पॉइंट लगाए जाएंगे, जिससे पानी की बर्बादी रुकेगी, गंदगी नहीं फैलेगी और दुर्गंध भी नहीं आएगी। सर्कुलेटिंग एरिया में जाम मैनहोल की सफाई के लिए निर्देश भी दिए गए। डीआरएम ने पत्रकारों को बताया कि हमने आज रूटीन निरीक्षण किया है। वाराणसी कैंट स्टेशन पर यात्रियों का आवागमन अधिक है। यात्रियों को बेहतर सुविधा देने के लिए रेलवे कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि निरीक्षण में कमियां मिलती ही हैं। कमियों को सही करने के निर्देश दिए गए हैं। दोबारा कमियां मिलने पर कार्रवाई होगी । लखनऊ मंडल के डीआरएम ने रेल कर्मियों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई। उन्होंने स्वच्छता पखवाड़े में स्वच्छता के प्रति विशेष तौर पर कर्मियों को प्रेरित किया। उन्होंने पार्किंग को लेकर कहा कि 9 अगस्त को इसका टेंडर खुलने जा रहा है।

एयर कमोडोर चंद्र कुमार रस्यारा ने वायु सेना स्टेशन मनौरी की कमान संभाली

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। एयर कमोडोर चंद्र कुमार रस्यारा ने शुक्रवार को भव्य एवं समारोह परेड के दौरान एयर कमोडोर अंग्शुक पाल से वायु अफसर कमांडिंग के रूप में वायु सेना स्टेशन मनौरी की कमान संभाली। यह जानकारी रक्षा मंत्रालय, प्रयागराज के विंग कमांडर एवं पीआरओ देवबर्थो धर ने दी। उन्होंने बताया कि यह डिपो, भारतीय वायु सेना का प्रमुख आपूर्ति शृंखला प्रतिष्ठान है जिसका इतिहास 1870 के दशक से जुड़ा हुआ है। उन्होंने बताया कि एयर कमोडोर चंद्र कुमार रस्यारा को दिसम्बर 1991 में भारतीय वायु सेना की परिभारिकी शाखा में कमीशन प्राप्त हुआ था। उन्होंने वित्तीय प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और रक्षा एवं सामरिक अध्ययन में मास्टर ऑफ साइंस की उपाधि प्राप्त की है। अपने 33 वर्षों के विशिष्ट कार्यकाल में उन्होंने वायु सेना मुख्यालय एवं विभिन्न कमान मुख्यालयों में कई प्रमुख पदों पर कार्य किया है।पीआरओ ने आगे बताया कि श्री रस्यारा ने पूर्वी क्षेत्र में आपूर्ति शृंखला के एक प्रमुख पद का नेतृत्व किया है और दक्षिण-पश्चिमी तथा मध्य क्षेत्रों में परिचालन इकाइयों व बेस मरम्मत डिपो में सेवारत रहे हैं। एक उत्साही पाठक और कवि होने के साथ-साथ एयर कमोडोर रस्यारा अपने साथ अनुभव और नेतृत्व की पूंजी लेकर आए हैं। इस अवसर पर उनकी पत्नी श्रीमती चंद्रकला रस्यारा ने रोमा सिन्हा पाल से कार्यभार लेते हुए वायु सेना परिवार कल्याण संघ (स्थानीय) की अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया।

यूपी के परिषदीय स्कूल के एस्ट्रो लैब में बच्चों के सपनों को मिल रही नई उड़ान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बलिया। अंतरिक्ष में उड़ान भरने वाले ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की तरह प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों के बच्चों में वैज्ञानिक सोच को नई उड़ान देने के लिए एस्ट्रो लैब स्थापित किए जा रहे हैं। बलिया में बेसिक शिक्षा विभाग ने इस दिशा में पहल करते हुए सत्रह ब्लाकों के एक-एक विद्यालय में आधुनिक सुविधाओं से लैस विज्ञान प्रयोगशालाएं स्थापित कर दी है। खगोलीय रहस्यों से अनजान सरकारी प्राइमरी स्कूलों के बच्चों के लिए जिले के सत्रह ब्लाकों के एक विद्यालय में जो एस्ट्रो लैब स्थापित किए गए हैं, उसके पीछे सीडीओ ओजस्वी राज की प्रेरणा है। उनके मार्गदर्शन में बेसिक शिक्षा विभाग ने अधिक छात्र संख्या वाले जिले के सत्रह अलग-अलग विद्यालयों में एक कक्ष सुसज्जित कर एस्ट्रो लैब के लिए दिए हैं। पीपीपी मॉडल पर इनमें खगोलीय यंत्र लगाए गए हैं। बताया जा रहा है कि बिहार और असम जैसे देश के अन्य कई राज्यों में स्कूलों में अंतरिक्ष से जुड़ी जानकारी देने के लिए पहले से ही लैब स्थापित किए गए हैं। लेकिन बलिया में स्थापित किए गए सत्रह लैब कई मामलों में उनसे आधुनिक और अलग हैं। इनमें दूरबीन से लेकर कई अन्य अत्याधुनिक यंत्र लगाए गए हैं। हर ब्लाक में बनने वाली इन एस्ट्रो लैब को 'अमृत काल लर्निंग सेंटर' नाम दिया गया है। इन प्रयोगशालाओं में बच्चे अब किताबों के अलावा टेलीस्कोप, वर्चुअल रियलिटी (वीआर) हेडसेट, माइक्रोस्कोप और लाइट एक्सपेरिमेंट किट्स की मदद से अंतरिक्ष और विज्ञान को भी समझ रहे हैं। इन लैबों में डाबसोनियन टेलीस्कोप, प्रकाश प्रयोग किट, मानव शरीर माडल और अन्य शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराई गई है। जहां परिषदीय विद्यालयों के बच्चे तो खगोलीय रहस्यों से रूबरू हो ही रहे हैं, अब प्राइवेट स्कूलों के बच्चे भी इन लैबों में आ रहे हैं। मऊ जिले के प्रतिष्ठित सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल के बच्चों ने सीयर ब्लाक स्थित स्कूल में एस्ट्रो लैब का गहन अध्ययन किया। मऊ के जयपुरिया स्कूल से आये छात्रों ने इस खगोल प्रयोगशाला में अंतरिक्ष को लेकर अपनी कई जिज्ञासाओं का समाधान किया। क्योंकि अभी तक वे अंतरिक्ष के जो रहस्य किताबों में पढ़े थे, उन्हें वास्तविक रूप में देखने का मौका मिला। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मनीष कुमार सिंह ने बताया कि परिषदीय स्कूल में स्थापित 17 खगोल प्रयोगशालाओं में विभिन्न वैज्ञानिक यंत्र स्थापित किए गए हैं। इसके माध्यम से छात्र विज्ञान और अंतरिक्ष बारीकियों की जानकारी आँखों देखी प्राप्त कर रहे हैं। इससे परिषदीय विद्यालयों में बच्चों के शैक्षिक स्तर में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि इन प्रयोगशालाओं में बारी-बारी से आसपास के स्कूलों के बच्चों को लाया जाएगा।

वीवीआईपी मूवमेंट से पहले ट्रांसफार्मर, बिजली के खंभों पर लटकती लताओं, घासों की सफाई

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन से पहले वाराणसी के चौकाघाट और वरुणा पार जोन के मुख्य मार्गों पर विद्युत कर्मचारियों ने उपकेंद्र, ट्रांसफार्मर, बिजली के खंभों पर लटकती लताओं, घासों व पेड़ों की कटाई एवं साफ़ सफाई की। वरुणा पार जोन में शिवपुर से अर्दली बाजार मार्ग पर ट्रांसफॉर्मर पर लगी घासों व लतर की कटाई एवं साफ़ सफाई करने पहुंचे विद्युत कर्मचारी महेंद्र ने बताया कि अधीक्षण अभियंता तकनीकी के निर्देश के बाद शहर के कुछ प्रमुख मार्गो एवं प्रमुख जोन क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति सामान्य करने के उद्देश्य से घास फूस और पौधों की लताओं को काटा-छांटा गया है।

बागपत में 30 सितंबर तक चलेगा राष्ट्र स्तरीय मध्यस्थता अभियान

बागपत। बागपत में विधिक सेवा प्राधिकरण ने सुलह समझौते से विवादों को निपटाने के लिए अभियान चलाया है। यह अभियान 30 सितंबर तक चलाया जा रहा है। यह अभियान न्यायालयों के बोझ को कम करेगा। जनता को त्वरित न्याय मिलेगा। आम नागरिकों को सुलभ, सस्ता और त्वरित न्याय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बागपत जनपद न्यायालय में ''राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान'' की शुरुआत हो चुकी है। यह अभियान 1 जुलाई 2025 से संचालित हो गया है जो 30 सितंबर 2025 तक चलेगा। इसका आयोजन उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में, माननीय सर्वोच्च न्यायालय तथा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के दिशा-निर्देशों के अनुसार किया जा रहा है। इस अभियान का संचालन जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बागपत श्री मनोज कुमार-ऋऋ के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। इस संबंध में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बागपत श्रीमती शबिस्ताँ आकिल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान के अंतर्गत आपसी सुलह-समझौते के आधार पर न्यायालयों में लंबित विभिन्न प्रकार के दीवानी वाद, शमनीय आपराधिक मामले, चेक बाउंस से संबंधित वाद (धारा 138, एनआई एक्ट), धन वसूली, मोटर दुर्घटना दावे, श्रम विवाद, वैवाहिक विवाद (विवाह विच्छेद को छोड़कर), भूमि अधिग्रहण, पेंशन, किरायेदारी, सूखाधिकार, निषेधाज्ञा और उपयुक्त अन्य सिविल वादों का समाधान किया जाएगा।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव
प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह
समूह संपादक
डॉ. सुशीलचन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'
स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग
सलाहकार संपादक
डा. एम.ए.ए.खान (लखनऊ)
(आई.ए.एस. से.नि.)
डा. ओम प्रकाश
(आई.ए.एस. से.नि.)
स्थानीय संपादक नोएडा/एनसीआर
समन्वय संपादक
आशुतोष रंजन
समन्वय संपादक/महाप्रबंधक
अनिल तिवारी
साहित्यक संपादक
आर.पी. शुक्ल, आई.ए.एस(से नि.)
आध्यात्मिक संपादक
श्री राम महेश मिश्र
सह संपादक
ताहिर इकबाल
आई.ए.एस (से नि.)
सह संपादक
मेजर. के. किशोर
सह संपादक
हरीशंकर शुक्ल (पी.पी.एस. से.नि.)
उप सम्पादक
प्रभात वर्मा
स्टेट क्वार्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्कमुख्यालय
कार्यालय फोन नं. : 0522-46 43988
www.rashtriyaprastavana.com
ईमेल : noidarp@gmail.com
प्रधान कार्यालय : - एफ1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशांतगंज लखनऊ,(उप्र)

वाराणसी: गंगा और वरूणा की लहरों ने फिर धरा रौद्र रूप

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

■ गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदू के करीब,राहत शिविरों में पहुंचने लगे पीड़ित

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में सदानीरा गंगा और उनकी सहायक नदी वरूणा ने फिर रौद्र रूप धर लिया है,जिससे दोनों नदियों के तटवर्ती क्षेत्र में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। तटवर्ती क्षेत्र में जनजीवन ठहर सा गया है। मोक्षतीर्थ मणिकर्णिका घाट की गलियों में दूसरी बार नौका चलने की नौबत आ गई है, वहीं जलस्तर चेतावनी बिंदु से महज कुछ सेंटीमीटर दूर पहुंच गया है। वाराणसी जिला प्रशासन, एनडीआरएफ और जल पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद हैं और प्रभावित क्षेत्रों में राहत व बचाव के लिए निर्देश दिए गए है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, शुक्रवार सुबह 06 बजे गंगा का जलस्तर 69.84 मीटर दर्ज किया गया, जबकि चेतावनी बिंदु 70.262 मीटर और खतरे का निशान 71.262 मीटर है। जलस्तर में औसतन दो सेंटीमीटर प्रति घंटे की दर से वृद्धि हो रही है, जिससे हालात और गंभीर हो सकते है। आयोग के अनुसार पिछले दिनों उत्तराखंड में बादल फटने, मध्य प्रदेश और बुंदेलखंड में भारी बारिश के बाद केन-बेतवा के साथ यमुना का पानी आने से गंगा में भी वृद्धि हो रही है। बाढ़ के पहले दौर की तरह इस बार भी तहसील सदर के रामपुर ढाब और शहर के वरुणा नदी के किनारे बसे सात मोहल्ले ऽ सलारपुर, सरैया, नक्खीघाट, ढेलवरिया, दनियालपुर, हुकुलगंज और बड़ी बाजार ऽ सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्रों में शामिल हैं। गंगा के बढ़ते जलस्तर से मणिकर्णिका घाट और हरिश्चंद्र घाट पर अंतिम संस्कार में परेशानी हो रही हैं। मणिकर्णिका घाट की गलियों में पानी भरने से शवों को नाव से ऊपरी प्लेटफॉर्म तक पहुंचाया जा रहा है। हरिश्चंद्र घाट की गलियों में ही शवदाह किया जा रहा है। श्री काशी विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार की सीढ़ियों तक भी पानी पहुंच गया है, जहां अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था तैनात की गई है। दशाश्वमेध घाट स्थित जल पुलिस कार्यालय भी डूबने के कगार पर है। अस्सी घाट की सीढ़ियों को पार करते हुए गंगा का पानी अब गलियों तक पहुंच चुका है, जहां नियमित सायंकालीन गंगा आरती अब गलियों में ही किया जा रहा है। सामने घाट पर निर्माणाधीन घाट जलमग्न हो गया है, जबकि मारुति नगर कॉलोनी में पीछे की ओर से पानी प्रवेश कर गया है। सारनाथ के पुलकोहना क्षेत्र में भी वरुणा नदी के जलस्तर में वृद्धि के कारण नालों के जरिए बाढ़ का पानी घरों तक पहुंच रहा है। प्रशासन की ओर से लगातार निगरानी की जा रही है और जलस्तर पर नजर रखते हुए सभी संबंधित विभागों को सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है। जल पुलिस, एनडीआरएफ, नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग की टीमों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। जिलाधिकारी सत्येंन्द्र कुमार ने गुरूवार शाम बाढ़ प्रभावित क्षेत्र सलारपुर का दौरा किया था। राहत शिविर प्राथमिक विद्यालय सलारपुर में जाकर जिलाधिकारी ने बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की थी।